हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 31 अगस्त 2025

KALINGA UNIVERSITY
RAIPUR | INDIA

NAAC Accredited
NIRF 2024 Ranked: 101-150 | 50+ Acre Campus | 130+ Programs | 8000+ Students from 27+ Countries | 250+ Recruiters

FACULTY OF
INFORMATION TECHNOLOGY

DCA | PGDCA | BCA in AI & ML
MCA | B.CS & M.CS in AI & ML and Cybersecurity

BACHELOR & MASTER OF ANIMATION & VISUAL EFFECTS

MASTER OF DATA SCIENCE

PROGRAMS

COMMERCE
B.Com.
B.Com. Hons. (in Banking & Finance) (Includes GST & Taxation)
M.Com.
M.Com. (Banking & Finance)

MANAGEMENT
BBA
MBA

DESIGN
Bachelor of Fashion Design
Bachelor of Interior Design
Master of Fashion Design
Master of Interior Design

YOGA
Diploma
B.Sc.
PG Diploma
M.Sc.

RESEARCH
Ph.D.

ENGINEERING
Diploma | B.Tech | M.Tech

PHARMACY
D.Pharmacy
B.Pharmacy
B.Pharmacy (Practice)
Pharm.D
M.Pharmacy (Pharmacology / Pharmaceutics Pharmaceutical Chemistry)

LIBRARY & INFORMATION SCIENCE
B.Lib. | M.Lib.

EDUCATION
B.P.Ed
B.Ed

ARTS & HUMANITIES
BA | BA (J & MC) | BSW
BA (Lib. Arts) | MA | MSW
MA (J & MC) | MA.Ed.
MA.(P.Ed)

LAW
LLM | LLB
BA LLB | BBA LLB

SCIENCE
B.SC. - ZBC / PCM
BSC / M.Sc. - (Biotechnology / Bioinformatics / Biochemistry Microbiology)

OUR ACHIEVERS

GULAM GOUSH
MCA
Placed as Senior Software Developer at Capgemini

KASHISH BAWNE
B.CS
Placed as System & Application Services Associate at accenture

VIKAS KUMAR
BCA
Placed as Graduate Trainee at TATA CONSULTANCY SERVICES

AJAY SHARMA
BCA
Placed at PRODESK

WHY CHOOSE KALINGA UNIVERSITY?

- EXPERIENCED FACULTY
- CREATIVE ENVIRONMENT
- STARTUP OPPORTUNITIES
- 100% CAREER OPPORTUNITIES
- STATE-OF-THE-ART FACILITIES
- INDUSTRY-RELEVANT CURRICULUM
- WELL-DESIGNED CENTRAL INSTRUMENTATION FACILITY & LABS

ADMISSIONS CLOSE ON
31ST AUGUST 2025

NEW AGE PROGRAMS

B.Sc. & M.Sc. in Forensic Science

BA & MA in Film Making In collaboration with NIIRA EDUCOM

B.Tech CS in AI & ML In collaboration with IBM Innovation Centre for Education

OUR CORE RECRUITERS: cognizant | Tech Mahindra | wipro | accenture | Infosys BPM | ADITYA BIRLA GROUP | Capgemini | tcs TATA CONSULTANCY SERVICES | And Many More...

+91-9907252100

- Campus: Kalinga University, Kotni, Near Mantralaya, Naya Raipur – 492101, Chhattisgarh
- City Office: 1st Floor, SLT Waterfront, Opp. Telibandha Talab, Raipur – 492001
- Bhilai Office: 111, Khichariya Complex, Opp. Domino's Pizza, Near Hotel Grand Dhillon, Bhilai

SCAN THE **QR CODE**
To Register for our Entrance Examinations
KALSEE/KAL-MAT

#Rajesh9926308899

छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले से प्राप्त ढाई करोड़ झारखंड में टेंडर लेने पर खर्च

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

छत्तीसगढ़ में करोड़ों रुपए के शराब घोटाला में आरोपी बनाए गए पेशे से सीए संजय मिश्रा के भाई मनीष मिश्रा पर झारखंड में शराब सप्लाई करने टेंडर लेने ढाई करोड़ रुपए कमीशन बांटने का आरोप है। मनीष ने कमीशन की राशि छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से प्राप्त आय से की है। मनीष मिश्रा नेक्सजेन पावर इंजीटेक प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर है।

ईओडब्लू ने कोर्ट में दाखिल पूरक चालान में मनीष मिश्रा के उस बयान को भी लगाया है, जिसमें उसने बताया है कि झारखंड में उत्पाद टेंडर में उसकी कंपनी ने ढाई करोड़ रुपए कमीशन के रूप में खर्च किया था। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले का सिंडीकेट झारखंड में तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे के कार्यकाल में लागू उत्पाद नीति में भी सक्रिय था। इन्हीं सिंडीकेट का हिस्सा छत्तीसगढ़ की शराब आपूर्ति कंपनी मेसर्स ओम साईं ब्रेवरेजेज के दो निदेशक मुकेश मनचंदा व अतुल सिंह भी थे, जिन्हें ईओडब्ल्यू, एसीबी की टीम ने पिछले दिनों झारखंड से गिरफ्तार कर लाई है।

छत्तीसगढ़ के साथ झारखंड में आरोपी बनाए गए हैं

छत्तीसगढ़ में शराब आपूर्ति करने वाली कंपनी साईं ब्रेवरेज के साथ दीशिता वेंचर्स झारखंड में भी शराब आपूर्ति का काम करती थी। सिंडिकेट से जुड़े लोगों ने झारखंड में साढ़े चार सौ करोड़ रुपए का शराब घोटाला किया है। इन दोनों कंपनियों को वर्ष 2022 में शराब आपूर्ति करने का ठेका मिला था। जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक दोनों कंपनियों को पिछले वर्ष नवंबर 2024 में झारखंड के तत्कालीन उत्पाद आयुक्त अमित प्रकाश ने 11 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया था। जांच में इस बात की पुष्टि होने पर मुकेश मनचंदा, अतुल सिंह को झारखंड एसीबी ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था, तत्कालीन आयुक्त उत्पाद अमित प्रकाश भी जेल भेजे गए थे।

ईओडब्लू, एसीबी ने सीए संजय मिश्रा, उसके भाई मनीष को 20 जुलाई को किया है गिरफ्तार

मनीष मिश्रा नेक्सजोन पावर इंजीटेक प्राइवेट लिमिटेड का डायरेक्टर है

पैसा नहीं मिलने पर बात थाने तक पहुंची

झारखंड में टेंडर हासिल करने मनीष मिश्रा के साथ ओम साईं ब्रेवरेज के डायरेक्टर मुकेश मनचंदा तथा अतुल सिंह ने रकम निवेश की थी। मुकेश तथा अतुल ने विजय के पास उसकी हिस्से की रकम जुलाई 2022 तक भुगतान की। उसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर में मुकेश तथा अतुल का भुगतान रुक गया। इस वजह से विजय भाटिया को उसके हिस्से की रकम नहीं मिली। झारखंड में उनका भुगतान अटकने पर दोनों ने अपने पार्टनर विजय भाटिया का भी भुगतान रोक दिया था। इसके लिए विजय भाटिया को पुलिस का सहारा लेना पड़ा था।

खबर संक्षेप

स्कूली छात्रों को नशा से दूर रखने कवायद, प्राचार्यों को भी मिलेंगे टिप्स

रायपुर। स्कूली छात्रों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए अब विशेष अभियान चलाए जाने की तैयारी है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मिलकर नशा मुक्ति जागरूकता अभियान शुरू करने जा रहे हैं। दोनों संस्थानों के मध्य इसे लेकर विशेष अनुबंध होगा। समझौते के तहत सीबीएसई और एनसीबी संयुक्त रूप से जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं और परामर्श सत्र आयोजित करेंगे। इनका उद्देश्य शिक्षकों, परामर्शदाताओं और छात्रों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के प्राचार्य और काउंसलर्स शामिल होंगे। इस अभियान के जरिए मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से बचाव की रणनीतियां तैयार की जाएंगी। शिक्षकों और काउंसलर्स की भूमिका को सशक्त करने, नशा-रहित स्कूल समुदायों का निर्माण जैसी व्यवस्थाएं भी होंगी।

लाभांडी में दो कार, एंबुलेंस आपस में टकराईं

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के लाभांडी चौक पर शनिवार दोपहर दो कार और एक एंबुलेंस आपस में टकरा गईं। हादसे में कार में सवार दो महिलाओं को चोटें आई हैं। एंबुलेंस चालक तथा अन्य को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद किसी ने एक दूसरे के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई। आपसी समझौता कर मामले को रफा-दफा कर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार कार ने आगे चल रही एंबुलेंस को टक्कर मारी, जिससे पीछे से आ रही दूसरी कार ने भी एंबुलेंस को टक्कर मारने वाली कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक कार के सामने तथा पीछे का दूसरी कार के सामने का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। एक्सीडेंट के बाद गुजर रहे राहगीरों ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला और पुलिस तथा 108 एंबुलेंस को सूचना दी। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और अचानक ब्रेक लगाने से एक्सीडेंट होने की बात सामने आई है।

बीजापुर में 3 दिन में 3 युवकों की हत्या

नक्सलियों ने शिक्षादूत को उतारा मौत के घाट, 72 घंटे में दूसरी हत्या

बीजापुर जिले में तीन दिन में तीन युवकों की हत्या कर दी गई। इनमें दो शिक्षादूत व एक आदिवासी युवक है, जो गांव में ही दुकान खोलकर परिवार का भरणपोषण कर रहा था। बीजापुर व सुकमा जिले में नक्सलियों के निशाने पर शिक्षादूत लंबे समय से हैं। वर्ष 2023 से अब तक नौ शिक्षादूतों की नक्सली हत्या कर चुके हैं।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बीजापुर में पिछले 72 घंटे में शिक्षादूत के हत्या की इस दूसरी वारदात को नक्सलियों ने अंजाम दिया है। गंगालूर क्षेत्र स्थित लेंड्रा में पदस्थ शिक्षादूत कल्लू ताती निवासी ग्राम तोड़का का नक्सलियों ने उस समय अगवा कर लिया, जब वह स्कूल से अपने घर लौट रहा था। अगवा कर देर रात नक्सलियों ने उसकी धारदार हथियार से हमला कर बेरहमी से हत्या कर दी गई। जानकारी के मुताबिक बीती शाम स्कूल से घर लौटते समय नक्सलियों ने उनका अपहरण कर लिया था। जिसके बाद देर रात वारदात को अंजाम दिया। मृतक कल्लू ताती तोड़का गांव के रहने वाले थे। शिक्षा के माध्यम से ग्रामीणों और बच्चों को जागरूक करने वाले इस शिक्षादूत की हत्या से इलाके में खौफ के साथ ही आक्रोश का माहौल है।

- स्कूल से आने के दौरान नक्सलियों ने किया अगवा, फिर कर दी हत्या

3 वर्ष में 9 शिक्षादूत को नक्सलियों मार डाला

बंद स्कूलों के संचालन के बाद नक्सली बना रहे निशाना, सर्चिंग तेज

बस्तर में वर्षों से नक्सल खौफ से बंद पड़े स्कूलों के पुनः संचालन के बाद से नक्सलियों ने शिक्षादूतों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। अब तक कुल 9 शिक्षादूतों की हत्या हो चुकी है, जिनमें से 5 बीजापुर जिले और 4 सुकमा जिले में मारे जा चुके हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्चिंग तेज कर दी है। वहीं प्रशासनिक अमला भी घटना की पुष्टि करते हुए इसे नक्सलियों की सोची-समझी रणनीति करार दे रहा है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीण दहशत में हैं। शिक्षकों और शिक्षादूतों में भी असुरक्षा की भावना गहराती जा रही है।

जिले में लगातार तीसरे दिन हत्या की घटना

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्च 2026 तक नक्सलियों का खात्मा के ऐलान के बाद नक्सली लगातार आम लोगों को निशाना बना रहे है। इससे पूर्व 27 अगस्त 2025 को बीजापुर जिले के सरहद में बसे सुकमा जिले के सिलगेर गांव में नक्सलियों ने शिक्षा दूत लक्ष्मण बाडसे की हत्या कर दी थी। वह मूल रूप से बीजापुर के ग्राम पेगड़ापल्ली का निवासी था और सिलगेर में शिक्षादूत के रूप में कार्यरत था। इसके बाद 29 अगस्त 2025 को गंगालूर थाना क्षेत्र के मनकेली गांव पटेलपारा निवासी सुरेश कोरसा पिता लच्छु कोरसा (27) की अज्ञात लोगों के द्वारा हत्या कर दी गई, हालांकि इसकी हत्या नक्सलियों ने की या आपसी रंजिश का परिणाम है, इसकी पुलिस जांच कर रही है। इसी बीच 30 अगस्त को गंगालूर थाना क्षेत्र के नेड्रा स्कूल में पदस्थ शिक्षादूत कल्लू ताती पिता मंगल ताती (25) स्कूल से वापस लौट रहा था तभी नक्सली उसे अगवा कर हत्या कर दी।

शाह पर अभद्र टिप्पणी 140 करोड़ देशवासियों के सम्मान पर चोटः साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह पर तृणमूल कांग्रेस की सांसद द्वारा की गई टिप्पणी न केवल आपत्तिजनक है, बल्कि यह गंभीर आपराधिक कृत्य है।उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा केवल एक व्यक्ति पर की गई टिप्पणी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की गरिमा और राष्ट्रीय चेतना से जुड़ा हुआ विषय है। गृहमंत्री देश की सुरक्षा और एकता के सर्वोच्च प्रहरी हैं और उन पर इस प्रकार की अभद्र टिप्पणी वास्तव में लोकतांत्रिक मर्यादाओं का अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना बताती है कि विपक्ष किस प्रकार राजनीति में निम्न स्तर तक गिर चुका है और किस प्रकार व्यक्तिगत आक्षेपों के माध्यम से लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को लगातार ठेस पहुचाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी टिप्पणियां यह दर्शाती हैं कि जब विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं रह जाता, तो वह देश के शीर्ष नेतृत्व पर व्यक्तिगत और अपमानजनक हमले करता है। उन्होंने इसे दूषित मानसिकता और राजनीतिक दिवालियापन की संज्ञा दी और कहा कि जो लोग जनता को सकारात्मक दिशा देने में असमर्थ हैं, वे इसी तरह की बयानबाजी कर जनता का ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं।

ममता बनर्जी को तुरंत सार्वजनिक रूप से इसका खंडन करना चाहिए

श्री साय ने यह भी कहा कि इस तरह के आपत्तिजनक वक्तव्य केवल संसद और राजनीति की गरिमा को ही नहीं, बल्कि आम जनता की संवेदनाओं को भी आहत करते हैं। श्री साय ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की आलाकमान और मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी की अनुमति और शह के बिना इस प्रकार की दुस्साहसपूर्ण टिप्पणी संभव ही नहीं है। जब एक सांसद इस प्रकार का बयान देती हैं, तो यह मान लेना स्वाभाविक है कि इसके पीछे नेतृत्व की मौन सहमति या प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष समर्थन अवश्य रहा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि ऐसा नहीं है, तो ममता बनर्जी को तुरंत सार्वजनिक रूप से इसका खंडन करना चाहिए और अपनी पार्टी की नेत्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

नेलगोंडा घाट में नाव पलटने से तेज बहाव में बह गई थी बच्चियां, 5 दिन से लापता 2 छात्राओं का मिला शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बीजापुर के नेलसनार थाना क्षेत्र स्थित नेलगोंडा घाट में नाव पलटने के बाद लापता पांचवी कक्षा में अध्ययनरत दो बच्चियों का शव पांचवे दिन नेलगोंडा व पांडेमुर्गा गांव के करीब झाड़ियों में फंसा मिला। ग्रामीणों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व एसडीआरएफ की टीम दोनों शव को बाहर निकाला।

- शव मिलने से गांव में शोक, परिजनों को सौंपा गया शव

गौरतलब है कि दोनों बच्चियों के लापता होने के बाद लगातार उन्हें ढूंढने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन बारिश व बढ़ते जलस्तर के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हो रहा था। सोमवार दोपहर नाव पलटने से 11 लोग बह गए, जिनमें से 9 लोग तैर कर बाहर आ गए थे। वहीं दो बच्चियां लापता हो गई थी। लापता बच्चियां भैरमगढ़ ब्लॉक के इंद्रावती नदी पार बसे बेलनार पंचायत की रहने वाली थी। जो अपने परिजनों के साथ नलगोंडा आई हुई थी। लापता मनीषा उजी और शर्मिला उजी के लापता होने के बाद से ही तलाश की जा रही थी। दोनों का शव शनिवार को झाड़ियों में फंसा मिला।

गांव में मातम

इसकी जानकारी मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। राजस्व, पुलिस व नगर सेना की टीम मोटर बोट से मौके पर पहुंची और शवों को बरामद किया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

त्योहारी भीड़ संभालेंगी स्पेशल ट्रेन, पटना बेंगलुरु, सूरत और दिल्ली के लिए सुविधा

रायपुर। त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ ही ट्रेनों में बुकिंग तेज हो गई है। दशहरा, दीपावली और छठ जैसे बड़े त्योहारों को देखते हुए ट्रेनों में अभी से नो-रूम की स्थिति बन रही है। खासकर पटना जाने वाली ट्रेनों में सीटों की मारामारी अधिक है। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे लगातार उन रूट्स पर स्पेशल ट्रेनों की घोषणा कर रहा है, जहां बुकिंग का दबाव ज्यादा है। रायपुर से दिल्ली, पटना, बेंगलुरु और सूरत के लिए भी स्पेशल ट्रेनें घोषित की जा चुकी हैं। बता दें कि बिहार जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने इस बार 12,000 से अधिक ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई है। इसमें से 21 सितंबर से 30 नवंबर 2025 तक कुल 150 पूजा स्पेशल ट्रेनों का संचालन होगा, जिनसे यात्रियों को 2024 अतिरिक्त फेरे (ट्रिप्स) मिलेंगे।पूजा स्पेशल ट्रेनों की इस श्रृंखला में दक्षिण मध्य रेलवे सबसे आगे है, जहां से 48 ट्रेनें चलेंगी और 684 ट्रिप्स पूरे करेंगी। पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 14 ट्रेनें चलाई जाएंगी, जो पटना, गया, दरभंगा और मुज़फ़्फ़रपुर जैसे बिहार के प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेंगी।

मंडल और जिला अध्यक्षों से लेकर मंत्री, विधायक, सांसद, प्रदेश के सभी पदाधिकारी रहेंगे कार्यशाला में

प्रदेशभर के भाजपा नेताओं की शिव प्रकाश, अरुण सिंह और नितिन नवीन लेंगे क्लास

बैठक में सभी 476 मंडलों और भाजपा के 36 संगठन के लोग होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेश भाजपा के नए सिरे से गठन के बाद अब पहली बार मंडल और जिला अध्यक्षों से लेकर प्रदेश के मंत्री, विधायक, सांसद और प्रदेश के पदाधिकारियों की रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश, राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह और प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन क्लास लेंगे। सुबह से लेकर रात तक चलने वाली कार्यशाला और बैठकों में शामिल होने के लिए जहां भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह और प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन शनिवार को यहां पहुंच गए हैं, वहीं भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल रविवार को दोपहर दो बजे यहां पहुंचेंगे।

प्रदेश भाजपा में बूथ से लेकर मंडल, जिला और प्रदेश स्तर पर संगठन में बड़ा बदलाव हो गया है। ज्यादातर मंडलों के साथ एक जिले रायपुर ग्रामीण को छोड़कर बाकी सभी जिलों में नए अध्यक्ष बन गए हैं। प्रदेश संगठन की कार्यकारिणी का भी ऐलान हो गया है। अब सभी 476 मंडलों और भाजपा के 36 संगठन जिलों के अध्यक्षों के साथ प्रदेश कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी, प्रदेश के सभी मंत्री, विधायक, सांसदों को रविवार की सुबह 11.30 बजे से लेकर रात तक भाजपा के राष्ट्रीय नेता मार्गदर्शन देंगे। इसी के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय का भी मार्गदर्शन नए पदाधिकारियों को मिलेगा। उद्घाटन सत्र से पहले 11 बजे से सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे। इसके बाद कार्यशाला का प्रारंभ होगा। कार्यशाला के साथ ही अलग-अलग सत्रों में अलग-अलग वर्ग की बैठकें भी होंगी।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रायगढ़ में तीन से चार गुना दाम में किसान यूरिया और डीएपी खरीदने को मजबूर

रायगढ़ के पुसौर ब्लॉक के साल्हेपाली गांव निवासी किसान भवानी शंकर ने बताया कि सोसाइटी में उनको यूरिया 266 रुपए में मिलता है, जबकि बाजार में अभी यह 800 रुपए बोरी चल रहा है। इसी तरह सोसाइटी में डीएपी की कीमत 1350 रुपए जबकि व्यापारी इसे 2000 रुपए में बेच रहे हैं। हरिभूमि के रिपोर्टर ने आम ग्राहक बन कर कबीर चौक स्थित मे. गोयल फर्टिलायजर दुकान में जाकर यूरिया का दाम पूछा तो संचालक ने बोरी में यूरिया उपलब्ध नहीं होने की बात कही। वहीं लिक्विड में नैनो यूरिया 200 रुपए आधा लीटर बताया। वहीं डीएपी के दाम उन्हें तीन तरह का बताया, जिसमें एक 1500, दूसरा 1800 व तीसरा 2000 बताया।

यह मुनाफाखोरी नहीं लूट है...

हरिभूमि संवाददाता किसान बनकर पहुंचे निजी दुकानों में जहां यूरिया मिला वहां कीमत पांच गुना तक

266 रुपए का यूरिया 1200 तक में बेच रहे दुकानदार

रायपुर-लक्ष्मण लेखवानी एवं ललित राठोड़/भिलाई-देवीलाल साहू/ बिलासपुर-विकास चौबे/ जांजगीर अभिषेक शुक्ला/ अंबिकापुर-नदीम अंसारी/ रायगढ़-जितेंद्र मेहर की विशेष रिपोर्ट

धान की रोपाई के बाद ग्रोथ के लिए अब यूरिया की जरूरत है। किसानों को यूरिया चाहिए लेकिन मांग के अनुरूप उपलब्ध नहीं है। उसका लाभ निजी दुकान उठा रहे हैं। 266 रुपए की जगह 1200 रुपए तक में खरीदने के लिए मजबूर हैं। शिकायत मिलने के बाद हरिभूमि संवाददाता किसान बनकर यूरिया ▶▶|शेष पेज 3 पर

हरिभूमि लाइव

रायपुर ,बिलासपुर का ऐसा हाल

हरिभूमि टीम पड़ताल करने पहुंची। ग्राम खिलोरा स्थित सहकारी समिति में यूरिया का स्टॉक खत्म हो चुका था। यहां के अध्यक्ष अश्विनी त्रिवेंद एवं प्रबंधक रामनरेश यादव ने बताया कि यूरिया का स्टॉक खत्म हुए सप्ताहभर हो चुका है। सेजबहार स्थित सहकारी समिति में भी यूरिया का स्टॉक शून्य मिला। इस समिति के अध्यक्ष विजय ठाकुर ने बताया कि एक ▶▶|शेष पेज 3 पर

तमाम दावों के बीच चक्कर काटने को मजबूर हैं किसान

बिलासपुर जिला प्रशासन के तमाम दावों के बीच किसान जिला मुख्यालय और सहकारी बैंक का चक्कर काटकर परेशान हैं। जिला पंचायत सदस्य शिवेन्द्र कौशिक ने बताया कि जिले में ज्यादातर सोसाइटी में खाद नहीं और किसानों में आक्रोश है। किसानों का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद अधिकारी कार्रवाई नहीं करते हैं। 300 से ज्यादा गावों में खाद की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है। शिवबालक कौशिक के मुताबिक यह समस्या अब धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। किसान संगठनों ने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है। उन्होंने कहा, यदि समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो आगामी फसल सत्र पर इसका गंभीर असर पड़ सकता है। इनके मुताबिक समितियों में सबसे बड़ी समस्या है कि नकद राशि से खाद किसानों को नहीं दिया जाता। ▶▶|शेष पेज 3 पर

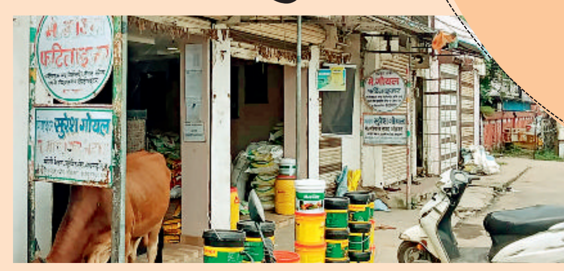

भिलाई-दुर्ग में भी यूरिया की कालाबाजारी खुले मार्केट में 600 रुपए में बिक रहा

दुर्ग जिले में यूरिया खाद की खुले आम कालाबाजारी चल रही है। सहकारी समितियों में 266 रुपए बोरी के यूरिया को बाजार में 600 रुपए में बेचा जा रहा है। दुर्ग और पाटन क्षेत्र के कृषि केंद्रों में हरिभूमि की पड़ताल में इसका खुलासा हुआ। कृषि केंद्रों में जब डीएपी खाद के दाम विक्रेताओं से पूछा गया तो ▶▶|शेष पेज 3 पर

कालाबाजारी पर कार्रवाई

इस मामले में कृषि विभाग ने शनिवार को दुर्ग, पाटन और धमधा ब्लॉक के 10 कृषि केंद्रों में देकर कुल 57.22 मिट्रिक टन यूरिया खाद को जब्ती बनाया है। कृषि विभाग ▶▶|शेष पेज 3 पर

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट* (75.00%) =	₹76139/-
22 कैरेट रेट* (91.60%) =	₹92990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%) =	₹101508/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels Pandri, Raipur

*Conditions apply

वालकिंस गंगा
USFDA स्वीकृत अत्याधुनिक उपचार
PATCH TEST
परामर्श सिर्फ 199/-
डॉ. सुकृति अरोरा
एम.डी. गोल्ड मेडलिस्ट
शंकर नगर, रायपुर
9238709001

ADMISSION OPEN
नर्सिंग बी.एस.सी
पोस्ट बेसिक बी. एस.सी
एम.एस.सी
फार्मेसी बी.फार्मेसी
श्री रावतपुरा सरकार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स
7222910430/72

खबर संक्षेप

गांदरबल में तीन दिवसीय गंगबल यात्रा शुरू

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में शनिवार को तीन दिवसीय वार्षिक गंगबल यात्रा धार्मिक हर्षोल्लास के साथ शुरू हुई। यात्रा को कश्मीर संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने मध्य कश्मीर जिले के नारानाग मंदिर से औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। गर्ग ने इस अवसर पर यात्रा के लिए निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित करने में सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों की सराहना की।

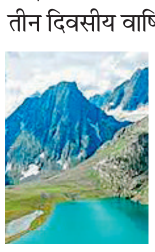

रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के शौचालय से शव बरामद

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर भुवनेश्वर-तिरुपति सुपरफास्ट एक्सप्रेस के शौचालय से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान से पहले धुलाई के दौरान शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान घटनास्थल से मिले पैन कार्ड के आधार पर लगभग 41 वर्षीय मोहम्मद नसीम के रूप में हुई है। राजकीय रेलवे पुलिस के प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार गोछायात ने बताया कि ट्रेन शुक्रवार देर रात तिरुपति से भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पहुंची थी। उन्होंने बताया कि सफाई कर्मचारियों को शव शौचालय के अंदर ट्रेन की खिड़की से बेल्ट से लटका मिला।

बच्चे को पिस्तौल से खेलते समय लगी गोली

पटना। पटना के परसा बाजार इलाके में शनिवार को पांच साल का एक बच्चा पिस्तौल से खेलते समय गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस को सूचना मिली कि शिवनगर इलाके में पांच वर्षीय एक बच्चे को एक रिश्तेदार की पिस्तौल से खेलते समय गोली लग गई है। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, बच्चे के पिता बच्चे को नजदीकी अस्पताल ले जा चुके थे। यह घटना तब हुई जब बच्चा अपने रिश्तेदार की भरी हुई पिस्तौल से खेल रहा था।

विदेश से लौटने पर भव्य स्वागत

सीएम साय ने कहा-प्रदेश में विदेशी निवेश से खुलेंगे विकास के रास्ते

विमानतल पहुंचे कई मंत्री, भाजपा नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार को विदेश यात्रा से रायपुर लौटे। विमानतल पर उनका भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों के साथ विधायक और प्रदेश भाजपा के कई नेता भी पहुंचे। सीएम साय ने कहा, इस दौरे से छत्तीसगढ़ में विदेशी निवेश और विकास के रास्ते खुलेंगे।

मुख्यमंत्री अपनी पत्नी के साथ दोपहर को रायपुर विमानतल पहुंचे। उनके स्वागत में भारी संख्या में भाजपा नेता और कार्यकर्ता विमानतल पहुंचे थे। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कर्मा और पंथी नृत्यों से पूरा एयरपोर्ट परिसर लगभग एक घंटे तक सराबोर रहा। लोगों ने बड़ी संख्या में ▶▶|शेष पेज 3 पर

जापानी में दी जानकारी

मुख्यमंत्री ने बताया, जापान के ओसाका शहर में वर्ल्ड एक्सपो में हमारे राज्य ने अपना पवेलियन बनाया था। इस पवेलियन में हर दिन 30 हजार से अधिक लोग पहुंचे। श्री साय ने बताया, इस एक्सपो में छत्तीसगढ़ की औद्योगिक स्थिति के बारे में, निवेश की संभावनाओं के बारे में तथा संस्कृति के बारे में लोगों ने विस्तार से जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बताया, । ▶▶|शेष पेज 3 पर

ये पहुंचे स्वागत में

मुख्यमंत्री का विमानतल पर स्वागत करने के लिए प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप,ओपी चौधरी, रामविचार नेताम, दयाल दास बघेल, लखन देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, गुरु खुशवंत साहेब, राजेश अग्रवाल, गजेंद्र यादव, टंकराम वर्मा, लक्ष्मी राजवाडे, कई विधायक, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, महामंत्री नवीन मार्कंडेय, अखिलेश सोनी, यशवंत जैन सहित प्रदेश भाजपा के सभी पदाधिकारी, निगम, मंडल आयोग के अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

साय बोले- बसा हुआ है बड़ा भारतीय समुदाय

मुख्यमंत्री ने विमानतल पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा, जापान और दक्षिण कोरिया दोनों ही देशों में बड़ा भारतीय समुदाय बसा हुआ है और हमारे छत्तीसगढ़ के लोग भी वहां पर व्यापारिक कार्यों में लगे हुए हैं। उनसे मिलकर मुझे बहुत अच्छा महसूस हुआ और यह लगा ही नहीं कि हम परदेश में हैं। उन्होंने कहा, हमारे उद्यमी, हमारे कारोबारी पूरी दुनिया में फैले हुए हैं और भारत भूमि का नाम हर तरफ रोशन कर रहे हैं। इस दौरे से छत्तीसगढ़ में विदेशी निवेश और विकास के रास्ते खुलेंगे। मुख्यमंत्री ने ▶▶|शेष पेज 3 पर

रेड कार्पेट पर हुआ प्रधानमंत्री का स्वागत, जिनपिंग-पुतिन से होगी मुलाकात

7 साल बाद चीन में मोदी, लगे 'भारत माता की जय' के नारे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान की यात्रा खत्म कर चीन के तियानजिन पहुंचे, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। सात साल बाद जब पीएम मोदी ने चीन की धरती पर कदम रखा तो उनके लिए रेड कार्पेट बिछाई गई और पारंपरिक नृत्य किया गया। एअरपोर्ट पर उनका नृत्य और संगीत के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान भारत माता जय के नारे भी लगे।

पीएम मोदी चीन के तियानजिन शहर में एससीओ समिट में भाग लेने के लिए पहुंचे

एयरपोर्ट पर मोदी का रेड कार्पेट बिछाकर स्वागत, कई वरिष्ठ डिप्लोमेट रहे मौजूद

एजेंसी ▶▶| तियानजिन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन की दो दिवसीय यात्रा पर शनिवार को तियानजिन पहुंचे। सात साल से अधिक समय के बाद चीन की उनकी यह पहली यात्रा है, जो ऐसे समय में हो रही है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर भारत और अमेरिका के संबंधों में अचानक गिरावट आई है। मोदी मुख्य रूप से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के 31 अगस्त और एक सितंबर को आयोजित होने वाले वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए चीन में हैं। हालांकि, उनके रविवार को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करने का भी कार्यक्रम है। मोदी और चिनफिंग की बैठक इसलिए अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत और चीन ट्रंप की टैरिफ नीति से वैश्विक व्यापार में उपजे तनाव के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर विचार कर रहे हैं। बैठक में मोदी और चिनफिंग के भारत-चीन आर्थिक संबंधों का जायजा लेने तथा पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद के बाद रिश्तों में बढ़ी तल्खी को दूर करने के उपायों पर विचार-विमर्श करने की संभावना है। मोदी अपनी दो देशों की यात्रा के दूसरे और अंतिम ▶▶|शेष पेज 3 पर

मोदी के चीन दौरे पर टिकीं दुनिया की नजरें

- एससीओ शिखर सम्मेलन में सदस्य देश बना सकते हैं नई रणनीति
- पीएम मोदी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।
- रूसी राष्ट्रपति पुतिन से भी पीएम मोदी की मुलाकात से नए समीकरण बन सकते हैं
- ट्रंप की टैरिफ नीति से वैश्विक व्यापार में तनाव की स्थिति पर नियंत्रण की उम्मीद है।
- भारत, फ्रांस और यूएई के साथ भागीदार। इसका उद्देश्य रणनीतिक संबंधों और स्थिरता को बढ़ावा देना है।
- भारत यूक्रेन का भी समर्थन कर रहा है और रूस से भी दोस्ती दिखा रहा है।

एससीओ में कौन-कौन देश

एससीओ एक स्थायी अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसकी स्थापना 15 जून 2001 को शंघाई में हुई थी। इसके सदस्य देशों में चीन, रूस, भारत, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, पाकिस्तान, उज़्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस शामिल हैं। एससीओ के दो पर्यवेक्षक अफगानिस्तान और मंगोलिया हैं, जबकि इसके 14 संवाद साझेदार देश हैं, जिनमें तुर्की, कुवैत, अजरबैजान, आर्मेनिया, कंबोडिया और नेपाल शामिल हैं।

पुतिन संग मुलाकात से पहले मोदी ने जेलेंस्की से की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को फोन पर बातचीत के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से कहा कि यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत सभी प्रयासों का समर्थन करता है। मोदी सोमवार को चीन के इस शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ व्यापक मुद्दों पर बातचीत करने वाले हैं। इस बातचीत में, यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। जेलेंस्की ने मोदी को फोन किया और रूस के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के लिए अपनी तत्परता से अवगत कराया तथा कहा कि युद्ध की समाप्ति तत्काल युद्ध विराम के साथ होनी चाहिए।

संघ प्रमुख भागवत ने कहा दीप की तरह शांत रहकर स्वयंसेवकों ने की100 साल तपस्या

भारत को देखकर सारी दुनिया अपने धर्म को जानकर चले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बिलासपुर के सिम्स स्थित आडिटोरियम में स्व. काशीनाथ गोरे के जीवन कृतित्व पर केन्द्रित स्मारिका विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जिस तरह दीप शांतिपूर्वक जलकर प्रकाश देता है, ऐसी ही शांत तपस्या स्वयंसेवकों ने 100 साल से की है, तब जाकर हम यहां तक पहुंचे हैं।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने अपने उद्बोधन में स्वयंसेवकों की व्याख्या करते हुए कहा कि प्रखर होकर सारी दुनिया को अपनी रौशनी से चकाचौंध कर देने वाला सूर्य का एक प्रकार कर्तव्य होता है, लेकिन शांत छोटे दीप जैसे अंधकार में जलने वाले दीप की ज्यादा आवश्यकता है। दीप जलकर अंधकार में प्रकाश देता है, किसी को जलाता ▶▶|शेष पेज 3 पर

जीवन का एक-एक क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित- डॉ. रमन

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने इस अवसर पर कहा कि स्व. काशीनाथ गोरे ने अपने जीवन का एक-एक क्षण राष्ट्र के लिए समर्पित किया। उन्होंने स्वयंसेवक, गृहस्थ, शासकीय सेवक हर भूमिका में आदर्श स्थापित किया। उनका पूरा परिवार राष्ट्र कार्य में जुटा रहा, वह परंपरा आज भी जारी है। उनके व्यक्तित्व का आज भी उदाहरण दिया जाता है।स्मारिका विमोचन कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह बौद्धिक प्रमुख दीपक विस्पुते, मध्य क्षेत्र प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी, क्षेत्र संचालक डॉ. पूर्णेंदू सक्सेना, क्षेत्र प्रचारक प्रेमशंकर, क्षेत्र समग्र ग्राम विकास प्रमुख अनिल डागा, क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख नागेंद्र, प्रांत संघचालक डॉ टोपलाल, छत्तीसगढ़ के प्रांत प्रचारक अभय, विभाग संघचालक राजकुमार सचदेव, डॉ॰ प्रफुल्ल शर्मा समेत अनेक प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे। स्मारिका विमोचन समिति के अध्यक्ष ▶▶|शेष पेज 3 पर

स्वयंसेवक के जीवन में सर्वे भवन्तु सुखिनः का दर्शन परिलक्षित

श्री भागवत ने कहा कि शिवाजी महाराज जैसा पराक्रम सब चाहते हैं। लेकिन उसे अर्जित करना कठिन है। एक व्यक्ति के नाते परिवार को सुखी रखना, समाज को भी संस्कारित करना है तो एक संतुलन चाहिए। ताना जी के सामने भी दुविधा आई थी कि कुटुंब को देखें या समाज को। मेरा कुल क्यों ठीक रहे, समाजहित के लिए, समाज राष्ट्र के लिए श्रेष्ठ बने, इसी चिंतन में सर्वे भवन्तु सुखिनः के दर्शन का साक्षात्कार होता है। ऐसी जिसकी प्राथमिकता सुनिश्चित हो जाती है, वह सबके लिए सज्जन शक्ति होते हैं। ▶▶|शेष पेज 3 पर

मैनपाट के कमलेश्वरपुर का मामला

पीएचसी में फार्मासिस्ट नदारद प्यून बांट रहा मरीजों को दवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

शासन प्रशासन के सख्त निर्देश के बाद भी जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार नहीं हो पा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में निचले स्तर पर बैठे जिम्मेदार कर्मचारी व्यवस्था बिगाड़ने के साथ ही अब मरीजों की जान से खिलवाड़ भी करने लग गए हैं। मरीजों की जान से खेलने का एक ऐसा ही मामला शनिवार को सामने आया है, जिसमें पीएचसी में पदस्थ एक प्यून मरीजों को दवाओं का वितरण कर रहा है। अस्पताल में पदस्थ फार्मासिस्ट नदारद है। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है। अब इस मामले में संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ने जांच एवं कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

दरअसल मैनपाट विकासखंड के अंतर्गत कमलेश्वरपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जन आरोग्य मंदिर संचालित है।

दिए गए हैं जांच के निर्देश

मैं लगातार पीएचसी, सीएचसी का निरीक्षण कर रहा हूं। पूर्व में भी पीएचसी मैनपाट का निरीक्षण किया गया था। कमियों को दूर किया गया। इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मामले की जांच के निर्देश सीएमएचओ को दिए गए हैं। फार्मासिस्ट के साथ ही प्यून के खिलाफ जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

-डॉ. अनिल सिंह, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं

भारत ने अमेरिकन टैरिफ की धौंस के समक्ष झुकने से स्पष्ट इनकार कर दिया है। यही कारण है कि अमेरिकी वित्तमंत्री के स्वर भारत के प्रति बदलने लगे हैं। शुरुआत में भारत ने टैरिफ पर नरम रुख अपनाया था। यही कारण रहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के खिलाफ एक भी सख्त शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है। टैरिफ के मसले को सुलझाने और इसका समुचित निदान निकालने की खातिर भारत की तरफ से अमेरिका के साथ कूटनीतिक और व्यापारिक वार्ताओं के तमाम रास्ते बाकायदा खुले रखे गए। टैरिफ लगाने के लिए अमेरिका द्वारा कुतर्क पेश किया गया कि भारत बड़ी मात्रा में तेल खरीदकर यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध में रूस की आर्थिक मदद कर रहा है। ट्रंप के इस बेबुनियाद आरोप के उत्तर में भारत ने कहा कि रूस से तेल की खरीदारी तो चीन और यूरोप ज्यादा कर रहे हैं। अमेरिका स्वयं ही रूस से यूरेनियम तथा कुछ अन्य खनिज पदार्थ खरीदता रहा है। फिर आखिर क्यों दोहरा मानदंड अपनाया जा रहा है, लेकिन अमेरिका अपने आरोप पर अड़ा रहा और भारत पर 50 फीसदी टैरिफ थोप दिया। अब जबकि भारत ने इससे निपटने की तैयारी कर ली है तो इसे विश्व बिरादरी में अमेरिका को झटके के रूप में देखा जा रहा है। भारत के इसी जवाब का विश्लेषण करता है आजकल का यह विशेष अंक...

टैरिफ का माकूल जवाब देगा भारत

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

प्रारम्भ में अमेरिकी प्रशासन ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, किंतु बाद में रूस से तेल खरीदारी जारी रखने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ और थोप दिया। भारत और अमेरिका के मध्य उत्पन्न समस्त व्यापारिक और कूटनीतिक कटुताओं के बीच दुनिया के दो महान लोकतांत्रिक राष्ट्रों भारत और अमेरिका के मध्य परस्पर व्यापारिक समझौते की उम्मीद अभी तक बरकरार है। भारत यकीनन अमेरिका से अपने ताल्लुकात कदाचित खराब करना नहीं चाहता है। अमेरिका के साथ भारत के तनाव के दौर में शंघाई सहयोग संगठन में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शिरकत का कूटनीतिक महत्व कुछ अधिक बढ़ गया है।

आखिरकार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ आयद कर ही दिया गया। उल्लेखनीय है कि प्रारम्भ में अमेरिकी प्रशासन ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ आयद किया था, किंतु बाद में रूस से तेल खरीदारी जारी रखने के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ और थोप दिया गया। भारत और अमेरिका के मध्य उत्पन्न समस्त व्यापारिक और कूटनीतिक कटुताओं के बीच दुनिया के दो महान लोकतांत्रिक राष्ट्रों भारत और अमेरिका के मध्य परस्पर व्यापारिक समझौते की उम्मीद अभी तक बरकरार है। जिस दिन 27 अगस्त को प्रातः साढ़े नौ बजे भारत पर अमेरिकन टैरिफ बाकायदा अंजाम दे दिया गया, उसी दिन अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट का एक बयान सामने आया, जिसमें उन्होने फरमाया कि अमेरिका और भारत के परस्पर ताल्लुकात भले ही आजकल अत्यंत जटिल और तनावपूर्ण हालात में पहुंच गए हैं, किंतु निकट भविष्य में दोनों देशों के मध्य व्यापार समझौते की गुंजाइश निरंतर कायम बनी हुई है। स्कॉट बेसेंट भारत के विरुद्ध पचास प्रतिशत यहां तक कि सौ प्रतिशत टैरिफ आयद करने के प्रबल हिमायती रहे हैं। अमेरिका के वित्तमंत्री द्वारा रूस-यूक्रेन युद्ध को विस्मयकारी तौर पर प्रधानमंत्री मोदी का युद्ध करार दे दिया गया है।

समस्त विश्व बखूबी जानता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस की धरती पर खड़े होकर और राष्ट्रपति पुतिन के समक्ष तकरीर की थी और उस तक़रीर में मोदी ने फरमाया था कि आज का दौर युद्ध का दौर कदाचित नहीं है, वरन् यह दौर तो शांति, स्थिरता और तरक्की का दौर है।

अमेरिकी वित्तमंत्री के परिवर्तित स्वर

अब क्योंकि भारत सरकार ने अमेरिकन टैरिफ की नाजायज धौंस और दबाव के समक्ष झुकने से एकदम स्पष्ट इनकार कर दिया है और टैरिफ के जटिल प्रश्न पर अमेरिका के विरुद्ध सख्त रुख अख्तियार कर लिया है तो फिर अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट के स्वर भारत के प्रति परिवर्तित होने लगे हैं। प्रारम्भ में भारत ने टैरिफ प्रकरण पर अपेक्षाकृत नरम अंदाज अपनाया था। ट्रंप द्वारा अंजाम दिए जा रहे भारत विरोधी टैरिफ आक्रमण के बावजूद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के बरखिलाफ एक भी सख्त अल्फाज का इस्तेमाल नहीं किया है। भारत के भरोसेमंद कूटनीतिक सूत्रों के मुताबिक टैरिफ के मसले को सुलझाने और इसका समुचित निदान निकालने की खातिर भारत की तरफ से अमेरिका के साथ कूटनीतिक और व्यापारिक वार्ताओं के तमाम रास्ते बाकायदा खुले रखे गए हैं। भारत पर टैरिफ आयद करने के लिए अमेरिका द्वारा प्रायः कुतर्क पेश किया गया कि भारत द्वारा रूस से बहुत बड़ी मात्रा में तेल खरीद कर, भारत वस्तुतः यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध संचालित करने में रूस की आर्थिक इमदाद कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस बेबुनियाद इल्जाम के प्रतिउत्तर में भारत ने कहा कि भारत से कहीं अधिक रूस से तेल की खरीदारी तो चीन और यूरोप के देश कर रहें हैं और अमेरिका स्वयं ही रूस से यूरेनियम तथा कुछ अन्य खनिज पदार्थ खरीदता रहा है। फिर आखिर क्यों अन्यायपूर्ण तौर पर दोहरा मानदंड अख्यिार करके अमेरिका द्वारा भारत के विरुद्ध ही टैरिफ आक्रमण अंजाम दिया जा रहा है।

भारत ने की व्यापार वार्ता स्थगित

भारत और अमेरिका के मध्य विगत महीनों से जारी रही व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने की खातिर 25 अगस्त को अमेरिकन वार्ताकारों के एक दल का भारत आगमन निश्चित हुआ था। किंतु 6 अगस्त को राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ आयद करने के ऐलान के बाद भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को भारत द्वारा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। फरवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे में भारतीय प्रधानमंत्री और अमेरिका राष्ट्रपति ने संयुक्त बयान में कहा था कि दोनों देशों द्वारा व्यापार समझौते पर इस वर्ष के अंत तक हस्ताक्षर कर दिए जाएंगे। व्यापार वार्ता के दौरान अमेरिकन प्रशासन चाहता था कि अमेरिका के एग्रीकल्चर, डेयरी प्रोडक्ट्स के लिए और मिड साइज कारों के लिए भारत को अपना बाजार अमेरिका के लिए खोल देना चाहिए। व्यापार समझौता वार्ता में अमेरिका की इस पेशकश को स्वीकार करने के लिए भारत कदाचित तैयार नहीं हुआ। भारतीय प्रधानमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि भारत सरकार अपने किसानों के हितों की हिफाजत हर कीमत पर करने के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत विरोधी टैरिफ वार का जबरदस्त विरोध अमेरिका की सरजमीन पर ही होने लगा है। अमेरिकी हुकूमत में सत्तासीन रिपब्लिकन पार्टी की वरिष्ठ लीडर निकी हैली ने निरंतर बिगड़ते हुए भारत अमेरिकी संबंधों पर अपनी गहन चिंता का इजहार किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप की कड़ी आलोचना

निकी हैली ने कहा है कि अमेरिकी प्रशासन को यह बात समझ लेनी चाहिए कि चीन का मुकाबला करने के लिए भारत जैसे मित्र की अमेरिका को अत्यंत आवश्यकता है। उल्लेखनीय है निकी हेली राष्ट्रपति ट्रंप की कटु आलोचक रही हैं। सन् 2021 में कैपिटल हिल में अंजाम दी गई हिंसात्मक वारदातों को लेकर उन्होंने सार्वजनिक तौर पर डोनाल्ड ट्रंप की तीखी आलोचना की थी और कहा था कि हमें यह बात तस्लीम करनी चाहिए कि ट्रंप ने अमेरिका को सारी दुनिया में शर्मिंदा किया है। सन् 2024 में निकी हेली रिपब्लिकन पार्टी में राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी की दावेदार थी, किंतु अपनी स्थिति को कमजोर भांपकर उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन कर दिया था। पांच दफा सीनेटर रहे अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने भी फरमाया है कि राष्ट्रपति ट्रंप की नकारात्मक नीतियों के कारण अमेरिका के निकट सहयोगी देश उससे दूर होते जा रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन द्वारा भारत पर टैरिफ लगाए जाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की कड़ी आलोचना की गई। भारत के समर्थन और डोनाल्ड ट्रंप के विरोध करने का परिणाम जॉन बोल्टन को एफबीआई के हाथों भुगतना पड़ा है। अमेरिका में विदेश नीति के प्रमुख जानकार यह स्वीकार करते हैं कि अमेरिका और भारत के बीच बढ़ रही दूरियां वस्तुतः दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति की ओर इशारा कर रही हैं। प्रख्यात अमेरिकी अर्थशास्त्री रिचर्ड वुल्फ का कहना है कि अमेरिका भारत पर अत्याधिक टैरिफ आयद करके वस्तुतः अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहा है।

रिचर्ड वुल्फ आगे फरमाते हैं कि आखिरकार भारत दुनिया में अपने सामान के लिए बाजार खोज ही लेगा। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अंजाम दी जा रही भारत विरोधी टैरिफ वार यकीनन भारत और चीन को दोस्त तथा भारत और अमेरिका को शत्रु बना देगी। अमेरिका द्वारा भारतीय निर्यात पर आयद किए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के कारणवश भारत को फिलहाल तकरीबन 50 अरब डॉलर की आर्थिक क्षति झेलनी पड़ सकती है। अमेरिकी टैरिफ का सबसे अधिक नुकसान भारत में निर्मित वस्त्रों, चमड़े के सामान, हैंडी क्राफ्ट, झींगा आदि अनेक उद्योगों को झेलना पड़ सकता है। एक अनुमान के मुताबिक निकट भविष्य में भारतीय जीडीपी में सालाना लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की जा सकती है। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक अमेरिकी टैरिफ से अंजाम दी जाने वाली निर्यात क्षति को रोकने की खातिर भारत सरकार व्यापारिक और कूटनीतिक तौर पर विश्व के 40 से अधिक देशों के साथ निकट संपर्क स्थापित किए हुए हैं, ताकि अमेरिका को निर्यात घट जाने की स्थिति का समुचित तौर पर मुकाबला किया जा सके। इन देशों में खासतौर पर ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, सऊदी अरब, साउथ कोरिया, जापान, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, आयरलैंड आदि अनेक देश शामिल हैं। भारत द्वारा चिन्हित किए गए चालीस से अधिक देशों में तकरीबन 590 अरब डॉलर के वस्त्रों को आयात किया जाता हैं। इन समस्त देश में अभी तक कुल मिलाकर भारत से केवल 6 फ़ीसदी वस्त्रों का निर्यात होता है।

विश्व पटल पर कूटनीतिक गतिविधियां तेज

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जारी टैरिफ वार के विकट दौर में विश्व पटल पर कूटनीतिक गतिविधियां भी बहुत तेज हो गई हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय जापान यात्रा पर गए हैं और इस यात्रा के बाद वह शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भाग लेने के लिए चीन जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जापान दौरे में उल्लेखनीय घटना हुई, जबकि जापान के व्यापार और वाणिज्य मंत्री मोइली मियाजावा जिन्हें कि अमेरिका यात्रा पर रवाना होना था, उन्होंने अपनी अमेरिका यात्रा स्थगित की और नरेंद्र मोदी के साथ व्यापार वार्ता करने के लिए जापान में ही रुक गए। सर्वविदित है कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जापान का असीम योगदान रहा। इंडियन नेशनल आर्मी को खड़ा करने और उसको सैन्य सहयोग करने के लिए भारत सदैव ही जापान का शुक्रिया अदा करेगा। आजकल क्वाड रणनीतिक मोर्चे में भी भारत के साथ जापान शामिल है। भारत के साथ जापान का व्यापार तकरीबन 22 बीलियन डॉलर का है। जापान में भारतीय निर्यात की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक मंच साझा करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौन रहकर भी अमेरिका को सख्त पैगाम पेश करना चाहते हैं। समस्त यूरोप में अफवाह फैली हुई है कि चार दफा नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टेलीफोन कॉल लेने से इनकार कर दिया गया। इस अफवाह को जर्मनी और फ्रांस के अखबारों ने छाप भी दिया है। इस संबंध में भारत सरकार द्वारा कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। भारत यकीनन अमेरिका से अपने ताल्लुकात कदाचित खराब करना नहीं चाहता है। अतः राष्ट्रपति ट्रंप की टेलीफोन कॉल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कदापि अस्वीकार नहीं करेंगे। विगत 25 वर्षों की गहन और गंभीर कूटनीतिक और राजनीतिक सूझबूझ से अमेरिका-भारत संबंधों को ताकतवर बनाया जा सका है। राष्ट्रपति ट्रंप और अमेरिकी प्रशासन परस्पर संबंधों में कोई भी विध्वंस अंजाम दें, भारत अपनी तरफ से दोनो देशों के परस्पर ताल्लुकात को शक्तिशाली बनाने के प्रयास करता रहेगा। पं. नेहरु के काल से भारत की परम्परागत विदेश नीति नॉन एलाइन्मेंट की रही, किंतु आजकल मल्टी एलाइन्मेंट की विदेश नीति पर भारत अपना रणनीतिक और कूटनीतिक भरोसा जता रहा है। शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में राष्ट्रपति पुतिन के पधारने की भी पूरी उम्मीद है। वैसे तो शंघाई सहयोग संगठन का भारत एक प्रमुख सदस्य देश है, किंतु अमेरिका के साथ भारत के तनाव के दौर में शंघाई सहयोग संगठन में भारतीय प्रधानमंत्री की शिरकत का कूटनीतिक महत्व कुछ अधिक बढ़ गया है।

ट्रंप को जवाब देती भारत की अर्थव्यवस्था

आर्थिकी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी
प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

यकीनन इन दिनों पूरी दुनिया आश्चर्य के साथ देख रही है कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश उसके सामने झुकते हुए अमेरिका की व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दे रहे हैं, तब भारत अमेरिका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर अमेरिका के सामने बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़े हुए हैं और तेजी से बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप को जवाब दे रही है।

29 अगस्त को प्रकाशित वित्त वर्ष 2025-26 के तहत अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। एक साल पहले, अप्रैल-जून 2024 की तिमाही में यह आंकड़ा 6.5 फीसदी था। इसी परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। गौरतलब है कि ट्रंप के द्वारा 27 अगस्त से भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ से भारत से होने वाले निर्यात और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव से निपटने के लिए रणनीतिक तैयारी का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। 29 अगस्त को वाणिज्य और उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार टैरिफ चुनौती के मद्देनजर कई उपायों की तैयारी कर रही है।

निर्यातकों के सामने चुनौतियां

चूंकि ट्रंप की ओर से भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ से अमेरिका को भारत से होने वाले वस्तु निर्यात का करीब 55 फ़ीसदी यानी करीब 48 अरब का निर्यात प्रभावित हो सकता है। ऐसे में भारत के निर्यातकों के सामने कुछ चुनौतियां खड़ी होती हुई दिखाई दे रही हैं। इसमें भी कोई दो मत नहीं है कि अमेरिका द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क और वैश्विक अनिश्चितताओं का असर इस वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू निजी निवेश पर पड़ सकता है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार करार नहीं होने की स्थिति में कुछ क्षेत्रों को कुछ प्रभाव के लिए तैयार रहना होगा, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रम क्षेत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। यह कोई छोटी बात नहीं है कि हाल ही में अमेरिकी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा कि अमेरिका के द्वारा भारत पर 50 फीसदी ऊंचे टैरिफ लगाने से भारत की आर्थिक तरक्की पर कोई खास असर नहीं होगा और भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ने की प्रवृत्ति बनाए रखेगी। भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' का नजरिया अभी भी सकारात्मक बना रहेगा। चूंकि भारत एक निर्यात-उन्मुख अर्थव्यवस्था नहीं है, ऐसे में भारत को टैरिफ संबंधी ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है।

भारत की घरेलू मांग मजबूत

इसी तरह मॉर्गन स्टैनली रिसर्च के एक विश्लेषण में कहा गया है कि भारत की घरेलू मांग मजबूत होने के कारण अमेरिका के द्वारा भारत से निर्यात पर ऊंचे टैरिफ लागू किए जाने से विकास दर पर आधा फीसदी से भी अधिक असर होगा। ऐसे में भारत के द्वारा ट्रंप टैरिफ के मुकाबले के लिए छह सूत्रीय रणनीति जरूरी दिखाई दे रही है। एक, नए

निर्यात बाजार में कदम रखे जाएं। दो, तेज बढ़ते घरेलू बाजार व अनुकूल आर्थिक परिदृश्य से विकास दर बढ़ाई जाए। तीन, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटी) की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए। चार, स्वदेशी अपनाएं। पांच, सेवा निर्यात बढ़ाएं और छह, अमेरिका के साथ व्यापार संवाद लगातार कायम रखा जाए। यह बात महत्वपूर्ण है कि भारत ने निर्यातकों को सहारा देने की नई रणनीति सुनिश्चित की है। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 40 देशों में विशेष संपर्क कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई है। इस पहल के तहत ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, नीदरलैंड, पोलैंड, कनाडा, मेक्सिको, रूस, बेल्जियम, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देशों को शामिल किया गया है। सरकार अमेरिका से इतर अन्य देशों से मित्रता मजबूत कर रही है। 29-30 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के साथ मैत्री का अध्याय मजबूत किया और टोक्यो में ऐलान किया कि जापानी तकनीक और भारतीय टैलेंट दुनिया को बदल देंगे। भारत के द्वारा चीन और रूस के साथ भी विदेश व्यापार के नए अध्याय आगे बढ़ाए जा रहे हैं। ट्रंप टैरिफ से मुकाबले के लिए ऐसे उपायों के साथ-साथ भारत ने सरल कर व्यवस्था और लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाकर घरेलू खपत बढ़ाने की योजना बनाई है। भारत घरेलू खपत बढ़ाकर कुछ हद तक अमेरिकी व्यापार में हुए नुकसान की भरपाई कर सकता है। वैश्विक व्यापार में हो रहे उतार-चढ़ाव के बीच भारत को बचाने में भारत की घरेलू खपत अहम भूमिका निभा रही है। पिछले वर्ष 2024 में भारत का खुदरा बाजार 1060 अरब डॉलर का था, यह सालाना 10 फीसदी की दर से बढ़ते हुए 2030 तक 1930 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निःसंदेह भारत एफटीए की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ईएफटीए, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और यूके के साथ किए गए एफटीए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। भारत को यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए से मजबत लाभ हुआ है। यूएई के साथ, पिछले चार-पांच वर्षों में सेवाओं का निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। हाल ही में उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री ने राज्यसभा में बताया कि भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच शीघ्र ही एफटीए पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है और इस वर्ष 2025 के अंत तक यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए लागू होने की पूरी संभावना है। इससे भारत के लिए दुनिया का एक बड़ा और महत्वपूर्ण बाजार खुल जाएगा। विगत 10 जुलाई को भारत में स्विटजरलैंड की राजदूत माया तिस्साफी ने कहा कि भारत और 4 सदस्य देशों आइसलैंड, स्विटजरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन वाले यूरोपिटन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के बीच व्यापार समझौता अक्टूबर 2025 से लागू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के पीएम किएर स्टार्मर की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए हैं। भारत के द्वारा कतर, न्यूजीलैंड, पेरू, चिली, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर पर आगे कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

स्वदेशी कारोबार को प्रोत्साहन

अब नई रणनीति के तहत घरेलू खपत बढ़ाने हेतु स्वदेशी अपनाने और स्वदेशी उद्योग-कारोबार को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहित किया जाना जरूरी होगा । साथ ही पूरी दुनिया में भारत के सेवा निर्यात को तेज रफ्तार से बढ़ाना होगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से 385 अरब डॉलर का सेवा निर्यात किया गया, अब इस वर्ष भारत को 450 अरब डॉलर का लक्ष्य पाने की दिशा में रणनीतिक रूप से आगे बढ़ना होगा।

चीन के प्रति अतिविश्वास चूक तो नहीं

कूटनीति
डॉ. एनके सोमानी
वरिष्ठ स्तंभकार

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चीन दौरा फाइनल हो गया है। कहने को तो वे शंघाई सहयोग संघ (एससीओ) की शिखर बैठक में भाग लेने के लिए तिआनजिन गए हैं लेकिन मीडिया में जिस तरह से मोदी की बीजिंग यात्रा को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ टेरर से जोड़ कर प्रचारित किया जा रहा है उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि कुटनीतिक तौर पर प्रधानमंत्री के इस दौरे का उद्देश्य बहुत गहरा है। समिट से इतर प्रधानमंत्री की राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी हो सकती है। रूस भी एससीओ का सदस्य है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी समिट में भाग लेने के लिए चीन आएंगे। संभावना इस बात की भी है कि जिनपिंग के बाद प्रधानमंत्री मोदी की पुतिन के साथ भी द्विपक्षीय वार्ता हो।

निकट भविष्य में पुतिन के भारत दौरे को देखते हुए मोदी-पुतिन वार्ता से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि मोदी-जिनपिंग-पुतिन वार्ता की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन टैरिफ टेरर के कारण भारत, चीन और रूस की अर्थव्यवस्थाओं में जो विचलन की स्थिति है उसे देखते हुए जिस गर्मजोशी से तीनों नेता हाथ मिलाते दिख रहे हैं, उसमें बहुत संभव है कि एससीओ कूटनीतिक लाभ लेने का बड़ा मंच बनता हुआ दिखाई दे।

सीमा विवाद बड़ी फांस

प्रधानमंत्री के बींजिंग दौरे से पहले चीन ने भारत के साथ संबंधों को सुधारने की भरसक कोशिश की है। चीन के विदेशमंत्री वांग यी की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों का समाधान किया गया। कोविड-19 महामारी के बाद से निलंबित सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने व वीजा प्रक्रिया को सुगम बनाने के अलावा लिपुलेख दर्रा, शिपकी ला दर्रा और नाथू ला दर्रा के माध्यम से सीमा को व्यापार के लिए खोलने पर सहमति वांग की भारत यात्रा के दौरान हुई। भारत के विदेशमंत्री एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक में हिमालयी सीमा पर तैनात सैनिकों को पीछे हटाने और सीमांकन जैसे जटिल मुद्दों पर भी वार्ता हुई। बैठक में सीमा संबंधी मामलों के समाधान के लिए एक कार्य समूह बनाने का फैसला हुआ। समूह दोनों देशों के बीच सीमा मामलों में सलाह और परामर्श देने का काम करेगा। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान तिब्बत में यारलुंग जंगबो (ब्रहमपुत्र) नदी पर चीन द्वारा बनाए जा रहे विशाल बांधों का मुद्दा भी उठा। इस पर चीनी विदेशमंत्री ने जल-विज्ञान संबंधी जानकारी भारत के साथ साझा करने पर सहमति जताई। लब्बोलुआब यह कि साल 2020 में गलवान घाटी में हुए हिंसक सैन्य टकराव से जहां दोनों देशों के संबंध 1962 के बाद सबसे निचले स्तर पर चले गए थे, वांग के भारत दौरे से उसे पुनर्जीवित करने की कोशिश की गई। चीन की कोशिशें एक तरफा नहीं थी। भारत ने भी अपनी ओर से हरसंभव सहयोग किया।

पिघल रही रिश्तों में जमी बर्फ

भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और विदेशमंत्री

एस जयशंकर की चीन की यात्राओं के बाद संबंधों पर जमी बर्फ पिघलती दिखी। परस्पर यात्राओं और द्विपक्षीय संवाद के जरिए जिस तरह से दोनों देशों ने सीमा विवाद को बाकी के मामलों से अलग रख कर आगे बढ़ने का वादा किया है जाहिर है संबंधों के लिहाज से यह काफी अहम है। लेकिन भारत-चीन संबंधों के इतिहास को देखते हुए कूटनीतिक हल्कों में आशंका इस बात की भी है कि वॉशिंग्टन को साधने की चाह में कहीं भारत 'हिन्दी-चीनी भाई-भाई' वाली गलती तो नहीं दोहरा रहा है। चीन के साथ संबंधों को नई ऊंचाई देने के उत्साह में भारत फिर चोट न खा जाए। एलएसी पर सैन्य गतिरोध ने राजनीतिक और सैन्य स्तर पर जो जख्म दिए हैं, उसमें यह आशंका निर्मूल भी नहीं है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि तमाम अंतर्विरोधों के वेग में विश्वास बहाली की जो प्रक्रिया एशिया की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में शुरू हुई है, क्या वह इतनी ही आसान है जितनी दोनों देश समझ रहे हैं। दरअसल, भारत और चीन के बीच दीर्घकालिक विवाद के कुछ ऐसे बिन्दु हैं जो संबंधों की बेहतरी में हमेशा अवरोधक बनकर उभरे हैं। सीमा-विवाद, दलाई लामा और व्यापार असंतुलन दोनों देशों के संबंधों में तल्खी का बड़ा कारण रहा है। चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। साल 2024-25 में दोनों देशों के बीच कुल 127.7 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। भारत ने चीन से 113.5 अरब डॉलर का आयात किया जबकि निर्यात केवल 14.3 अरब डॉलर का हुआ। चूंकि द्विपक्षीय व्यापार चीन के पक्ष में है। भारत इस व्यापार घाटे (99.2 अरब डॉलर) को कम करना चाहता है। दूसरा, ग्लोबल साउथ में भारत चीन का सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी है। चीन शुरू से ही अपने आपको ग्लोबल साउथ का लीडर मानता है। उसकी इस स्वयं घोषित लीडरशिप में उसकी महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का बड़ा रोल रहा है। यही वजह है कि बहुत सारे देशों को लगता है कि विकासशील देशों के नेतृत्व की क्षमता चीन के पास है। भारत इस धारणा को बदलना चाहता है। दूसरी ओर ब्लॉक के भीतर कुछ देश ऐसे भी हैं जो चीन के विस्तारवाद और स्वार्थपरक एजेंडे को लेकर आशंकित है। वे चीन की तुलना में भारत को अधिक विश्वस्त मानते हैं। सीमा विवाद भारत-चीन संबंधों में तनाव का बड़ा कारण रहा है। गलवान में सैन्य तनाव के बाद भारत ने दो टूक कहा था कि जब तक सीमा विवाद के मुल कारणों का समाधान नहीं होगा, तब तक द्विपक्षीय संबंध सामान्य नहीं हो सकते है। ऐसे में यह तो पूछा ही जाना चाहिए कि सीमा विवाद का समाधान हुए बिना भारत क्यों चीन के साथ गलबहियां करने के लिए आतुर दिख रहा है। चीन-पाक जुगलबंदी और आतंकवाद पर चीन के स्टैंड (पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की के मामले में वीटो करना) के बावजूद अगर भारत चीन के साथ कदम-ताल को आतुर है तो इसे विदेश नीति के मोर्चे पर भारत की बड़ी चूक ही कहा जाएगा।

चीन की भूमिका पर सवाल

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी चीन की भूमिका पर सवाल उठे। ढेर सारे अंतर्विरोधों के बावजूद यदि दोनों देशों के संबंधों में आत्मीयता का भाव लम्बे समय बाद होने वाली राष्ट्राध्यक्षों की बैठक से उत्पन्न होने की उम्मीद की जा रही है तो इसे अतिविश्वास की पराकाष्ठा ही कहा जा सकता है। लेकिन जैसा कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कहा जाता रहा है कि राष्ट्रीय हित समय, काल और परिस्थितियों के हिसाब से बदलते रहते हैं। भारत-चीन संबंधों में भी यह लागू हो सकता है, बशर्ते कि चीन अपनी विस्तारवाद की नीति से बाहर निकले। कम से कम भारतीय उपमहाद्वीप के संदर्भ में तो अवश्य ही। बहरहाल भारत-चीन संबंधों में पुनर्स्थापना की जो प्रक्रिया शुरू हुई है वह किस रूप में आगे बढ़ेगी, इसका दारोमदार पूरी तरह से चीन पर निर्भर है।

बिलासपुर
रविवार, 31 अगस्त 2025
भाद्रपद शुक्ल पक्ष अष्टमी
वर्ष: 25, अंक : 158
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 5.00***

मौसम
अधि. 33.6
न्यूज. 25.2

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

नशे का खेल...हेरोइन चिट्टा, एमडीएमए तैयार करने हाथी को बेहोश करने वाली दवा का हो रहा उपयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

रायपुर में हेरोइन सप्लायरों के खिलाफ पुलिस का एक्शन जारी है। पुलिस ने हाल ही में मास्टरमाइंड को पकड़ा है। वहीं इस मामले में नया खुलासा हुआ है। रायपुर में जो होरेइन चिट्टा खपाया जा रहा है, वह ओरिजनल होने की बजाय सिंथेटिक है। वैसे तो दोनों ही मानव शरीर के लिए घातक हैं। लेकिन सिंथेटिक होरोइन चिट्टा ज्यादा खतरनाक है। सिंथेटिक हेरोइन में हाथी को ट्रैंक्युलाइज (बेहोश) करने वाली दवा का इस्तेमाल हेरोइन चिट्टा के साथ अन्य मादक पदार्थ में किया जा रहा है। ▶▶शेष पेज 3 पर

पाक से ड्रोन के जरिए पंजाब आती थी ड्रग्स की खेप, रायपुर तक सप्लाई, सरगना उगल रहा राज

चिट्टा मतलब सफेद

आजकल जिसकी सबसे ज्यादा चर्चा होती है, वह है चिट्टा। पंजाबी और उसकी उपभाषाओं या बोलियों में चिट्टा का मतलब होता है सफेद। पहले पंजाब में सिर्फ हेरोइन को चिट्टा कहा जाता था क्योंकि इसका रंग सफेद होता था। मगर अब चिट्टे की परिभाषा, व्यापक हो गई है। हेरोइन तो अफीम से बनने वाला ड्रग है लेकिन अब और भी कई सिंथेटिक ड्रग्स इस्तेमाल होने लगे हैं जो देखने में सफेद ही होते हैं। इस कारण उन्हें भी चिट्टा ही कहा जाने लगा है। ये सिंथेटिक ड्रग्स हैं एमडीएम।

राजधानी में सिंथेटिक ड्रग लेने से एक एडिक्ट की मौत तक हो चुकी है

कितना खतरनाक होता है मेथ (एमडीएमए)

हेरोइन और मेथ, हमारे सेंट्रल नर्वस सिस्टम के लिए उत्तेजक की तरह काम करते हैं। यानी दिमाग और रीढ़ की हड्डी के बीच के उस महत्वपूर्ण हिस्से की गतिविधियों को बढ़ा देता है, जिसका काम शरीर के विभिन्न हिस्सों से सिग्नल लेना है और कोई हरकत करने के लिए संदेश भेजना है। इन दोनों ड्रग्स को कई तरह से लिया जाता है। सीधे मुंह से निगलकर, नाक से सूंघकर, धुएं के जरिए, नस में इंजेक्शन लगाकर मांसपेशियों में इंजेक्शन लगाकर या फिर त्वचा के बाहरी हिस्से में इंजेक्शन लगाकर।

मॉरफीन की तुलना में तीन गुना स्ट्रांग

हेरोइन मॉर्फिन की तुलना में तीन गुना ज्यादा असरकारक है। मॉरफीन भी अफीम से तैयार किया जाता है। मॉरफीन एक दवा है और दवाओं में भी इसे इस्तेमाल किया जाता है। मॉरफीन का ब्लैक मार्केट में मिलना कठिन है। जबकि हेरोइन ब्लैक मार्केट में आसानी से उपलब्ध है। मॉरफीन तैयार करने में सावधानी बरती जाती है, हर चीज का ध्यान रखा जाता है क्योंकि इसका इस्तेमाल औषधि के रूप में होता है। जबकि हेरोइन को अवैध ढंग से बिना ध्यान दिए तैयार कर दिया जाता है क्योंकि इसे नशे के लिए इस्तेमाल करना होता है।

चिट्टा तैयार करने ट्रैंक्यूलाइज करने वाली दवा का इस्तेमाल

हेरोइन चिट्टा सहित अन्य तरह के सिंथेटिक ड्रग को ज्यादा असरकारक बनाने ड्रग माफिया हाथी को ट्रैंक्यूलाइज (बेहोश) करने वाली दवा एटार्फिन, कार फेंटानील जैसी दवाओं को मिश्रण कर रहे हैं। एटार्फिन की पाइंट एक मिलीग्राम से हाथी को ट्रैंक्यूलाइज किया जाता है। उस पाइंट एक ग्राम के दसवें हिस्से से कम की दवा में इंसान बेहोश होने के साथ मर सकता है। एटार्फिन, कार फेंटानील दक्षिण आफ्रीका से आयात की जाती है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एमबीबीएस प्रवेश घोटाला छह स्थानों पर छापेमारी

श्रीनगर। कश्मीर में अपराध शाखा ने एमबीबीएस प्रवेश घोटाले के सिलसिले में शनिवार को घाटी में छह स्थानों पर छापे मारे। अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा ने चार व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज एक मामले पर कार्रवाई करते हुए छापे मारे। इन आरोपियों ने कई लोगों को बांग्लादेश में कथित तौर पर फर्जी एमबीबीएस दाखिले का प्रस्ताव दिया गया था।

पुलिस शिविर में मृत पाया गया एसआई

पतनमथिट्टा। केरल के पतनमथिट्टा जिले के अदूर में पुलिस के एक शिविर के अंदर एक उपनिरीक्षक मृत पाया गया। उपनिरीक्षक कुंजुमन (51) सशस्त्र पुलिस बटालियन में सेवारत थे और शिविर के अंदर क्वार्टर में रह रहे थे। अदूर पुलिस ने बताया कि उपनिरीक्षक शिविर में अपने आवास के पास एक पेड़ से लटके पाए गए और यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है। पुलिस ने बताया कि घटना आधी रात से शनिवार तड़के के बीच हुई।

घर पर ट्रक पलटने से परिवार के तीन सदस्यों की मौत

झाबुआ। मध्यप्रदेश के झाबुआ जिले में शनिवार तड़के रेत से लदे एक ट्रक के एक घर पर पलट जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान देसिंह मेड़ा (35), उनकी पत्नी रमीला (27) और उनकी बेटी आरोही (7) के रूप में हुई है। जिस समय ट्रक उनके घर पर पलटा, वे सभी सो रहे थे।

रेलवे स्टेशन पर यात्री के पास से 25 लाख बरामद

बलिया। बलिया के सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल ने एक यात्री के पास से 25 लाख रुपये बरामद किए हैं। रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने शुक्रवार शाम को सुरेमनपुर रेलवे स्टेशन पर एक यात्री के पास से 25 लाख रुपये बरामद किए। यात्री उत्सर्ग एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर बिहार के छपरा जा रहा था। उन्होंने बताया कि यात्री की पहचान बलिया जिले के बैरिया थाना क्षेत्र के गोहिया छपरा गांव निवासी अक्षय कुमार सोनी के रूप में हुई है।

बांदीपोरा में आग लगने से 15 भवनों को नुकसान

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के सीमावर्ती गुरेज सेक्टर में शनिवार को आग लगने से कम से कम 15 भवन क्षतिग्रस्त हो गए। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा (एफईएस) के अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिली कि गुरेज के तुलैल क्षेत्र में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के नजदीक काशपथ गांव से आग लगी है।

- ट्रंप प्रशासन ने फैसलों का आधार इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट को बताया
- पहले भी न्यूयॉर्क की फेडरल ट्रेड कोर्ट टैरिफ को बता चुकी असंवैधानिक

टैरिफ को लेकर पूरी दुनिया में हाहाकार मचाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी कोर्ट ने कहा है कि ट्रंप के अधिकांश टैरिफ गैरकानूनी हैं। हालांकि फिलहाल इस पर रोक नहीं लगाई गई है। इस फैसले पर डोनाल्ड ट्रंप का भी रिएक्शन आया है, जिसमें उन्होंने फैसले को पक्षपात भरा बताया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला यूएस को बर्बाद कर देगा।

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ को बताया गैरकानूनी

तिलमिलाए राष्ट्रपति बोले- बर्बाद कर देगा ये फैसला

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिका की राजनीति और अर्थव्यवस्था में हलचल मचाते हुए शुक्रवार को एक अपील कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अधिकांश टैरिफ को गैरकानूनी करार दिया। यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फेडरल सर्किट का कहना है कि राष्ट्रपति को आपातकालीन शक्तियां प्राप्त तो हैं, लेकिन इनमें टैरिफ या टैक्स लगाने का अधिकार नहीं है। यह फैसला ट्रंप की आर्थिक नीतियों पर बड़ा झटका माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने टैरिफ को 14 अक्टूबर तक यथावत रखने की अनुमति भी दे दी, जिससे ट्रंप प्रशासन को मामला सुप्रीम कोर्ट में ले जाने का अवसर मिल गया है।

उधर, राष्ट्रपति ट्रंप ने अदालत के आदेश को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि सभी टैरिफ आगे भी लागू रहेंगे। उन्होंने कोर्ट के इस फैसले को गलत और पक्षपाती बताया और कहा कि अगर इसे ऐसे ही रहने दिया तो ये फैसला अमेरिका को तबाह कर देगा। हम सुप्रीम कोर्ट की मदद से टैरिफ का इस्तेमाल अपने राष्ट्र के हित में करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने इस फैसले को लागू करने के लिए इंटरनेशनल इमरजेंसी इकनॉमिक पॉवर्स एक्ट का सहारा लिया था, जिसमें ▶▶शेष पेज 3 पर

- दुनिया में हाहाकार के बीच बड़ा फैसला
- भारत समेत कई देशों में लगाया अतिरिक्त शुल्क
- फिलहाल टैरिफ पर नहीं लगाई गई रोक

नुकसान से बचाने वाला फैसला

अमेरिकी कानूनी जानकारों का मानना है कि इस फैसले से नुकसान से बचा जा सकता है। ट्रंप के लगाए गए टैरिफ का क्या असर होगा, ये फिलहाल साफ नहीं है। हालांकि कोर्ट ने अमेरिकी व्यापार के हित में ये फैसला सुनाया है। अब अगर सुप्रीम कोर्ट में भी यही फैसला बरकरार रहता है तो ये ट्रंप सरकार के लिए एक बड़ी चेतावनी की तरह होगा, जिसमें ये साफ हो जाएगा कि ट्रंप अपनी मर्जी से कुछ भी नहीं कर सकते हैं।

ट्रंप ने कोर्ट को बताया पक्षपातपूर्ण

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोर्ट के इस फैसले पर नाराजगी जताई है और कहा है कि, अगर इस फैसले को लागू होने दिया गया, तो यह सचमुच संयुक्त राज्य अमेरिका को बर्बाद कर देगा। इस मामले को लेकर व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने कहा कि ट्रंप ने कानून के मुताबिक ही काम किया और इस मामले में आखिरकार हमारी जीत होगी। ट्रंप प्रशासन अब फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने जा रहा है।

ट्रंप सरकार की तरफ से दिया गया ये तर्क

कोर्ट में ट्रंप प्रशासन ने तर्क दिया कि तमाम कोर्ट्स ने 1971 के आर्थिक संकट में राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के लगाए गए टैरिफ को मंजूरी दी थी। निक्सन प्रशासन ने 1917 के ट्रेडिंग विद द एनिमी एक्ट के तहत अपने अधिकार का हवाला दिया था। अगर टैरिफ को रद्द कर दिया जाता है, तो उसे कुछ आयात करों को वापस करना पड़ सकता है जो उसने जमा किए हैं, जिससे अमेरिकी ट्रेजरी को बड़ा वित्तीय नुकसान हो सकता है।

शक्तियों का किया गलत इस्तेमाल

यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फेडरल सर्किट ने साफ कहा है कि ट्रंप ने अपनी इमरजेंसी पावर का गलत इस्तेमाल किया है। कोर्ट ने साफ किया कि ट्रंप को दुनिया के हर देश पर मनचाहा टैरिफ लगाने का कोई भी कानूनी अधिकार नहीं है। राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का असीमित अधिकार नहीं दिया जा सकता है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए फिलहाल ट्रंप के फैसलों पर तुरंत रोक नहीं लगाई गई है और उन्हें वक्त दिया गया है।

अक्टूबर तक का मिला वक्त

इससे पहले न्यूयॉर्क की फेडरल ट्रेड कोर्ट ने भी कुछ इसी तरह का फैसला सुनाया था, जिसे अब कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द फेडरल सर्किट ने काफी हद तक बरकरार रखा है। कोर्ट ने टैरिफ को तुरंत रद्द नहीं करने का फैसला लिया और ट्रंप प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट जाने का वक्त दिया है। अक्टूबर तक ट्रंप इस फैसले को चुनौती दे सकते हैं।

चर्चा में पूर्व उपराष्ट्रपति

धनखड़ ने पूर्व विधायक के तौर पर फिर मांगी पेंशन

एजेंसी ▶▶ जयपुर

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा में पूर्व विधायक के रूप में पेंशन के लिए आवेदन दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। धनखड़ 1993 से 1998 तक किशनगढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस के विधायक रहे थे। वह जुलाई 2019 तक पूर्व विधायक के रूप में पेंशन ले रहे थे। धनखड़ के पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त होने के बाद यह पेंशन बंद कर दी गयी थी। इक्कीस जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से हटने के बाद, धनखड़ ने पूर्व विधायक के रूप में पेंशन की बहाली के लिए राजस्थान विधानसभा सचिवालय में नये सिरे से आवेदन दिया है।

स्वास्थ्य कारणों से दिया इस्तीफा

गौरतलब है कि जगदीप धनखड़ ने हाल ही में अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने 21 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपने इस्तीफे की जानकारी दी थी। अपने पत्र में उन्होंने इस्तीफे का कारण स्वास्थ्य बताया था। इस कदम से देश की राजनीति में हलचल मच गई थी क्योंकि उनका कार्यकाल अभी शेष था।

42,000 रुपए प्रति माह

राजस्थान में पूर्व विधायक के लिए पेंशन एक कार्यकाल के लिए 35,000 रुपए प्रति माह से शुरू होती है। अतिरिक्त कार्यकाल और उम्र के साथ बढ़ती जाती है। सत्तर वर्ष से अधिक आयु वालों को 20 प्रतिशत की वृद्धि का लाभ मिलता है। 74 वर्षीय धनखड़ पूर्व विधायक होने के नाते 42,000 रुपए प्रति माह के हकदार हैं।

विपक्ष पूछ रहा सवाल

जगदीप धनखड़ को लेकर लगातार विपक्ष केंद्र सरकार को घेर रहा है। धनखड़ का जिक्र करते हुए लोकसभा में राहुल गांधी ने भी सवाल उठाए थे। उन्होंने पूछा था- 'राज्यसभा में जिनकी आवाज गूंजती थी, वो अचानक से चुप हो गए... पूरी तरह से चुप! ये बात सभी जानते हैं और पूछते हैं, भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति आखिर छिपे हुए क्यों हैं? क्यों ऐसी नौबत आ गई कि वह बाहर आकर एक शब्द भी नहीं बोल सकते? सोचिए, हम कैसे समय में जी रहे हैं?

तालाब में एक दिन में दो बार दिखा मगरमच्छ दहशत में ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

बस्तर जिले के तोकापाल बाजारपारा के पास स्थित सुमीत तिवारी के मछली पालन तालाब के किनारे शुक्रवार की सुबह लगभग 9 बजे मगरमच्छ दिखाई दिया। मगरमच्छ लगभग डेढ़ घंटे तक धूप में रहा और उसके बाद तालाब में घुस गया। उसके बाद शाम लगभग 4 बजे तालाब में घूमते हुए दिखाई दिया। थोड़ी देर बाद गायब हो गया। आसपास के ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। एसडीओ योगेश कुमार रात्रे, डिप्टी रेंजर आरके मिश्रा के साथ कर्मचारियों ने स्थल का निरीक्षण किया, लेकिन मगरमच्छ नहीं मिला। डिप्टी रेंजर ने दो कर्मचारियों को तालाब के पास तैनात किया और कोटवार से तालाब के आसपास मुनादी की है, लोग तालाब के पास न पहुंचें तथा तालाब नहाना मनाही है। वन विभाग की ▶▶शेष पेज 3 पर

- तोकापाल व आसपास में की जा रही मुनादी
- वन विभाग कर रहा निगरानी

कोयरनाला से पहुंचा था मगरमच्छ

बताया जा रहा है कि तोकापाल बाजारपारा के पास स्थित तालाब कोयर नाला के निकट है। बारिश के चलते नाला में बाढ़ होने से नाला का पानी तालाब से जुड़ गया था, इसलिए नाला से तालाब में मगरमच्छ पहुंचा था। ऐसा लगता है कि मगरमच्छ तालाब से नाला में चला गया है, इसलिए मगरमच्छ नहीं दिख रहा है।

तालाब के आसपास सतर्क रहें ग्रामीण

चित्रकोट उप वन मंडलाधिकारी योगेश कुमार रात्रे ने बताया कि तालाब में वन कर्मियों को तैनात किया गया। साथ ही वन कर्मियों को निर्देश दिया कि वे तालाब के पास पहुंचने वाले लोगों को तालाब में नहाना प्रतिबंध किया गया है। साथ ही लोगों बताएं कि तालाब के आसपास सतर्क रहें।

13 हजार करोड़ की धोखाधड़ी

भगोड़े चोकसी की जमानत अर्जी बेल्जियम में खारिज

नई दिल्ली। बेल्जियम की एक अपील अदालत ने पीएनबी से करीब 13000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में भारत में वांछित भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की जमानत याचिका को एक बार फिर खारिज कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि बेल्जियम की अदालत ने यह फैसला चोकसी के प्रत्यर्पण मामले की सुनवाई से ठीक पहले दिया है।

प्रत्यर्पण पर अगले महीने बहस

अधिकारियों ने बताया कि गीतांजलि समूह के मालिक 66 वर्षीय चोकसी के प्रत्यर्पण मामले में बहस सितंबर के मध्य में बेल्जियम की एक अदालत में होगी। सीबीआई बेल्जियम अभियोजन पक्ष को चोकसी को प्रत्यर्पित कराने के लिए मजबूत मामला बनाने में सहायता करेगी।

महानदी विवादः छग और ओडिशा के इंजीनियर्स का बनेगा समन्वय ढांचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारत की एक प्रमुख नदी, महानदी, जो छत्तीसगढ़ से निकलकर ओडिशा होकर बंगाल की खाड़ी तक जाती है, लंबे समय से विवाद का कारण बनी हुई है। इस लंबे विवाद को बातचीत से हल करने के लिए शनिवार को नई दिल्ली में एक अहम बैठक हुई। इसमें छत्तीसगढ़ और ओडिशा के मुख्य सचिवों और जल संसाधन विभाग के सचिवों ने हिस्सा लिया। बैठक में दोनों राज्यों ने माना कि यह समस्या बहुत पुरानी और कठिन है, लेकिन लोगों और दोनों राज्यों के भले के लिए इसका समाधान ▶▶शेष पेज 3 पर

मुख्य सचिव स्तर की बैठक में हुआ फैसला

देश में होगी मिसाल : विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह पहल सफल रही, तो यह न सिर्फ ओडिशा और छत्तीसगढ़ के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक मिसाल होगी कि बड़े और पुराने विवाद भी आपसी बातचीत और सहयोग से सुलझाए जा सकते हैं।

दोनों राज्यों के मुख्य सचिव करेंगे बैठक

अक्टूबर में दोनों राज्यों के मुख्य सचिव एक और बैठक करेंगे। इसमें जल संसाधन सचिव भी शामिल होंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो दिसंबर तक दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री भी मुलाकात कर सकते हैं और आगे की दिशा तय करेंगे। अंत में दोनों राज्यों ने यह वादा किया कि वे ईमानदारी और खुले मन से बातचीत करेंगे, ताकि महानदी जल विवाद का हल ऐसा निकले जो सबके लिए लाभकारी हो।

159 वर्षों से मंदिर में की जा रही पूजा-अर्चना, 10 दिनों तक विशेष पाठ

रियासत की समृद्धि के लिए हुई थी गणेश मंदिर की स्थापना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

अलग खबर

गणेश पर्व के दौरान राजनांदगांव शहर की रियासत कालीन गणेश मंदिर में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। यह जिले का पहला गणेश मंदिर है, जिसकी स्थापना यहां के दास राजाओं ने अपने महल परिसर में किया था। इस गणेश मंदिर की स्थापना राज्य की सुख समृद्धि और नगर कल्याण के दृष्टिकोण से की गई थी। शहर के राज महल में वर्ष 1866 में श्री गणेश मंदिर की स्थापना की गई, जहां 159 वर्षों से इस रियासत कालीन मंदिर में भगवान गणेश की पूजा अर्चना की जा रही है। गणेश पर्व के दौरान यहां पर 10 दिनों तक विशेष पाठ और भोग का आयोजन होता है। प्रतिदिन यहां दिग्विजय कॉलेज में पढ़ने वाले सैकड़ों विद्यार्थियों, शिक्षकों सहित राजमहल के समीप निवासरत लोग पहुंच कर दर्शन लाभ लेते हैं।

मनोकामना होती है पूरी

राजपुरोहित के पुत्र पंडित जितेंद्र झा ने बताया कि यह गणेश मंदिर जिले का पहला गणेश मंदिर है। यहां लोगों की मनोकामना पूरी होती है तो श्रद्धालुओं द्वारा अपनी आर्थिक शक्ति अनुसार चांदी का छत्र चढ़ाया जाता है। जो यहां की परंपरा भी यहां बन गई है। उन्होंने कहा कि जब इस मंदिर की जिम्मेदारी उन्हें मिली थी, तब 16 चांदी के छत्र थे, जो बीते वर्ष 124 हुए थे और अब 168 हो गए हैं।

सूर्य का प्रकाश करता है स्पर्श

इस प्राचीन गणेश मंदिर की खासियत है कि यहां सूर्य उदय और सूर्यास्त के दौरान मंदिर के गर्भगृह में सूर्य का प्रकाश स्पर्श करता है। रियासत कालीन दौर में यहां मंदिर की बनावट पर विशेष ध्यान दिया गया। मंदिर के भीतर गर्भगृह का खूबसूरत आर्च प्राचीन कलात्मकता की खूबसूरती को दर्शाता है।

जीर्णोद्धार की जरूर

पुरातत्व महत्व के दृष्टिकोण से भी यह गणेश मंदिर काफी अहम है। इस मंदिर को सावरकर और भी बेहतर बनाया जा सकता है। यहां दीवारों पर सीलन दिखाई देती है। यहां नियमित आने वाले लोगों का कहना है कि ग्रेनाइट पत्थर लगाकर मंदिर के भीतरी हिस्से को बेहतर बनाना चाहिए।

क्या टीचर्स का रोल निभा पाएगा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस

जब-जब किसी नई तकनीक का प्रचलन बढ़ता है, पारंपरिकता के सामने चुनौती खड़ी हो ही जाती है। हाल के वर्षों में एआई के बढ़ते चलन ने कई अन्य प्रोफेशंस समेत टीचर्स के लिए भी चुनौती पैदा कर दी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एआई कभी एक इंसान जैसी भावनात्मक जुड़ाव के साथ नैतिकता और मानव मूल्य का पाठ छात्रों को पढ़ा पाएगा?

आवरण कथा
लोकमित्र गौतम

आज के एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) युग में जब हर तरह के कठिन से कठिन सवाल का जवाब चैटबॉट पलक झपकते दे देते हों, जब बच्चों से लेकर गहन शोधकर्ताओं तक में अपनी हर जिज्ञासा को गूगल सर्च या एआई के जरिए साफ करने की प्रवृत्ति गढ़ी हो, जब दुनिया के टॉप यूनिवर्सिटीज में भी आधे से ज्यादा शोध एआई की मदद से किए जा रहे हों, जब नए वैज्ञानिक आविष्कारों, मेडिकल तकनीकों, बीमारियों के नए से नए इलाज खोजने के लिए एआई का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा हो, तब क्या बच्चों को पढ़ाने के लिए, उन्हें पढ़ा लिखाकर संवारने के लिए, शिक्षकों की उतनी ही जरुरत है, जितनी अब के पहले हुआ करती थी? यह सवाल इसलिए आजकल हर तरफ पूछा जाने लगा है या बिना पूछे भी मौजूद दिख रहा है, क्योंकि कई एआई विशेषज्ञों ने ही नहीं, इस दौर के मशहूर अध्यापकों ने भी घोषणा कर दी है कि अगले कुछ सालों में पढ़ाने के लिए टीचर की जरूरत नहीं होगी। हाल के सालों में अपने पढ़ाने की शैली से जबर्दस्त लोकप्रियता हासिल करने वाले अध्यापक और एक मशहूर कोचिंग के संस्थापक विकास दिव्यकीर्ति ने अपने कई हालिया साक्षात्कारों में कहा है कि अब छात्रों को टीचर क्या पढ़ाएगा, उन्हें हर जरूरी सवाल का जवाब बड़ी सहजता से एआई से मिल रहा है और अगले कुछ सालों में और विश्वसनीय तरीके से मिलेगा।

असल में यह सब जितना सतही दिखता है, उतना है नहीं। हालांकि एआई के आने के तुरंत बाद यह घोषणा नहीं की गई कि एआई जिन कुछ पेशेवरों को सबसे पहले बेरोजगार करेगी, उनमें अध्यापक भी होंगे। लेकिन जब से गूगल सर्च धीरे-धीरे करीब 90 फीसदी तक विश्वसनीय हुआ और फिर चैटबॉट का धमाका हुआ, जो इंसानों की ही तरह व्यक्तिगत रूप से आपकी हर जिज्ञासा को शांत करने की कोशिश करता है और जो इसके नए वर्जन मार्केट में आए हैं, वो यह सब काम सिर्फ तथ्यात्मक या तकनीकी ढंग से सपाट अंदाज में नहीं कर रहे बल्कि इसमें इंसानों की तरह का एक खिलंदड़पना भी है। तब से यह भविष्यवाणी जरा तेज होने लगी है कि आने वाले दिनों में अध्यापकों की जरूरत नहीं रहेगी।

कम नहीं हुई शिक्षकों की महत्ता

यहां हमें यह भी समझना होगा कि असल में शिक्षक की भूमिका कभी भी केवल जानकारी देने वाले की नहीं रही, अगर सिर्फ इतनी ही होती तो जब कागज में किताबें छपने लगी थीं, रेडियो का आविष्कार हो गया और उसमें तमाम ज्ञान और शिक्षा के कार्यक्रम आने लगे, जब टीवी का स्वर्णयुग आया और विभिन्न विषयों पर दुनिया के एक से बढ़कर एक विशेषज्ञों के विचार सार्वजनिक होने लगे और हां, सबसे ज्यादा तब जब इंटरनेट अस्तित्व में आया और दुनियाभर के ज्ञान का एक व्यवस्थित स्रोत बन गया, तब भी टीचर्स की जरूरत में रत्तीभर कोई कमी नहीं आई बल्कि सच तो यह है कि दिलो-दिमाग में इसके अप्रासंगिक हो जाने का विचार तक नहीं आया। हालांकि निश्चित रूप से एआई के विस्तारित आविष्कार के रूप में अस्तित्व में आए लॉन्ग लैंग्वेज मॉडल्स अर्थात चैटबॉट ने पहली बार अध्यापकों की जरूरत पर सवालियां निशान लगाएं हैं। लेकिन यकीन मानिए, ये सवालिया निशान सिर्फ तात्कालिक या कहें शुरुआती चकाचौंध की उपज हैं।

मार्गदर्शन भी देता है अध्यापक

सच बात यही है कि जैसे-जैसे चैटबॉट का अनुभव पुराना होता जाएगा, हमें स्वतः यह पता चल जाएगा कि यह या एआई का कोई भी आविष्कार वास्तव में कभी अध्यापक की जगह नहीं ले सकता। क्योंकि अध्यापक केवल मशीनी अंदाज में छात्रों को ज्ञान भर नहीं देता। उसकी भूमिका इससे कहीं बड़ी होती है। अध्यापक ज्ञान देने से बढ़कर मार्गदर्शन करता है। छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनमें मूल्यों की नींव डालता है और उनके एकीकृत व्यक्तित्व का संरक्षक बनता है। इसलिए यह जटिल भूमिका कोई भी वैज्ञानिक आविष्कार या कहें वह कितना ही महान और कितना ही क्रांतिकारी हो, नहीं कर सकता।

विशेषः शिक्षक दिवस, 5 सितंबर

निभाता है बहुस्तरीय भूमिका

अध्यापक बहुस्तरीय भूमिका निभाते हैं। वे मशीन नहीं हैं। वे आपको मशीनी अंदाज में निर्मित नहीं करते बल्कि एक कलाकार की तरह अपनी समूची भावनात्मक संवेदना के साथ धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए कोई मशीन कितनी ही इंटेलीजेंट क्यों न हो जाए, वह कभी भी अध्यापक की जगह नहीं ले सकती। दिल छू जाने वाले सवाल पूछना और जीवन बदल देने वाली प्रेरणा देना सिर्फ इंसान ही जानता है। यह कमाल सिर्फ इंसानी टीचर ही कर सकता है। इसलिए उन्नत से उन्नत चैटबॉट के युग में भी इंसानी अध्यापक न सिर्फ बने रहेंगे बल्कि पहले से और ज्यादा प्रासंगिक होंगे, इस जटिलता से निजात दिलाने के लिए। शिक्षक अब न सिर्फ सूचना ही देता है और न ही कोई कुशलता सिखाता है। वह सूचना और कुशलता सिखाने के साथ-साथ आप में प्रशिक्षण यानी वैल्यू और एथिक की भी नींव मजबूत करता है। क्योंकि एआई किसी भी सवाल का क्या और कैसे बता सकता है, लेकिन अधिकांश सवालों से 'क्यों' जवाब शिक्षक ही देगा। जीवन मूल्य, सहानुभूति, सहयोग और जिम्मेदारी जैसी चीजें कोई इंसान ही किसी दूसरे इंसान को सिखा सकता है या कोई इंसान ही दूसरे इंसान से सीखने के लिए प्रेरित हो सकता है। एआई छात्रों में पर्सनालिटी बिल्डिंग यानी व्यक्तित्व विकास का काम भी अच्छे ढंग से नहीं कर सकता। किसी भी छात्र को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, टीम वर्क और नेतृत्व की क्षमता विकसित करने के लिए कोई जीता जागता अध्यापक ही प्रेरित कर सकता है।

अध्यापकों को स्वीकारनी होगी चुनौती

इस मामले में यह भी जरूरी है कि एआई की चुनौती से निपटने के लिए आज के अध्यापकों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। अब सिर्फ किताब पढ़ा देना भर अध्यापक का काम नहीं रहा। अब विशेषकर इस चैटबॉट के युग में अध्यापकों की कई तरह की भूमिकाएं उभर कर सामने आती है। मसलन-अब अध्यापक को एक मेंटर के रूप में अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। उसे छात्र को यह सिखाना है कि किसी भी जानकारी का उपयोग कैसे करना है, कौन सी जानकारी विश्वसनीय है और कौन सी भ्रामक है या हो सकती है, इसका फर्क सिखाना भी बहुत जरूरी है। *

कई रूपों में नाकाबिल है एआई

आज एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्पीड और स्केल को माना जाता है। कोई भी बच्चा जब चाहे एआई चैटबॉट से गणित का सवाल हल कर सकता है, किसी भी ऐतिहासिक घटना का सार या सारांश पा सकता है। विज्ञान की जटिल से जटिल थ्योरी को समझ सकता है। इस दृष्टि से एआई एक विशिष्ट सूचना शिक्षक तो है, लेकिन एआई या चैटबॉट किसी छात्र का दिल नहीं बदल सकता, उसे प्रोत्साहित नहीं कर सकता, उसे प्रभावित नहीं कर सकता और उसे प्रोत्साहित भी नहीं कर सकता। इस अर्थ में टीचर एआई या चैटबॉट के लिए खुद में एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि शिक्षा का असली मकसद सिर्फ सवालों के जवाब पाना नहीं है बल्कि छात्रों में सोचने, समझने, चीजों को विश्लेषित करने की एक शैली या कुशलता को विकसित करना भी है। यह स्किल या कुशलता सिर्फ अध्यापक ही छात्रों को दे सकता है। इस मामले में एआई की क्षमता सीमित है। कोई भी मशीन किसी इंसान को किसी तरह का मूल्य नहीं सिखा सकती, न ही उसमें मूल्यबोध पैदा कर सकती है।

विचारणीय
अलका सोनी

अनेक वजहों से हमारे समाज में शिक्षकों की प्रतिष्ठा और उनके प्रति सम्मान घटता जा रहा है। उनके सामने अनेक चुनौतियां और मुश्किलें भी मौजूद हैं। ऐसे में उन सवालों पर विचार करना और उनके जवाब खोजना आज बहुत जरूरी हो गया है।

तभी फिर सम्मान-प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकेंगे शिक्षक

प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति में शिक्षक को सर्वोच्च स्थान पर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है। लेकिन बड़ा सवाल है कि क्या आज के भारत में शिक्षक इस सम्मान का वास्तविक अनुभव कर पा रहे हैं? क्या यह पेशा युवाओं की पहली पसंद रह गया है? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल जब हम विदेशों की तुलना में अपने शिक्षकों की स्थिति देखते हैं, तो क्या हमें आत्ममंथन की आवश्यकता नहीं है? आज तो ऐसी स्थिति हो गई है कि जब कोई बच्चा पढ़ना शुरू करता है, तब से ही अधिकांश बच्चों के माता-पिता और परिचित उसे इंजीनियर, डॉक्टर और न जाने कौन-कौन से पेशे को अपनाने का सपना देखने और दिखाने लगते हैं। तब शायद ही कोई यह कहता है कि वह बड़ा होकर एक शिक्षक बनेगा। यह बात कड़वी है, लेकिन सच है। भले ही हमारे देश में गुरु-शिष्य परंपरा रही हो। हम गुरु को भगवान से भी बड़ा मानते हो, लेकिन हमारे ही देश में आज शिक्षक के पेशे को कमतर आंका जाता है। लोग मजबूरी में शिक्षक के पेशे को अपनाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि आज आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

शिक्षक का बदलता स्वरूपः प्राचीन भारत में गुरु का दर्जा बहुत महत्वपूर्ण माना जाता था। उन्हें सचमुच भगवान से ऊंचा स्थान दिया जाता था। गुरुकुल परंपरा में शिक्षक, शिष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण के लिए जिम्मेदार होते थे। उन्हें वेतन नहीं, बल्कि 'दक्षिणा' दी जाती थी। यानी सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक, साथ ही एक बार शिष्य के गुरुकुल में प्रवेश करने के बाद उस पर गुरु का अधिकार होता था। उनकी आज्ञा ही उसके लिए सर्वोपरि होती थी। इस क्रम में शिष्यों के माता-पिता भी उनके बीच नहीं आते थे।

कई दायित्वों का दबावः अगर आप प्राचीन भारत से तुलना करें तो साफ पता चलेगा कि आज अधिकतर शिक्षकों का कार्य केवल किताबों तक सीमित नहीं रह गया है। यानी कि वे शिक्षा देने के साथ-साथ मिड-डे मील की निगरानी से लेकर चुनाव ड्यूटी, जनगणना, टीकाकरण जागरूकता अभियान जैसे कई सरकारी कार्य में लगाए जा रहे हैं। इन सब कामों में उनकी भूमिका है, लेकिन उस अनुपात में उन्हें ना तो वह सम्मान मिलता है, न ही संसाधन। फलस्वरूप उनमें असंतोष या हताशा के भाव घर कर लेते हैं। इसके अलावा भी कई कारण हैं, जिनकी वजह से युवा इस पेशे को कम ही अपनाना चाहते हैं।

आर्थिक कारणः किसी भी पेशे को अपनाने की सबसे बड़ी वजह लोगों का आर्थिक रूप से सक्षम होना होता है। लेकिन शिक्षकों को समान शिक्षा कौशल वाले अन्य क्षेत्रों आई टी, फाइनेंस, मैनेजमेंट की तुलना में शुरुआती वेतन प्रायः कम मिलता है, जिससे अवसर-लागत अधिक लगती है। साथ ही कॉन्ट्रैक्ट/अस्थाई नियुक्तियां उनके काम करने के उत्साह को कम करती हैं। क्योंकि गेस्ट, आउटसोर्स या अल्पकालिक कॉन्ट्रैक्ट्स में वेतन और सुविधाएं सीमित रहती हैं।

भर्ती-प्रक्रिया की दिक्कतेंः अकसर सरकारी शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया बहुत समय लेती है। इससे भर्ती में देरी, अनिश्चितता बनी रहती है। विज्ञापन से ज्वाइनिंग तक वर्षों लग जाते हैं। इससे ऊबकर युवा करियर के दूसरे विकल्प चुन लेते हैं। नियुक्ति की परीक्षाओं में पेपर लीक, बार-बार होते मुकदमे और परीक्षा रद्दीकरण इसकी परीक्षा विश्वसनीयता पर असर डालती है, जिससे समय और ऊर्जा की भारी बर्बादी होती है। पहले शिक्षक नियुक्ति की प्रक्रिया आसान और सुलझी हुई थी। लेकिन अब दिन पर दिन यह जटिल होती जा रही है।

कार्य-परिस्थितिः अधिकतर शिक्षकों पर बहुत दबाव रहता है। एक ही शिक्षक पर कई कक्षाएं और विषय पढ़ाने का दबाव भी रहता है, जिससे सभी छात्रों पर व्यक्तिगत ध्यान देना कठिन हो जाता है। कुछ प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर अन्य स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी जैसे कि लैब, लाइब्रेरी, स्मार्ट-क्लास, बिजली/नेट जैसी न्यूनतम सुविधाएं भी सीमित रूप में होती हैं।

कई स्तरों पर बदलाव की जरूरतः शिक्षकों का मुख्य कार्य पठन-पाठन से जुड़ा होना चाहिए। उन्हें गैर-शैक्षिक कामों से यथासंभव राहत देनी चाहिए। क्योंकि इन सब से उनकी कार्य क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए विद्यालय में केवल शिक्षण पर ध्यान देने का वातावरण बनाने की जरूरत है। ताकि युवाओं के मन में इस पेशे के प्रति सम्मान और समर्पण बना रहें। शिक्षा में सुधार के लिए छात्रों के साथ ही शिक्षकों और विद्यालयों की स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता होती है। हर विद्यालय के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने से शिक्षकों के ऊपर कम दबाव होगा। लैब, स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी, इंटरनेट जैसी सुविधाएं स्कूलों तक पहुंचनी जरूरी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में। इनके अलावा आज समाज में शिक्षक के पेशे का सम्मान घटता जा रहा है। इस बात को समझना होगा कि लोग जिन भी कारणों से इस काम के प्रति उदासीन हो रहे हैं, उन कारणों को दूर करने की आवश्यकता है। अगर मीडिया और समाज में शिक्षकों को 'सोशल हीरोज' के रूप में मान्यता मिले, उन्हें पुरस्कार, सामुदायिक सम्मान मिले, तो स्थिति में बदलाव आ सकता है। *

कविता
हरीश कुमार 'अमित'

कुछ ख्वाब

कुछ ख्वाब
जिंदगी के
रहते बस ख्वाब ही।
बीतती जाती जिंदगी
देखते-देखते
इन ख्वाबों को।
इंतजार इन ख्वाबों के
पूरा हो जाने का,
रहता बस इंतजार ही।
बढ़ती रहती
इन ख्वाबों के
पूरा न हो पाने की कसक
वक्त बीतने के साथ-साथ।
और आखिरकार
बन जाती एक दिन
खुद जिंदगी ही
एक बीता हुआ ख्वाब।

कहानी / संजीव ठाकुर

विकास के नाम पर पेड़ों की बलि कितनी हृदय विदारक होती है, यह तो केवल पेड़ ही महसूस कर सकते हैं। हम इंसान तो केवल अपने स्वार्थ और आरामतलबी के चलते उन पर कुल्हाड़ी चलाते रहते हैं। काश हममें वह संवेदना जगती, कि हम इन पेड़ों की दारुण व्यथा-कथा सुन सकते, महसूस कर सकते!

मातम

दीवार खिंच चुकी है। कैंपस के करीब पांच मीटर अंदर। दो सौ मीटर लंबाई में। इस दीवार के बाहर कैंपस की जो जमीन है, पेड़-पौधे हैं, कमरे हैं, चहारदीवारी है- अब सरकारी संपत्ति है। यह कैंपस भी वैसे सरकारी है- कम से कम एक सौ सत्तर वर्ष पुराना। हेरिटेज बिल्डिंग। बाहर खुला लॉन। साठ-सत्तर वर्ष पुराने पेड़ों से घिरा हुआ।

अब खिंची दीवार के बाहर की समस्त भूमि सड़क का हिस्सा बनने जा रही है। पेड़ कट कर कुछ सरकारी गोदाम और कुछ चोरी-चुपके मंडियों में पहुंचने लगे हैं।

सीधे खड़े नीम और सेमल के पेड़ की बलि ली जा चुकी है। कल बट-बाबा की बारी है। कयामत की रात है। आस-पास खड़े सभी पेड़ गमगीन हैं- जो दीवार के इस पार हैं वे भी, उस पार हैं वे भी। इस पार वर्षों से टेढ़ा खड़ा नीम सीधे खड़े नीम के जाने से उदास है। कहता है, 'मुझे ही काट ले जाते? मैं लंगड़ा पेड़, न जाने कब गिर जाऊं? मेरे जाने से कुछ खास फर्क नहीं पड़ता। वह तो तीस वर्षों से खड़ा था, वातावरण की सारी गंदगी पीता था और स्वच्छ हवा लोगों को देता था।'

सेमल का भाई भी अपने बड़े भाई के जाने से दुखी है। 'कल नहीं तो परसों मेरी भी बारी आ ही जानी है।' वह सोच रहा है। दीवार के इस पार खड़ा ताड़ का पेड़ बोल पड़ा, 'अब देखो, मैं बच गया। मैं तो लोगों को कुछ खास फायदा नहीं पहुंचा पाता, लेकिन बट-बाबा के बारे में सोचो। साठ साल से धूप, वर्षा, ठंड की परवाह किए बिना डटे हुए हैं। कितनी तो गर्मी अपने अंदर सोख चुके हैं। अभी भी गर्मी सोखने की इनकी ताकत का कोई जोड़ नहीं है। लेकिन मूर्ख मनुष्य कुछ सोचने वाले ही नहीं हैं।'

इस पर बट-बाबा बोले, 'मेरी चिंता मत करो दोस्तों! मैं तो अपने बेटे के बारे में चिंतित हूं। उसने अभी दुनिया ही कितनी देखी है? ...दो-चार दिनों में वह भी मशीनी दानव के द्वारा धराशाई कर दिया जाएगा।'

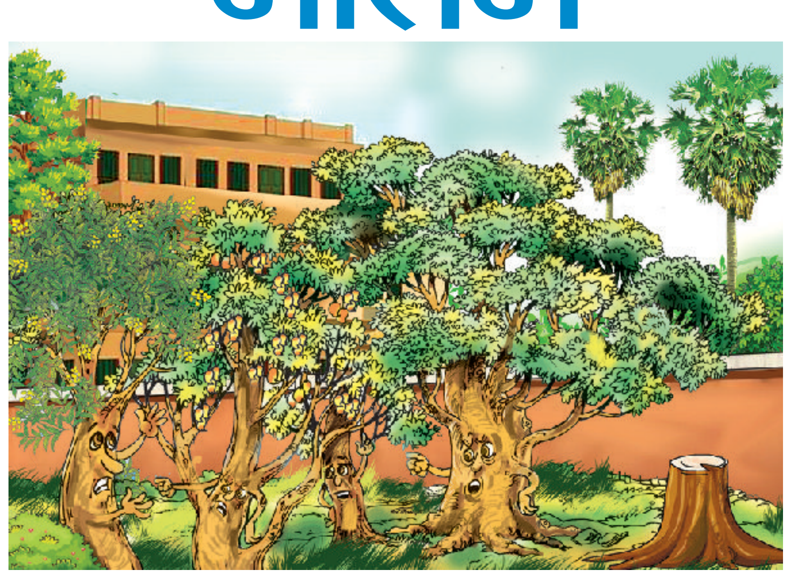

'उस नए-नए जवान हुए पीपल और आम के पेड़ के बारे में भी तो कोई नहीं सोच रहा।' दीवार के उस पार अपनी जान की खैर मनाता जामुन का पेड़ बोल पड़ा।

'अरे! मनुष्य अपने विनाश की पटकथा खुद लिख रहा है। हमें क्या सोचना?' पीपल बोल पड़ा, 'मैं अभी कम से कम पचास साल यहां खड़ा रहता और मनुष्य को बचाने में अपना योगदान देता। लेकिन...! कोई बात नहीं।'

आम के पेड़ ने गुस्सा होते हुए कहा, 'मैं साफ हवा के साथ-साथ उन गधों को मीठे फल भी देता हूं। फिर भी मेरी चिंता उन्हें नहीं है। मैंने यहीं इसी कैंपस में किसी को कहते हुए सुना है, 'अगर पेड़ों को नहीं काटा जाएगा तो विकास कैसे होगा?'

'विकास क्या होता है दादा?' टेढ़े नीम ने पूछा।

पीपल के पेड़ ने बुजुर्ग की भूमिका ओढ़ते हुए समझाया, 'हमें काट कर, गड्ढों को ईंट, पत्थर से पाटकर, बुल्डोजर चलाकर, ऊपर से कोलतार की चादर बिछाकर जो चमचमाती सड़क बनती है, उसे विकास कहते हैं बेटा! यह विकास पूरे देश में होता रहता है। पहाड़ों पर होता रहता है। जंगलों को अंधाधुंध काटकर चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाई जाती हैं। दिल्ली-मुंबई-चेन्नई में रहने वाले लोगों की गाड़ियां मैदान से लेकर पहाड़ तक फर्राटे भरती रहती हैं। वे लोग सरकार की तारीफ में कहते हैं, 'देखो, यह है विकास।'

'लेकिन मैंने तो यहीं एक बार दो लोगों को बात करते सुना था कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से पहाड़ों के पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचता है।'

'पर्यावरण की चिंता किसे है बेटे?' बट-बाबा ने दुखी स्वर में कहा, 'मैं तो पिछले साठ सालों से देख-सुन रहा हूं। कई लोगों को इसके लिए अभियान चलाते हुए भी देखा है। लेकिन होता-हवाता कुछ नहीं है। अंततः सरकार ही जीतती है। कहीं पेड़ों, पहाड़ों को काटकर सड़क बना देती है, बड़े-बड़े होटल बनवा देती है, कहीं बीसियों गांवों को सदा के लिए पानी में डुबोकर बांध बनवा देती है।'

'लेकिन यह सब भी तो जरूरी ही होता होगा, 'जैसा कि कुछ लोग कहते हैं?' सेमल का अधेड़ पेड़ बोल पड़ा।

पीपल को गुस्सा आ गया, 'होता है बाबू, होता है। तभी तो वे पेड़, पहाड़, नदी, तालाब वगैरह की परवाह नहीं करते। जहां कुछ बनाना हो, बना लेते हैं। लेकिन जान लो, मैं जाते-जाते कह रहा हूं- यह विकास ही उनके विनाश की वजह होने जा रहा है।'

पेड़ों के बीच चुप्पी छा गई। उनके पत्तों ने हिलना-डुलना बंद कर दिया। वे इतने गमगीन हो गए मानो मनुष्य का विनाश होने पर मातम मनाने बैठे हों। *

पुस्तक चर्चा / दिनेश मालवीय 'अश्क'

भावप्रवण कविताओं का पठनीय संग्रह

कहते हैं, हर व्यक्ति में एक कवि छिपा होता है। काव्यात्मक अनुभूतियां होने के बावजूद हर किसी में उन्हें शब्दों में अभिव्यक्त करने की योग्यता नहीं होती। जिनमें यह क्षमता होती है, वे औपचारिक रूप से कवि बन जाते हैं। जनसंपर्क विभाग में अपर संचालक पद से सेवानिवृत्त सुरेश गुप्ता का प्रथम काव्य संग्रह 'असमय का अंधेरा' हाल में प्रकाशित हुआ है। इस संग्रह में उनकी 89 कविताएं शामिल हैं। मुक्त छंद में रचित सभी कविताएं छोटी, लेकिन गहरे भाव और जीवन अनुभव से परिपूर्ण हैं। किताब की पहली कविता 'असमय का अंधेरा' पढ़ते ही कवि की भाव प्रवणता और सशक्त अभिव्यक्ति का संकेत मिल जाता है। इसमें वे कहते हैं, 'अंधेरे से किसी को/भला क्या ऐतराज हो सकता है/रात लिखी ही है/अंधेरे के नाम/जैसे दोपहर, शाम दिन के नाम/पर बहुत कचोटता है/यह असमय का/दिन का अंधेरा।' एक अन्य कविता में वह गहरा जीवन दर्शन कुछ ऐसे बयां करते हैं, 'कुछ पा लिया/कुछ छूट गया/जो छूटा/उसमें/वह रास्ता भी रहा/जो तुम तक/जाता था।' कई कविताओं के गहन अर्थ को समझने के लिए दो-तीन बार भी पढ़ना पड़ सकता है। बहरहाल, इसमें संदेह नहीं कि इन कविताओं में कवि के जीवन संघर्ष, कड़वे-मीठे अनुभव बहुत सहजता से अभिव्यक्त हुए हैं। *

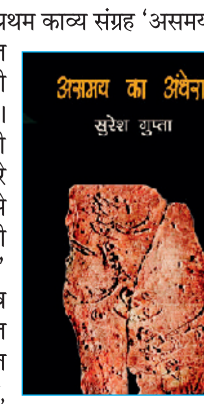

पुस्तकः असमय का अंधेरा, **लेखकः** सुरेश गुप्ता, **मूल्यः** 100 रुपए, **प्रकाशकः** प्रथमेश प्रिंटर्स, भोपाल

तरकश

संजय के दीक्षित

2500 करोड़ सैलरी और काम 15 दिन

छत्तीसगढ़ में जब से फाइव डे वीक शुरू हुआ है, छुट्टियों का बहार है। पिछले नौ दिन में सिर्फ दो दिन वर्क हुआ, सात दिन छुट्टी रही। 31 के इस अगस्त महीने में पांच-पांच सटर्डे और संडे पड़ गया। उसके बाद 15 अगस्त, तीज, गणेश चतुर्थी, नवा खाई जैसी कई सरकारी छुटियां। इसके आगे भी कोई महीना नहीं है, जिसमें 12 दिन से ज्यादा छुट्टी न पड़ रही हो। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य होगा, जहां इतनी छुट्टियां...साउथ के राज्यों को छोड़ दें, बिहार, यूपी और ओड़िसा जैसे राज्यों में इतने सरकारी अवकाश नहीं होते। अब जरा सोचिए...कर्मचारियों और अधिकारियों की तनख्वाह पर हर महीने 2500 करोड़ खर्च हो रहा और काम आधा महीना भी नहीं। ऐसे में, छत्तीसगढ़ विकसित राज्य कैसे बन पाएगा। सिस्टम को इस विडंबना को दूर करने साहसिक फैसले लेने पड़ेंगे...तभी 2035 तक छत्तीसगढ़ विकसित राज्य बन पाएगा। वरना, विजन डाक्यूमेंट बनाने का फिर क्या मतलब?

ब्यूरोक्रेट्स और बाबू एक बराबर

छत्तीसगढ़ में स्थिति यह है कि अर्थहीन छुट्टियों में भी मंत्रालय और विभागाध्यक्ष भवन में कामकाज ठप्प पड़ जाता है। अर्थहीन का मतलब ये कि जिससे सभी वर्गों का ताल्लुकात न हो। अब भला हरेली और तीज से मंत्रालय के अधिकारियों का क्या वास्ता। वैसे भी बड़े लोगों के यहां तीज कोई करता नहीं...अब करवा चौथ का दौर है। बावजूद इसके तीज, हरेली, चेट्री चंड जैसी छुट्टियों में मंत्रालय बंद हो जाए तो सिस्टम को इसे देखना चाहिए...आखिर बाबू और ब्यूरोक्रेट्स में फर्क होता है कि नहीं! ब्यूरोक्रेट्स देश चलाते हैं...मगर ऐसे में राज्य कैसे चलेगा। आखिर, इसी छत्तीसगढ़ में 2018 तक छुट्टियों में भी बड़े अफसर मंत्रालय और ऑफिस पहुंचते थे...प्लानिंग से लेकर इंपार्टेंट काम छुट्टी के दिन होते थे। अलबत्ता, इस साल एक जनवरी की सीएम विष्णुदेव साय की बैठक के बाद मंत्रालय की वर्किंग सुधरी है। 70 परसेंट से अधिक अफसर अब टाईम पर आ रहे हैं। फिर भी यह ध्यान रखना होगा कि ब्यूरोक्रेट्स और बाबू में अंतर होता है।

हर्बल लाइफ, चेन और शेयर

छत्तीसगढ़ में छुट्टियों का साइड इफेक्ट ये हो रहा कि सरकारी मुलाजिम काम छोड़ आजकल शेयर, हर्बल लाइफ और चेन के बिजनेस में घुस गए हैं। नवा रायपुर के महानदी, इंद्रावती भवन समेत अधिकांश ऑफिसों में ऐसे अफसर मिल जाएंगे, जो 3 बजे तक इसलिए सीट पर बैठते हैं कि उसके बाद शेयर मार्केट खुला होता है। कुछ अधिकारियों की पूरी फेमिली चेन के कारोबार में लगी है तो ये बात छिपी नहीं कि पुलिस मुख्यालय के आईजी लेवल का एक अफसर इस बिजनेस में इंवाल्व रहे हैं। शिक्षकों में ऐसी बड़ी तादात है, जो स्कूलों में पढ़ाने-लिखाने से तोबा कर हर्बल लाइफ का चेन बना लोगों को मोटा-पतला बनाने का काम कर रहे हैं। ऐसे में, वर्किंग कल्चर की आप कल्पना कैसे कर सकते हैं।

कलेक्टर, एसपी की मौज-मस्ती

एक जमाना था, जब कलेक्टर, एसपी 24 घंटे काम करते थे। मगर छत्तीसगढ़ में छुट्टियों के बहार के दौर में छुट्टी से काफी पहले आजकल कलेक्टर, एसपी सैर-सपाटे का प्लान कर ले रहे हैं। फिर जीएडी में अर्जी के साथ बार-बार फोन...सर! फ्लाइट की टिकिट हो गई...। हालांकि, कलेक्टर-एसपी पहले से इस समय काफी ठीक है। फिर भी कसावट का मामला जरा ढीला है। जीएडी सिकरेट्री ने जनवरी में इन दोनों को कड़ा मैसेज भेजकर कई सारे प्वाइंट पर काम करने कहा था। मगर सब किसी-न-किसी से जुड़े हैं, तो फिर क्या किया जा सकता है। हाल में एक वीआईपी जिले में कलेक्टर, एसपी की कड़वाहट सतह पर आ गई। इसमें क्या हुआ? न होना था और न होगा। ऐसे में प्रशासन कैसे चलेगा? हाई लेवल पर देखना होगा कि प्रशासनिक कार्य में किसी तरह की दखलांदाजी नहीं होनी चाहिए। कलेक्टर, एसपी को भी छुट्टी मांगने से पहले सोचना चाहिए...कभी-कभी देवदूत की तरह जिले में काम करने का अवसर मिलता है। इसे सिर्फ मौज-मस्ती और पैसा कमाने में न गंवा दें

विष्णुदेव को पॉलिटिकल माइलेज

सीएम विष्णुदेव का पहला विदेश दौरा कितना सफल रहा, जमीनी तौर पर इसे दिखने में थोड़ा वक्त लगेगा। मगर राजनीतिक दृष्टि से इससे उन्हें बड़ा माइलेज मिला है। छत्तीसगढ़ में पहली बार किसी मुख्यमंत्री का विदेश यात्रा से लौटने पर एयरपोर्ट पर ऐसा स्वागत हुआ। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव से लेकर सारे मंत्री, निगम-मंडल के अध्यक्ष और पार्टी के बड़े नेता विमानतल पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री के स्वागत के शो को देखकर सियासी पंडित भी चकित रह गए। जाहिर है, राजनीति में स्वागत और भीड़ से भी अपने संदेश निकलते हैं...एयरपोर्ट पर आतिशि स्वागत का मतलब यही होगा न...सीएम ने अपनी राजनीतिक पकड़ बेहद मजबूत कर ली है!

प्रमोटी आईएएस PSC चेयरमैन क्यों?

छत्तीसगढ़ सरकार ने पीएससी की मेंबर रीता शांडिल्य को अपग्रेड करते हुए चेयरमैन बना दिया है। मगर उनका कार्यकाल साल भर ही रहेगा। वे पिछले साल सितंबर में आईएएस से रिटायर हुईं थीं। और पीएससी में 62 वर्ष रिटायरमेंट है। इस लिहाज से उनका एक साल निकल गया है। अगले साल 30 सितंबर को वे रिटायर हो जाएंगी। याने नेक्स्ट ईयर जून-जुलाई से नए चेयरमैन की तलाश शुरू हो जाएगी। बता दें, 60 में रिटायर होने के बाद आईएएस अधिकारियों को पीएससी में सिर्फ दो साल मिलता है इसलिए कोई डायरेक्ट आईएएस अधिकारी पीएससी चेयरमैन नहीं बनना चाहते। उनकी नजर पांच साल वाली पोस्ट रिटायरमेंट पोस्टिंग पर रहती है। छत्तीसगढ़ में अभी तक कोई डायरेक्ट आईएएस पीएससी चेयरमैन नहीं बना है। डायरेक्ट आईपीएस श्रीमोहन शुक्ला और अशोक दरबारी जरूर चेयरमैन रहे। उनके अलावे आईएएस में स्टेट सर्विस से आईएएस वाले ही चेयरमैन बनें हैं। मसलन, बीएल ठाकुर, केआर पिस्दा, आरएस विश्वकर्मा, टामन सिंह सोनवानी और अब रीता शांडिल्य।

पोस्टिंग और भाग्य-1

दिसंबर 2023 में जब बीजेपी की नई सरकार बनी थी, तब एसीएस होम मनोज पिंगुआ का नाम सीएम सचिवालय के लिए खूब चला था। मगर बाद में ऐसा हो नहीं सका। इसके बाद नए चीफ सिकरेट्री के लिए के लिए उनका नाम लगभग फायनल हो गया था, सिर्फ आदेश की रस्मअदायगी बच गई थी। 30 जून को कैबिनेट की बैठक के बाद उनके नाम का आदेश निकलना था कि दिल्ली के हाई पावर जोन से फोन आ गया। फोन ऐसा था कि सरकार में बैठे लोग चाहकर भी कुछ नहीं कर सके और अमिताभ जैन को तीन महीने का एक्सटेंशन देने का रास्ता निकालना पड़ा। अब 30 सितंबर को अमिताभ जैन को फिर से तीन महीने का एक्सटेंशन मिलेगा, यह भविष्य के गर्भ में है। निहितार्थ है कि सबसे बड़ी किस्मत होती है।

पोस्टिंग और भाग्य-2

सचिव स्तर के पिछले फेरबदल में सरकार ने सिकरेट्री अविनाश चंपावत से राजस्व लेकर रीना बाबा कंगाले को दे दिया। इसके बाद अविनाश के पास सिर्फ जीएडी बचा है, जो आज तक किसी सिकरेट्री के पास सिंगल चार्ज के तौर पर नहीं रहा। जीएडी हमेशा दूसरे विभागों के साथ पुछल्ला होता था। ब्यूरोक्रेसी में ये किसी को समझ में नहीं आ रहा कि ऐसा हुआ कैसे। दागी राप्रसे अधिकारी को आईएएस बनाने के लिए क्लीन चीट देने से अंबलगन ने मना किया तो उनसे जीएडी लिया गया था। मगर चंपावत ने वो सब कुछ कर दिया, फिर ऐसी बेदर्दी उनके साथ क्यों? अफसरों की संख्या बढ़ गई है, ये रीजन है या कोई और?

लोकप्रिय सीएम, संयोग और खतरे

एक नामी मीडिया समूह के सर्वे में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को देश का दूसरे सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री चुना गया है। पहले नंबर पर असम के सीएम हेमंत बिस्वा सरमा हैं। बात छत्तीसगढ़ के सीएम की तो लगता है...पिछले छह-आठ महीने में ई-ऑफिस से लेकर गवर्नेंस के फील्ड में रिफार्म किए गए, उसके संदेश अच्छे गए, तभी 41 परसेंट से अधिक लोग उन्हें पसंद किए। सर्वे के मुताबिक सुशासन तिहार का आम जनमानस पर बडा प्रभाव पड़ा। इसमें सीएम सचिवालय के निर्विवाद अधिकारियों की भूमिका भी अहम रही। खासकर, छत्तीसगढ़ जैसे स्टेट में कभी किसी ने कल्पना नहीं की थी कि यहां ऑनलाइन फाइलें चलेंगी। गुड गवर्नेंस की दिशा में यह प्रयास मील का पत्थर जैसा है। हालांकि, बीजेपी में इस बात पर चुटकी ली जा रही कि इससे पहले 2005 में भी इसी इंडिया टुडे-सी वोटर सर्वे में डॉ. रमन सिंह देश के सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री बने थे। उसके बाद रमन ऐसे मजबूत होते चले गए कि 15 साल उन्हें कोई हिला नहीं पाया। कहीं वही संयोग दुहरा गया तो फिर कांग्रेस का लंबा वनवास होगा ही, बीजेपी के दीगर दावेदारों का स्कोप विष्णुदेव खतम कर देंगे।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. मंत्री बनने में पुरंदर मिश्रा का कोई रिसोर्स काम नहीं आ पाया तो क्या चीफ सिकेरट्री में सुब्रत साहू की दावेदारी अब प्रबल हो जाएगी?
2. क्या ये सही है कि करप्शन पर काबू पाने सिस्टम को एक बार आंख मूंदकर तलवार भांजने की जरूरत है?

प्रथम पृष्ठ का शेष

266 रुपए का...

खरीदने निकले। हकीकत मायूस करने वाली है।कहीं यूरिया 700 रुपए में मिल रहा है तो कहीं 1200 में। यानी मूल कीमत से पांच गुना तक। हाल यह है कि इस कीमत पर भी यूरिया आसानी से उपलब्ध नहीं है।

रायपुर का ऐसा...

सप्ताह पहले स्टॉक खत्म हो चुका है। निजी कृषि केंद्रों में किसानों को आसानी से नहीं दिया जा रहा। भाठागांव स्थित कृषि केंद्र में यूरिया खत्म हो चुका है। यहां के केंद्र संचालक ने बताया कि फिलहाल स्टॉक नहीं है और यह कब आएगा, इसकी कोई जानकारी नहीं दी जा सकती।

तमाम दावों के...

इसके लिए केसीसी या ऋण पुस्तिका जमा करना होता है। इससे वे किसान अधिक परेशान हैं जो कि कूता, अधिया या रेगहा लेकर खेति करते हैं। इन किसानों को बाजार से 1200 रुपए बोरी से अधिक में खाद खरीदना होता है। ग्राम हांफा के किसान गोपाल प्रसाद तिवारी ने बताया कि सोसायटी से यूरिया मिल ही नहीं रहा है। सेवा सहकारी समिति सकरी के अध्यक्ष मनीष तिवारी, सेवा सहकारी समिति घुरू सैदा के अध्यक्ष संतोष दुबे और सेवा सहकारी समिति लाखासार के अध्यक्ष यशवंत दुबे के मुताबिक किसानों के इतने फोन लगातार आ रहे हैं कि जवाब देते नहीं बन रहा है। सरकार व्यवस्था नहीं कर पा रही है और किसान परेशान है। **2 हजार मीट्रिक टन यूरिया और मगांई गई-** हरिभूमि ने सेवा सहकारी समिति सकरी से जानकारी तो मालूम पड़ा कि 759 बोरी यूरिया और मंगाई गई है जिसका वितरण सोमवार से किया जाएगा। जिला विपणन अधिकारी शंभू गुप्ता के मुताबिक पिछले साल 21 हजार मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया गया था। इस साल भी इतना हो चुका है। किसानों ने लेकिन सुपर डीएपी की जगह सुपर यूरिया का उपयोग कर लिया इससे कमी हो गई। 2 हजार मीट्रिक टन यूरिया और मगांई गई है। इधर किसानों के मुताबिक फसल में वननाशक डाला जा चुका है। इसके तत्काल बाद खाद डालना होता है। इसके लिए भटकना पड़ रहा है। जल्ह ही खाद नहीं मिली तो परेशानी बढ़ेगी और फसल की उत्पादकता प्रभावित होगी। **पूर्ति कराई जा रही है-**जिला विपणन विभाग, कृषि विभाग और सहकारी बैंक के मैदानी कर्मचारियों द्वारा लगातार खेतों का भ्रमण किया जा रहा है। किसानों को नैनो उर्वरक के प्रयोग और इसके लाभों की जानकारी भी दी जा रही है। किसान पूरे विश्वास के साथ अपनी धान की फसल में नैनो उर्वरक का उपयोग कर रहे हैं। खाद की कालाबाजरी को रोकने के लिए विभाग की टीमें लगातार एक्टिव हैं। जहां यूरिया की कमी हैं वहां पूर्ति कराई जा रही है।
- शंभू गुप्ता, जिला विपणन अधिकारी

भिलाई-दुर्ग में...

उन्होने 2000 रुपए बोरी बताया। डीएपी सहकारी समितियों में 1350 रुपए बोरी मिलता है।

कालाबाजारी पर...

के उपसंचालक संदीप भोई ने बताया कि मेसर्स रूद्र कृषि सेवा केंद्र नगपुरा में 13.35 मिट्रिक टन, मधुबन ट्रेडर्स नगपुरा, देवांगन कृषि केंद्र जंजगिरी में 02.52 मिट्रिक टन और मेसर्स विद्या कृषि केंद्र बोरी धमधा में 41.35 मिट्रिक टन खाद की जप्ती बनाई गई है। इन केंद्रों की जांच में स्टॉक अनियमित पाया गया। जिले में इस सीजन में अब तक 270 कृषि केंद्रों की जांच की गई है, जिसमें 53 को कारण बताओ नोटिस, एक लाइसेंस निरस्त करने और 13 केंद्रों में जप्ती व 10 केंद्रों में विक्रय प्रतिबंधित किया जा चुका है।

सीएम साय ने...

मुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छों से लेकर गजमाला तक से स्वागत किया।

जापानी में दी...

ओसाका एक्सपो में छत्तीसगढ़ एकमात्र ऐसा राज्य रहा, जिसने अपनी पूरी जानकारी जापानी भाषा में दी, जिससे हमें अपनी बातों को जापानी निवेशकों तक समझाने में पूरी तरह से सफलता मिली।

साय बोले- बसा...

बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा के दौरान यह तय हुआ है कि भारत में जापान 6 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा और 10 साल का आर्थिक रोड मैप तैयार किया गया है। इसका बड़ा हिस्सा छत्तीसगढ़ को भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस यात्रा के दौरान जापान और कोरिया दोनों ही देशों से छत्तीसगढ़ में निवेश के संबंध में चर्चा की गई और एआई, सेमीकंडक्टर, टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश की सहमति बनी है। इसके साथ ही कई औद्योगिक संस्थानों से छत्तीसगढ़ में निवेश प्रस्ताव भी मिले हैं। मुख्यमंत्री ने बताया, दोनों ही देशों के व्यापार संगठनों को छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति के बारे में बताया और इसके अनुदान प्रावधानों से उन्हें अवगत कराया गया।

7 साल बाद...

चरण के तहत जापान से चीन के तियानजिन पहुंचे। एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी के रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की भी संभावना है।

भारत को देखकर...

नहीं। उन्होंने कहा कि दीप ही सत्पुरुष है या सत्पुरुष ही दीप की तरह होते हैं। इसी तरह शांतिपूर्वक जलकर प्रकाश देने में ही जीवन की सार्थकता है। ऐसी शांत तपस्या स्वयंसेवकों ने 100 साल से की है, तब जाकर हम यहां तक पहुंचे हैं। उनका कहना है कि इसी से विश्व सुखी व मंगलमय बनेगा, दूसरा कोई उपाय नहीं है। मूल बात यही है कि अपनेपन को दुनिया भूलती चली जा रही है, उसी के सारे परिणाम हैं, इसलिए हिन्दू समाज अपनेपन को लेकर अपना जीवन संवारकर खड़ा रहे, दुनिया के सामने उदाहरण बने, इसलिए ऐसा उद्यम हम हिन्दू लोग करें। उनका कहना है कि इसीलिए संघ का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि सबका व्यवहार धर्मपूर्ण हो और धर्म के आधार पर खड़े भारत को देखकर सारी दुनिया भी अपने-अपने धर्म को जानकर उसके अनुसार चले, वे ऐसी मंगलकामना, शुभकमनाएं देते हैं।**रत्नदीप बनकर काशीनाथ ने समाज के लिए जीवन समर्पित किया-**
सिम्स के ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व विभाग संघचालक स्व. काशीनाथ गोरे के जीवन कृतित्व पर केंद्रित स्मारिका का विमोचन सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत के करकमलों से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सांघिक गीत व भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। स्मारिका विमोचन समिति के सचिव विश्वास जलताड़े ने मंचस्थ अतिथियों का परिचय कराया। इस अवसर पर सरसंघचालक मोहन भागवत ने अपने उद्बोधन में कहा कि वे बिलासपुर जब भी आए, तब काशीनाथ की उपस्थिति अवश्य रहती थी। काशीनाथ गोरे संघ के स्वयंसेवक थे, ऐसा कहेंगे तो भी उनके जीवन का वर्णन पूर्ण हो जाता है, क्योंकि आद्य सरसंघचालक डॉक्टर साहब कहा करते थे कि स्वयंसेवक का व्यक्तित्व ऐसा होता है जो लोगों को आकर्षित करता है। काशीनाथ से एक बार यदि कोई मिल लेता था तो उसके साथ एक आत्मीयता बन जाती थी। वे रत्नदीप के समान समाज के उत्तम लोगों में थे। अच्छा काम करने में यश की भी अपेक्षा उन्हें नहीं थी। गुरु जी कहा करते थे कि संघ में साधारण स्वयंसेवक सबसे महत्वपूर्ण हैं। एक घंटे की शाखा के बाद भी 23 घंटे उसका जीवन समाज के लिए उपयोगी होता है। संघ स्वयंसेवकत्व से चलता है। सभी बाधाओं व चुनौती में संघ को स्वयंसेवक ने बढ़ाया, संघ को अर्थात राष्ट्र व समाज को बढ़ाया, समाज में अपनत्व को जगाने का कार्य स्वयंसेवक करता है। प्रेम देकर शुद्ध सात्विक कार्य स्वयंसेवक विकसित करता है। अच्छे स्वयंसेवक के बारे में यही कहा जाता है कि वह अनुशासित, कर्मठ है, समाज में हो या घर में वह बिना मांगे सबकी सहायता करता है।

जीवन का एक-...

प्रदीप शर्मा ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरूण साव, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव सहित विधायक अमर अग्रवाल, धरमलाल, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, महापौर पूजा विधानी, भूपेन्द्र सवन्नी, पवन साय सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक एवं अणु मान जन उपस्थित रहे।

स्वयंसेवक के जीवन...

सत्य स्वयंसेवक बनने के लिए जो निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं उनका सामान्य जीवन भी अनुकरणीय व प्रेरक बन जाता है। काशीनाथ जी का व्यक्तित्व ऐसे ही सत्य स्वयंसेवक का था। उन्होंने कहा कि काशीनाथ को दायित्व दिया गया हो या नहीं किन्तु समाज के लिए जो उपयोगी कार्य हो सकता था वह करते रहे। यथासंभव क्षमता से बिना किसी अपेक्षा से करते थे। संघ को प्रत्यक्ष अपने जीवन में चरितार्थ करने वाले लोगों के स्मरण का यह अवसर है।

नशे का खेल...

जानकारों के अनुसार सिंथेटिक हेरोइन चिट्टा का सबसे आम रूप फेंटेनाइल है जो हेरोइन से पचास गुना ज्यादा असरदार है। हालांकि ये रासायनिक रूप से हेरोइन के समान हैं। सिंथेटिक ओपिओइड अलग-अलग दवाएं हैं। एक किलो फेंटेनाइल से पांच लाख लोगों से ज्यादा की मौत हो सकती है। ऐसी दवाओं को मिलाकर सिंथेटिक ड्रग बनाकर बेचा जा रहा है।

अमेरिकी कोर्ट ने...

राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर इसे सही ठहराया गया। अमेरिकी संविधान के मुताबिक कांग्रेस के पास टैरिफ समेत तमाम टैक्स लगाने की पावर है, लेकिन पिछले कुछ सालों से ये शक्ति अमेरिकी राष्ट्रपति के हाथों में दे दी गई है, जिसका ट्रंप ने धड़ल्ले से इस्तेमाल किया है। इस कानून का सबसे ज्यादा इस्तेमाल अमेरिका के विरोधी देशों जैसे- ईरान और नॉर्थ कोरिया पर प्रतिबंध लगाने के लिए किया जाता है।

महानदी विवादः छग...

मिल-बैठकर निकालना ही होगा। बैठक में यह भी तय हुआ कि सितंबर से दोनों राज्यों की तकनीकी समितियाँ, जिनमें इंजीनियर और विशेषज्ञ होंगे, हर हफ़्ते बैठक करेंगी। ये समितियां मुख्य मुद्दों को पहचानेंगी और उनका हल निकालने की कोशिश करेंगी। साथ ही, वे यह भी देखेंगी कि कैसे दोनों राज्यों के बीच बेहतर तालमेल बनाया जा सकता है।

तालाब में एक...

टीम दो दिन से तलाश कर रही, लेकिन अभी तक उसके निशान भी वन विभाग को नहीं मिले हैं। दो कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है, जो दो शिफ्टों में निगरानी कर रहे हैं। बाजारपारा के तालाब के पास जाने से भी लोग डर रहे हैं कि कहीं मगरमच्छ हमला ना कर दे।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
शाखाः सीतापुर (छ.ग.)
Central Bank of India
BRANCH: SITAPUR (C.G.)

यतः **परिशिष्ट-4 नियम-8 (1) कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति के लिए)**

अधोहस्ताक्षरी ने जो वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 का अधिनियम के अधीन सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का प्राधिकृत अधिकारी हैं, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उधार लेने वाले को निम्नलिखित तिथि को एक मांग नोटिस में उल्लेखित रकम तथा उस पर ब्याज उक्त नोटिस प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर प्रतिदाय करने की मांग करने के लिए जारी की थी। उधार लेने वाले द्वारा रकम का प्रतिदाय करने में असफल रहने पर, उधार लेने वाले और जनसाधारण को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 4 के अधीन उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित दिनांक को इसमें नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। उधार लेने वाले को विशिष्ट रुप से और जनसाधारण को इसके द्वारा सावधान किया जाता है कि वह इस संपत्ति से संबंधित कोई व्यवहार न करें एवं यदि करता है तो वह निम्नलिखित देय धनराशि तथा उस पर देय ब्याज तथा व्यय के लिए **सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया** के प्रभार के अधीन होगा।

देनदार का ध्यान रक्षित संपत्तियों को मुक्त कराने के लिए उपलब्ध समय हेतु अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

क्र. सं.	उधारकर्ता/जमानतदार का नाम एवं पता	संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि/राशि
1.	**ऋणीः** मेसर्स सुनील ब्रिक्स इण्डस्ट्रीज प्रोप. श्रीमती चन्द्रकला बेहरा पति श्री किशोर लाल	खसरा नं. 498, प.ह.नं. 17, ग्राम- पेटला, तहसील- सीतापुर, जिला- सरगुजा, छ.ग.-497111, क्षेत्रफल- **0.603** हेक्टेयर में स्थित संपत्ति। **चौहद्दीः उत्तर-** तिलक राज व कपिल देव की भूमि, **दक्षिण-** रामेश्वर की भूमि, **पूर्व-** तिलक राज की भूमि, **पश्चिम-** ठुल्ला उरांव की भूमि।	**10/01/2025** **₹ 14,65,696/- + ब्याज व अन्य शुल्क** कब्जा लेने की तारीख **28/08/2025**

दिनांकः 30.08.2025, स्थान- सीतापुर (छ.ग.) — प्राधिकृत अधिकारी, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)
Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology (CIPET)
सिपेट CIPET
रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार
एजुकेशन हब, स्याहिमुडी, जमनीपाली, पोस्ट-गोपालपुर, कोरबा (छ.ग.), पिन: 495450
मो. +91 7815350001, ई-मेल : korba@cipet.gov.in

सिपेट में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु अंतिम सुनहरा अवसर

प्रवेश की अंतिम तिथि - 15.09.2025

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि (वर्षों में)	प्रवेश पात्रता
1	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डी.पी.एम.टी.)	3	10 वीं कक्षा उत्तीर्ण
2	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डी.पी.टी.)	3	10 वीं कक्षा उत्तीर्ण
3	लेटरल एंट्री के माध्यम से द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश (डी.पी.टी. एवं डी.पी.एम.टी.)	2	12 वीं उत्तीर्ण एवं आई.टी.आई. – II वर्ष

एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त
उत्कृष्ट प्लेसमेंट

उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए कोई आयु सीमा नहीं है।
छात्रावास एवं छात्रवृत्ति की सुविधा उपलब्ध है।
विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क अथवा क्यू आर कोड स्केन करें:
8966000083, 7978785859, 9399227305, 9422802207

मितानिन करेंगी 4 को प्रदेश व्यापी चक्काजाम, सीएम और स्वास्थ्य मंत्री निवास का घेराव भी

रायपुर। प्रदेशभर की 75 हजार मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्प डेस्क फेसिलेटर और ब्लाक को आर्डिनेटर 4 सितंबर को राजधानी में प्रदेश व्यापी चक्का जाम करेंगी। इसके साथ ही इसी दिन मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के निवास का घेराव कर अपनी मांगों को प्रति शासन का ध्यान आकर्षित करने प्रदर्शन करेंगी। प्रदेश स्वास्थ्य मितानिन संघ के आव्हान पर 3 सूत्रीय मांगों को लेकर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन का ऐलान किया गया है। संघ की प्रदेश अध्यक्ष सरोज सिंह सेंगर, प्रदेश सचिव चंद्रकिशोर वासनिक ने शनिवार को संयुक्त पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। पदाधिकारी द्वय ने कहा है 4 सितंबर को प्रदेशभर की मितानिन शहर में प्रदेशव्यापी चक्का जाम कर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में संविलयन, वेतन में 50 फीसदी बढ़ोतरी की मांग और एनजीओ के अंदर कार्य नहीं करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने जुटेंगी। उन्होंने बताया कि 7 अगस्त से मितानिन नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर संभाग स्तरीय प्रदर्शन कर अपने हक की आवाज बुलंद करने एकजुट हुईं। प्रदेश के 5 संभाग की मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्प डेस्क फेसिलेटर और ब्लाक को आर्डिनेटर 5 दिनों तक 5 अलग-अलग संभाग से प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके बाद जिला स्तर पर 33 जिलों में मितानिनों ने मोर्चा खोलते हुए धरना प्रदर्शन जारी रखा। इसके बाद भी शासन द्वारा मितानिन की मांग नहीं माने जाने पर 4 सितंबर को रायपुर में प्रदेशव्यापी चक्का जाम कर मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।

अमेरिकी अखबार न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट में खुलासा

फोन करके नोबेल 'मांगने' लगे ट्रंप, भड़क गए थे मोदी

इस चर्चा के बाद ही रिश्ते खराब होना शुरू हुए भारत-अमेरिका के बीच

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते उस वक्त खराब होने शुरू हो गए जब नरेन्द्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप के बीच टेलीफोन पर बात हुई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स ने बड़ा खुलासा करते हुए उस दिन की बात बताई है, जब पीएम मोदी और ट्रंप के बीच कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन से इतर टेलीफोन पर बात हुई थी।

17 जून को करीब 35 मिनट तक हुई थी टेलीफोनिक चर्चा

17 जून को पीएम मोदी और ट्रंप के बीच करीब 35 मिनट कर टेलीफोन पर बात हुई थी और इस दौरान ट्रंप ने मोदी से उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने को कहा था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने खुलासा करते हुए कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप नोबेल पुरस्कार के लिए बार बार भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चले संघर्ष को खत्म करवाने की बात कर रहे हैं।

साफ शब्दों में किया इंकार

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक 17 जून को टेलीफोन पर ट्रंप ने मोदी को बताया था कि पाकिस्तान उन्हें नोबल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करने जा रहा है और भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव खत्म करवाने पर उन्हें गर्व है। रिपोर्ट में आगे इस मामले से परिचित अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि ट्रंप ने टेलीफोन पर मोदी से आगे कहा था कि भारत को भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करना चाहिए, लेकिन मोदी ने टेलीफोन पर ही ऐसा करने से साफ शब्दों में इनकार कर दिया।

खटाई में पड़ा नोबेल अभियान

न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा है कि डोनाल्ड ट्रंप नोबल पुरस्कार के लिए अभियान चला रहे हैं और भारतीय नेता के इनकार करने के बाद उनका अभियान खटाई में पड़ गया है और इसी का असर भारत और अमेरिका के संबंध पर पड़ा है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने खुलासा किया है कि ट्रंप की तरह मोदी भी मजबूत छवि वाले नेता हैं और उनका ये स्वीकार करना कि ट्रंप ने युद्धविराम करवाया है, इसका संदेश भारत के आत्मसमर्पण की तरफ दिखता और इसी बात ने भारतीय प्रधानमंत्री और अधिकारियों को काफी नाराज कर दिया।

बातचीत में बिगड़े रिश्ते

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप की इन बातों से भारतीय नेता भड़क गये। उन्होंने टेलीफोन पर ट्रंप से कहा कि हालिया युद्धविराम में डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है। युद्धविराम भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे तौर पर तय किया गया था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई तरह की बातचीत हुई, लेकिन मोदी का साफ शब्दों में ये कहना है कि भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में ट्रंप की कोई भूमिका नहीं है, उसने अमेरिकी राष्ट्रपति को नाराज कर दिया और इसी के बाद से दोनों नेताओं के बीच के रिश्ते बिगड़ने शुरू हो गये। इसके बाद ही भारत और अमेरिका के बीच चल रही ट्रेड वार्ता बेपटरी हो गई और अंत में अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने दावा किया है कि उसने ये खुलासा वॉशिंगटन और नई दिल्ली में 12 से ज्यादा अधिकारियों से की गई बातचीत के आधार पर किया है।

मुनीर-मोदी का हाथ मिलवाने का था ट्रंप का प्लान

इसके अलावा न्यूयॉर्क टाइम्स ने अधिकारियों के हवाले से ये भी कहा है ट्रंप ने मोदी को वाइट हाउस आमंत्रित किया था और वो चाहते थे कि वाइट हाउस में मोदी और असीम मुनीर के हाथ मिलाने का कार्यक्रम रखा जाए और इंटरनेशनल मीडिया में इसे अमेरिका की जीत की तरह प्रचारित किया जाए। लेकिन ट्रंप को उस वक्त बहुत बड़ा झटका लगा जब भारतीय नेता नो दो टूक शब्दों में डोनाल्ड ट्रंप के न्योते को अस्वीकार कर दिया। यह ट्रंप को एक और झटका था।

खबर संक्षेप

65 की भी नहीं हूं लड़ूंगी चुनाव : उमा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने शनिवार को कहा कि कोई भी राजनीतिक दल रिटायरमेंट की उम्र तय कर सकता है, लेकिन कोई भी यह तय नहीं कर सकता कि किसी व्यक्ति की योगदान देने की क्षमता किस उम्र पर खत्म हो जाएगी। एएनआई को दिए गए एक इंटरव्यू में मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने कहा, 'कोई भी संगठन, राजनीतिक दल, संस्था रिटायरमेंट की उम्र तय कर सकती हैं, लेकिन योगदान की नहीं। योगदान के लिए कोई उम्र नहीं है।

बेंगलुरु भगदड़ : 3 माह बाद आरसीबी ने किया मुआवजे का ऐलान

बेंगलुरू। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) के चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शनिवार (30 अगस्त) को 3 महीने बाद बेंगलुरु में विजय समारोह के दौरान हुई भगदड़ में मारे गए 11 लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया। 4 जून को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर यह हादसा हुआ था। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा, '4 जून, 2025 को हमारा दिल टूट गया।

ओबीसी आरक्षण : मराठा को कुनबी घोषित करे सरकार

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल ने शनिवार को ज़ोर देकर कहा कि वो मराठा राजनीति में नहीं पड़ना चाहते और सिर्फ़ आरक्षण चाहते हैं। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि वह मराठा समुदाय के धैर्य की परीक्षा न ले। मुंबई के आजाद मैदान में मीडिया से बात करते हुए मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि सरकार को यह ग़लतफ़हमी नहीं फैलानी चाहिए कि मराठा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटे से आरक्षण की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ़ यह मांग कर रहे हैं कि हमें कुनबी श्रेणी के तहत पात्रता के आधार पर कोटे में हमारा वाजिब हिस्सा मिले।

जम्मू कश्मीर में कुदरत ने फिर बरपाया कहर बादल फटने और भूस्खलन से 11 की मौत

एजेंसी ▶▶| जम्मू

पिछले एक पखवाड़े से कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के बाद जनजीवन को पटरी पर लाने के लिए जूझ रहे जम्मू-कश्मीर के रियासी और रामबन जिलों में दूरदराज के गांवों में भारी बारिश के कारण बादल फटने और भूस्खलन की दो घटनाओं में एक ही परिवार के सात सदस्यों सहित कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। केंद्र शासित प्रदेश में 14 अगस्त से बादल फटने और भूस्खलन की कई घटनाएं हुई हैं, जिनमें जम्मू में 130 लोगों की जान चली गई है और 140 लोग घायल हो गए हैं, जबकि 32 तीर्थयात्री अब भी लापता हैं। रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर की तीर्थयात्रा शनिवार को पांचवें दिन भी स्थगित रही। कटरा से मंदिर तक के 12 किलोमीटर लंबे घुमावदार रास्ते में मंगलवार को हुए भूस्खलन में 34 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी।

जम्मू क्षेत्र में इस सप्ताह की शुरुआत में हुई रिकॉर्ड बारिश ने भारी तबाही मचाई है, सैकड़ों संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है और दर्जनों सड़कें एवं पुल बह गए हैं, जिससे प्रमुख राजमार्गों पर यातायात बाधित हो गया और रेल यातायात लगभग ठप हो गया। जम्मू-कश्मीर में रामबन जिले के खूनी नाला क्षेत्र में बृहस्पतिवार को भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ, जिससे बिचालरी नदी का प्रवाह अवरुद्ध हो गया और पानी जमा होने से निचले इलाकों के गांव, खासकर 20 घरों वाले करलाना गांव में अब बाढ़ का खतरा है।

रियासी, रामबन जिलों भारी बारिश से मचा हाहाकार

देशभर में हो रही है बारिश, कई राज्यों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित

मृतक एक ही परिवार के सदस्य

जम्मू-कश्मीर में रियासी जिले के एक सुदूरवर्ती गांव में शनिवार तड़के भूस्खलन से एक मकान के ढह जाने के कारण एक ही परिवार के सात सदस्यों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि माहोरे के बद्दर गांव में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन की वजह से एक मकान ढह गया। उन्होंने बताया कि परिवार के सातों सदस्यों के शव बरामद कर लिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि हादसा रात के वक्त हुआ जब परिवार सो रहा था, तभी पहाड़ी ढलान पर स्थित उनका घर भूस्खलन के कारण गिरे मलबे की चपेट में आ गया और वे सभी उसके नीचे दब गए।

पंजाब: बाढ़ से बिगड़े हालात

देशभर में मानसून काफी सक्रिय है और कई राज्यों में भारी बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाएं सामने आ रही हैं। पंजाब के कई जिलों में बाढ़ से स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। फिरोजपुर के हुसैनीवाला में सात फीट तक पानी भरने से सीमा पर होने वाली रिट्रीट सेरेमनी को अस्थायी रूप से रोकना पड़ा है। फाजिल्का जिले, अमृतसर, तरनतारन और कपूरथला जिले भी प्रभावित हुए हैं।

हरियाणा : उफान पर नदियां

हरियाणा के अंबाला में टांगरी नदी और यमुनानगर में सोम नदी उफान पर हैं। टांगरी के किनारे बसे लगभग 45 कॉलोनियों और गांवों में पानी घुस गया है। एसडीआरएफ की टीम ने 100 से ज्यादा बच्चों और परिवारों को सुरक्षित बाहर निकाला।

राजस्थान : जानलेवा बारिश

राजस्थान में भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। चितौड़गढ़ जिले में बगू की रूपारेल नदी में एक ही परिवार के पांच लोग बह गए, जिनमें से तीन को बचा लिया गया जबकि दो की तलाश जारी है। झुंझुनूं जिले में भी पानी में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। ब्यावर में तालाब में नहाने गईं दो बहनों की भी डूबकर मौत हो गई।

'कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता'

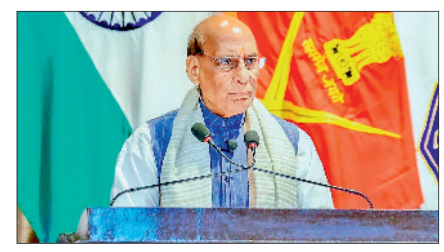

ट्रंप टैरिफ को लेकर तनाव के बीच राजनाथ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि डिफेंस सेक्टर में भारत के लिए आत्मनिर्भर होना बेहद आवश्यक है और इसके लिए देश किसी विदेशी आपूर्ति पर निर्भर नहीं रह सकता।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय आयात पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं है। उन्होंने कहा, 'कोई स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता, केवल हित स्थायी होते हैं। वैश्विक स्तर पर अभी व्यापार के लिए युद्ध जैसी स्थिति है।' उन्होंने कहा कि विकसित देश तेजी से संरक्षणवादी हो रहे हैं, लेकिन भारत अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। सिंह ने कहा कि सरकार हवाई सुरक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र के तहत अगले 10 वर्षों में देशभर के सभी अहम स्थलों को पूरी तरह हवाई सुरक्षा मुहैया कराने की योजना बना रही है।

एक चैनल के डिफेंस समिट में अपने संबोधन में सिंह ने कहा कि एक ऐसी सुरक्षा प्रणाली तैयार की जा रही है, जो दुश्मन के किसी भी हमले से बचाव करने और उसका जवाब देने में सक्षम होगी। उन्होंने कहा, 'जैसा कि हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा आज की लड़ाइयों में हवाई सुरक्षा की अहमियत बहुत बढ़ गई है। ऐसे में सुदर्शन चक्र मिशन एक बड़ा बदलाव लाने वाला साबित होगा।'

एयर डिफेंस प्रोजेक्ट की घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में इस एयर डिफेंस प्रोजेक्ट की घोषणा की थी। यह ऐलान पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की ओर से भविष्य में दोनों देशों के बीच किसी भी सैन्य टकराव की स्थिति में सीमा पर भारतीय संपत्तियों को निशाना बनाने के संकेतों के कुछ दिन बाद हुई थी। राजनाथ सिंह ने कहा कि बदलते वैश्विक हालात ने यह साफ कर दिया है कि अब रक्षा क्षेत्र में बाहरी देशों पर निर्भर रहना कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, 'आज की स्थिति में आत्मनिर्भरता हमारी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा दोनों के लिए आवश्यक है।'

यूक्रेन पर बड़ा हमला, 500 ड्रोन 45 मिसाइलों ने मचायी तबाही

एजेंसी ▶▶| मास्को

रुस ने शुक्रवार रात से लेकर शनिवार सुबह तक यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला किया है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, मिसाइल और ड्रोन हमलों से कई शहरों की इमारतें और जरूरी ढांचे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बताया कि यह हमला 14 अलग-अलग जगहों पर हुआ। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान करीब 540 ड्रोन और 45 मिसाइलें दागी गई। जापोरिज्झिया शहर में पांच मंजिला इमारत पर सीधा हमला हुआ, जिससे बिजली कट गई और 25 हजार लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए। स्थानीय

रूस ने फिर बरपाया कहर

गवर्नर इवान फेदोरोव ने बताया कि धमाकों से इलाके में कई जगह आग लग गई और बच्चे समेत दर्जनों लोग घायल हो गए। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, एक बार फिर आम लोगों के घरों को निशाना बनाया गया है। बच्चे समेत कई लोग घायल हो गए। कई जगहों पर आपात सेवाएं राहत और बचाव कार्य में जुटी है।

इधर यूक्रेन ने रूस के तेल रिफाइनरी को बनाया निशाना

इस बीच यूक्रेन ने रूस के दो तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमले किए। साउथ रूस के क्रास्नोदार और सामारा से सिजरान इलाके में धमाकों और आग की खबर आई। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, क्रास्नोदार रिफाइनरी पर गिरे ड्रोन के मलबे से आग लगी। इसके साथ ही, यूक्रेन की तरफ से सामारा क्षेत्र में सिजरान रिफाइनरी के पास भी हमले की कोशिश हुई, लेकिन वहां बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई। रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने 11 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए।

राहुल-तेजस्वी की यह यात्रा पहुंची आरा

चुनावी 'तीन तिगाड़ा' को तोड़ेगा 'इंडिया' वोटर अधिकार यात्रा में गरजे अखिलेश

एजेंसी ▶▶| आरा

बिहार में एसआईआर के खिलाफ जारी राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में शनिवार को सपा अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव शामिल हुए। यात्रा के 14वें दिन आरा में जनसभा को अखिलेश यादव ने संबोधित करते हुए मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा।

सपा अध्यक्ष ने बीजेपी, सरकार और अधिकारियों को चुनावी 'तीन तिगाड़ा' बताते हुए कहा कि इन्हें इंडिया गठबंधन तोड़ेगा। अखिलेश ने कहा कि अवध से हम लोगों ने बीजेपी को भगाया है, अब मगध से भाजपा को भगाने की जिम्मेदारी आप

लोगों की है। अखिलेश यादव ने इस दौरान एक नारा भी दिया। जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'अबकी बार बिहार से बीजेपी बाहर'। इस दौरान लोगों से उन्होने तेजस्वी यादव को सत्ता में लाने की अपील की। वहीं बिहार में जारी एसआईआर (गहन मतदाता पुनरीक्षण) को सिरफिरा फैसला करार दिया। उन्होने कहा कि ये लोग पहले आपके वोट का अधिकार छीनेंगे, फिर राशन और फिर नौकरी का अधिकार छीनेंगे। चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा कि ये 'जुगाड़ आयोग' बन गया है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि जो हमें डरा रहे थे, वो आज खुद ट्रंप से डरे हुए हैं। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगाया, लेकिन बीजेपी इस मुद्दे पर बात नहीं कर रही।

'डुप्लीकेट नहीं ओरिजिनल सीएम चाहिए : तेजस्वी

बिहार की राजनीति में शनिवार को बड़ा घटनाक्रम देखने को मिला। आरा में वोटर अधिकार यात्रा के समापन कार्यक्रम में तेजस्वी यादव ने खुद को परोक्ष रूप से महागठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित कर दिया। इस दौरान मंच पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी मौजूद रहे। तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को नकलची करार दिया। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी योजनाओं की नकल कर जनता के सामने पेश कर रही है। तेजस्वी बोले, 'तेजस्वी आगे-आगे चल रहा है और सरकार पीछे-पीछे उसकी नकल कर रही है।' अपने भाषण के दौरान तेजस्वी यादव ने जनता से सवाल पूछा, 'आपको ओरिजिनल मुख्यमंत्री चाहिए या डुप्लीकेट?'।

बिहार में एसआईआर पर घमासान के बीच भाजपा-मतुआ संगठन ने लगाए कैंप

पश्चिम बंगाल में बढ़े सीएए के तहत नागरिकता के आवेदन

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल में अचानक नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत सिटिजनशिप मांगने वाले आवेदनों की बाढ़ आ गई है। बीजेपी और मतुआ संगठनों ने एसआईआर से पहले आवेदन के लिए राज्य के कई इलाकों में कैंप लगाए हैं। इस नागरिकता अभियान का चुनाव आयोग के एसआईआर से कनेक्शन भी है।

बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के विरोध में गैर बीजेपी दलों ने संसद से सड़क तक मोर्चा खोल रखा है। इससे जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार सुनवाई हो रही है। वोटरों की तहकीकात के लिए चुनाव आयोग एसआईआर की प्रक्रिया पूरे देश में लागू करने की तैयारी में है। सुप्रीम कोर्ट से फैसला अगर आयोग के पक्ष में आया तो पश्चिम बंगाल में भी एसआईआर प्रक्रिया शुरू होगी। नागरिकता मांगने वाले मतुआ समुदाय के लोग हैं, जो धार्मिक उत्पीड़न के कारण बांग्लादेश से भारत आए थे।

यह बोला मतुआ समुदाय

बिहार में एस एसआईआर लागू होने के बाद काफी लोगों का नाम काटा है और उसके बाद बिहार दौरे पर राहुल गांधी पहुंचे हुए हैं। वहां पर मतुआ समुदाय के कुछ लोगों ने राहुल गांधी से मुलाकात कर बंगाल में आने को कहा है।

बीजेपी ने लगाए कैंप

एसआईआर के आते ही पश्चिम बंगाल में सीएए के तहत नागरिकता के लिए लाखों आवेदन आ रहे हैं। बीजेपी और मतुआ संगठनों ने बारासात, बनगांव और दक्षिण 24 परगना में नागरिकता आवेदन बनवाने के लिए अभियान छेड़ रखा है।

2 करोड़ से ज्यादा आवेदन की उम्मीद

मतुआ महासंघ, सनातनी समाज और कई अन्य संगठनों के कैंपों में भी रोजाना सैकड़ों आवेदन भरे जा रहे हैं। ऑल इंडिया मतुआ महासंघ के जनरल सेक्रेटरी महितोष बैद्य ने कहा कि सिटिजन अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) के तहत सिटिजनशिप के लिए एक करोड़ से ज्यादा आवेदन आ सकते हैं। क्योंकि 2002 की वोटर लिस्ट में बहुत से लोगों के नाम नहीं हैं। सीएए कानून के तहत अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से आए अल्पसंख्यक हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई धर्म के लोगों को भारतीय नागरिकता देने की अनुमति देता है। 2002 के एसआईआर के दौरान पश्चिम बंगाल में वोटरों की कुल संख्या 4.58 करोड़ थी और 80,000 पोलिंग बूथ थे। जब इसकी गहन जांच हुई तो उसके बाद 28 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए।

गरमा गई है राजनीति

बता दें, पिछले दो लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव के दौरान मतुआ समुदाय के वोटर बीजेपी की ओर शिफ्ट हो गए। यह समुदाय 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारत आया था। ये तभी से भारतीय नागरिकता की मांग कर रहे हैं। एसआईआर के बीच चल रहे अभियान से पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमा गई है। टीएमसी का आरोप है कि चुनाव आयोग एसआईआर के जरिए सीएए लागू कर रहा है, जिसे ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में लागू करने से इनकार कर दिया है।

स्पेन जा रही नाव पलटी 69 प्रवासियों की मौत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मॉरिटानिया के तट के पास गाम्बिया से स्पेन की ओर जा रही प्रवासियों से भरी एक नाव संतुलन बिगड़ने से पलट गई। इससे 69 लोगों की डूबकर मौत हो गई है। हालांकि, तटरक्षक बल ने मौके पर 17 लोगों को बचा लिया है। अभी भी कई लोग लापता हैं। जिनके लिए रेसक्यू चलाया जा रहा है। कड़ी की डोंगी जैसी नाव में 160 लोग सवार थे। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक यह नाव लकड़ी की डोंगी जैसी थी, जिसमें करीब 160 लोग सवार थे। यात्रियों में ज़्यादातर गाम्बिया और सेनेगल के नागरिक थे। बचाए गए लोगों ने बताया कि यह नाव छह दिन

पहले गाम्बिया से रवाना हुई थी। इसका गंतव्य स्पेन का कैनरी द्वीपसमूह था। तटरक्षक बल और राहत एजेंसियाँ समुद्र में गिरे यात्रियों की तलाश में जुटी हुई हैं। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। कई लापता हैं। अटलांटिक महासागर के रास्ते यूरोप पहुंचने का यह खतरनाक सफ़र प्रवासियों के बीच लगातार बढ़ रहा है।

चार्ट देखकर भी बताया जा सकता है बाजार का हाल

■ स्टॉक मार्केट में कैंडल का विज्ञान भी दे सकता है बड़ा ज्ञान ■ कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम सबसे हिस्सा ■ खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई का होता है खुलासा ■ कीमतों पर कैसे असर डालती है, चार्ट से ही भविष्यवाणी संभव

बिजनेस डेस्क

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट तकनीकी विश्लेषण का अहम हिस्सा होता है। यह बताता है कि खरीदार और विक्रेता की मनोवैज्ञानिक लड़ाई कीमतों पर कैसे असर डालती है। इससे बाजार की भविष्यवाणी की जा सकती है और निवेशकों को भी प्लानिंग बनाने में मदद मिलती है। स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट एक खास तरीका है, जिससे निवेशक और ट्रेडर यह समझने की कोशिश करते हैं कि शेयर की कीमत आगे किस दिशा में जाएगी। यह चार्ट हमें एक समय में शेयर के खुलने (ओपन), बंद होने (क्लोज), सबसे ऊपर (हाई) और सबसे नीचे (लो) जाने वाली कीमत दिखाता है। हर एक कैंडल बताता है कि उस समय कितनी तेजी या कमजोरी थी. लेकिन क्या सिर्फ ये कैंडल देखकर पता चल जाता है कि शेयर के साथ आगे क्या होगा? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैंडलस्टिक चार्ट से क्या प्रभाव पड़ता है और इससे खरीदार और विक्रेता पर क्या असर होता है।

क्या है कैंडलस्टिक चार्ट

स्टॉक मार्केट में कैंडलस्टिक चार्ट उस समयावधि में किसी शेयर या एसेट के ओपनिंग, क्लोजिंग, हाई और लो प्राइस को दिखाता है। हर 'कैंडल' एक समय की कहानी कहती है। हरे या सफेद कैंडल का मतलब है कि कीमत बढ़ी, जबकि लाल या काले कैंडल का मतलब कीमत गिरी। कैंडल का मोटा हिस्सा बॉडी कहलाता है, जो ओपनिंग और क्लोजिंग प्राइस का फर्क बताता है, जबकि पतली लाइनें (विक्स/शैडो) दिन के हाई और लो प्राइस को दिखाती हैं।

कैंडल का इतिहास और विज्ञान

कैंडलस्टिक चार्ट की शुरुआत 18वीं सदी में जापान में हुई थी। वहां चावल व्यापारी इसे इस्तेमाल कर मार्केट का मूड समझते थे। दरअसल, कैंडल का विज्ञान मांग और आपूर्ति की मनोविज्ञान पर आधारित है। खरीदार (बुल्स) और विक्रेता (बेयर्स) की खींचतान चार्ट पर पैटर्न के रूप में दिखती है। यही पैटर्न बार-बार दोहराने पर एक तरह का संकेत बनाते हैं, जो आने वाले रुझान (ट्रेंड) का अंदाजा देने में मदद करता है।

आम कैंडलस्टिक पैटर्न्स

कैंडल पैटर्न कई तरह के होते हैं, लेकिन कुछ खास पैटर्न सबसे ज्यादा उपयोगी माने जाते हैं। इनमें हैमर - डाउनट्रेंड के बाद बनता है और बताता है कि अब मार्केट ऊपर जा सकता है। वहीं, हैंगिंग मैन अपट्रेंड के टॉप पर बनता है और बेचने का संकेत देता है। इसके अलावा शूटिंग स्टार ऊपर जाते हुए मार्केट में बनता है और गिरावट का अलर्ट देता है। बेयरिश एंगल्फिंग छोटी हरी कैंडल को बड़ी लाल कैंडल ढक लेती है, इसका मतलब है कि बिकवाली हावी है। वहीं, राइजिंग/फॉलिंग थ्री यह पैटर्न बताता है कि चल रहा ट्रेंड और कुछ समय जारी रहेगा।

कैंडल सच में भविष्य बता सकती है?

कई रिसर्च और ट्रेडिंग स्टडीज में पाया गया है कि कैंडलस्टिक पैटर्न्स की सटीकता 100% सही तो नहीं, लेकिन कुछ हद तक सही हो सकती है। यानी यह निश्चित भविष्यवाणी नहीं करते, लेकिन प्रॉबेबिलिटी (संभावना) दिखाते हैं। हालांकि, यह तब ज्यादा असरदार होते हैं जब मार्केट ट्रेंडिंग या वोलैटाइल हो।

मार्केट कॉन्टेक्स्ट की अहमियत

कैंडल अकेले ही भविष्यवाणी का पूरा आधार नहीं हो सकता। अगर मार्केट साइडवेज़ या बहुत शांत है, तो पैटर्न्स गलत सिग्नल भी दे सकते हैं। इसलिए प्रोफेशनल ट्रेडर्स कैंडल्स को वॉल्यूम, मूविंग एवरेज, सपोर्ट-रेसिस्टेंस लेवल और अन्य टेक्निकल इंडिकेटर्स के साथ मिलाकर देखते हैं। इससे गलतियों का खतरा कम होता है।

सीमाएं और सावधानियां

कैंडलस्टिक एनालिसिस के बावजूद कुछ सीमाएं हमेशा रहेंगी। जैसे- यह सिर्फ संभावनाएं बताता है, गारंटी नहीं देता। मैक्रो फैक्टर्स, कंपनी न्यूज और ग्लोबल घटनाएं कभी भी पैटर्न्स को तोड़ सकती हैं। यह ज्यादा शॉर्ट-टर्म फोकस्ड है, लॉन्ग-टर्म निवेशक के लिए उतना उपयोगी नहीं। मशीन लर्निंग मॉडल ओवरफिटिंग का शिकार हो सकते हैं, यानी गलत सिग्नल भी दे सकते हैं।

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स भी बना सकते हैं आर्थिक रूप से चैंपियन

एसबीआई, निप्पोन, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी की स्कीम्स में कड़ा मुकाबला

20 साल के रिटर्न में एसबीआई एमएफ नंबर वन निप्पॉन, एचडीएफसी व टाटा के फंड भी टॉप 5 में

बिजनेस डेस्क

लार्ज एंड मिड कैप फंड्स कैटेगरी में 25 साल से भी पुरानी स्कीम्स के बीच ऊंचा रिटर्न देने के मामले में कड़ा मुकाबला रहा है। कैटेगरी की सबसे पुरानी स्कीम्स की इस होड़ में एसबीआई, निप्पॉन इंडिया, टाटा, आईसीआईसीआई प्रू और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीमें शामिल हैं, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देती रही हैं। 20 साल के रिटर्न में एसबीआई म्यूचुअल फंड की स्कीम सबसे आगे है, तो 30 साल के रिटर्न में निप्पॉन इंडिया की स्कीम ने कमाल दिखाया है। दरअसल, इस कैटेगरी की सबसे पुरानी टॉप 5 स्कीम्स को लॉन्च हुए 27 साल से लेकर 32 साल तक हो चुके हैं। इनमें सबसे पुरानी स्कीम टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड है, जिसे लॉन्च हुए 32 साल से भी ज्यादा हो चुके हैं। इस फंड ने इस दौरान 1 लाख रुपये के निवेश को 1.3 करोड़ रुपये में तब्दील करके दिखाया है। वहीं, निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड ने करीब 30 साल में निवेशकों के 1 लाख रुपये को 1.45 करोड़ रुपये में बदलकर लॉन्च से अब तक सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इनके अलावा एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और टाटा म्यूचुअल फंड की स्कीम्स भी बेस्ट 5 में शामिल हैं।

5 सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स का ट्रैक रिकॉर्ड : सबसे पुराने लार्ज एंड मिड कैप फंड्स के लॉन्च से अब तक के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ ही हमने टॉप 5 स्कीम के पिछले 20 साल के रिटर्न के आंकड़े भी दिए हैं और इन्हें इसी हिसाब से अरेंज भी किया है, ताकि इनकी आपस में तुलना करना आसान हो जाए। 20 साल के इन आंकड़ों में एसबीआई म्यूचुअल फंड का लार्ज एंड मिड कैप फंड सबसे आगे है, जिसने इतने समय में निवेशकों की दौलत को 20 गुना कर दिया है।

एसबीआई लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 28 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.58%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 14.98%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 92,73,050 (92.73 लाख)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 16.35%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 20,66,939.44 (20.67 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 33,361.81 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज एंड मिड कैप फंड-रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 27 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 9 जुलाई 1998, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.65%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.46%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 98,25,500 रुपये
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 15.63%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 18,25,620.54 (18.26 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,137.39 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

टाटा लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : 32 साल से ज्यादा
- लॉन्च की तारीख : 25 फरवरी 1993, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.74%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 16.42%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,29,68,299.69 (1.3 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.25%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,35,899.93 (14.36 लाख) रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 8773 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

निप्पॉन इंडिया विजन लार्ज एंड मिड कैप फंड - रेगुलर प्लान

- फंड की उम्र : करीब 30 साल
- लॉन्च की तारीख : 8 अक्टूबर 1995, एक्सपेंस रेशियो (रेगुलर प्लान) : 1.92%
- लॉन्च से 31 जुलाई 2025 तक सालाना रिटर्न (सीएजीआर): 18.16%
- लॉन्च के वक्त 1 लाख रुपये के निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू : 1,45,20,120 (1.45 करोड़)
- पिछले 20 साल का एवरेज सालाना रिटर्न (सीएजीआर) : 14.13%
- 1 लाख रुपये के निवेश की 20 साल में फंड वैल्यू : 14,06,035.69 (14.06 लाख)
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,173.85 करोड़ रुपये (31 जुलाई 2025 को)

लार्ज एंड मिड कैप फंड क्यों खास

लार्जकैप एंड मिडकैप म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में लार्ज कैप कंपनियों के साथ ही साथ मिडकैप कंपनियों के स्टॉक्स भी शामिल होते हैं। सेबी के नियमों के तहत इनमें कम से कम 35% स्टॉक्स लार्ज कैप कंपनियों के और इतने ही शेयर मिड कैप कंपनियों के होने चाहिए। लार्जकैप स्टॉक्स में बाजार के उतार चढ़ाव के दौरान ज्यादा स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता होती है। इन्हें मिड कैप और स्मॉल कैप के मुकाबले कम रिस्की माना जाता है। वहीं, मिडकैप स्टॉक्स बाजार की रैली में हाई रिटर्न दे सकते हैं। लार्ज एंड मिडकैप फंड के पोर्टफोलियों में शामिल स्टॉक्स मार्केट कैप के लिहाज से बाजार की टॉप 250 कंपनियों में से चुने जाते हैं। इनमें टॉप 100 कंपनियां लार्जकैप में आती हैं, जबकि अगली 150 कंपनियां मिडकैप में आती हैं। अपनी खास निवेश रणनीति के कारण लार्जकैप एंड मिडकैप फंड, एक ही स्कीम में दोनों तरह के स्टॉक्स में निवेश का फायदा देने की क्षमता रखते हैं।

कौन कर सकता है इनमें निवेश

जो निवेशक इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाकर हाई रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए लार्ज एंड मिड कैप कैटेगरी की ये पुरानी और आजमाई हुई स्कीम्स अच्छा ऑप्शन हो सकती हैं, लेकिन निवेश के बारे में फैसला करने से पहले इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है और पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती। इसलिए अपनी रिस्क उठाने की क्षमता को समझने के बाद ही फैसला करना चाहिए।

पैसा कमाने के लिए खास हैं 444 दिन, एसबीआई समेत कई बैंक दे रहे एफडी पर जबरदस्त ब्याज

अगर आप एफडी में निवेश पर अच्छा रिटर्न तलाश कर रहे हैं तो बैंकों की 444 दिन की स्पेशल स्कीम बेहतर ऑप्शन हो सकती हैं। कई बैंक यह स्कीम दे रहे हैं।

अगर आप भी सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं तो बैंक एफडी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है। इसमें ब्याज भले की कम मिले, लेकिन आपकी पैसा सुरक्षित रहता है। रेपो रेट में कमी होने के बाद भी कई बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर जबरदस्त रिटर्न दे रहे हैं। वहीं बैंक कुछ खास समय के लिए भी एफडी स्कीम लेकर आए हैं। इनमें 444 दिन की स्पेशल एफडी भी शामिल है। एसबीआई, केनरा और इंडियन बैंक समेत कई बैंक 444 दिन की स्पेशल एफडी पर आम नागरिकों, सीनियर सिटीजन और सुपर सीनियर सिटीजन को अच्छा ब्याज दे रहे हैं।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

एसबीआई की 444 दिन की स्पेशल एफडी का नाम 'अमृत वृष्टि' है। यह बैंक आम लोगों को 6.60% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। अगर आप एसबीआई की अमृत वृष्टि एफडी में 1 लाख रुपये लगाते हैं, तो आपको करीब 1,08,288 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,288 रुपये मिलेंगे।

इंडियन बैंक

इंडियन बैंक अपनी 444 दिन की स्पेशल एफडी स्कीम (इंड सिक्योर प्रोडक्ट) पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.20% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.45% ब्याज मिलेगा। इंड सिक्योर प्रोडक्ट एफडी में 1 लाख रुपये लगाने पर आपको लगभग 1,08,418.26 रुपये मिलेंगे। इसमें ब्याज के रूप में 8,418.26 रुपये मिलेंगे।

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा की बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम (444 दिन) में 6.60% ब्याज मिल रहा है। सीनियर सिटीजन को 7.10% और सुपर सीनियर सिटीजन को 7.20% ब्याज मिलेगा। आप बीओबी स्क्वायर ड्राइव डिपॉजिट स्कीम में 1 लाख लगाते हैं, तो लगभग 1,08,288.61 मिलेंगे। ब्याज के 8,288.61 मिलेंगे।

आईडीबीआई बैंक

आईडीबीआई बैंक 444 दिन की उत्सव एफडी स्पेशल डिपॉजिट स्कीम पर आम नागरिकों को 6.70% ब्याज व सीनियर सिटीजन को 7.20% व सुपर सीनियर सिटीजन को 7.35% ब्याज दे रहा है। यह दरें 30 सितंबर, 2025 तक ही लागू हैं। उत्सव एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,418.26 मिलेंगे। ब्याज 8,418.26 होगा।

केनरा बैंक

केनरा बैंक 444 दिन की एफडी पर आम नागरिकों को 6.50% ब्याज दे रहा है। सीनियर सिटीजन को 7% ब्याज मिलेगा। एफडी में 1 लाख लगाने पर 1,08,159.08 रुपये मिलेंगे।

एनपीएस के 7 इक्विटी प्लान्स 5 साल या उससे ज्यादा पुराने

सभी स्कीम्स ने एसआईपी पर निवेशकों को मोटा मुनाफा कराया

एनपीएस के कुछ खास इक्विटी प्लान ने 5 साल में 20% तक दिया एनुअल रिटर्न, पांच साल में लंपसम और एसआईपी दोनों पर ही अच्छा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) की टियर 1 स्कीम में निवेश करने वालों के पैसे जिन इक्विटी प्लान्स में लगाए जाते हैं, उनमें से 7 को शुरू हुए 5 साल या उससे ज्यादा समय हो चुका है। इन सभी इक्विटी प्लान्स ने पिछले 5 साल में अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 19 फीसदी से 20 फीसदी तक रहा है। इस हिसाब से 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की मौजूदा फंड वैल्यू करीब 2.5 लाख रुपये तक होगी। 5 साल पूरे करने वाले बाकी 2 इक्विटी फंड्स का प्रदर्शन भी आकर्षक है। एनपीएस सरकार द्वारा प्रमोट की गई एक बाजार आधारित पेंशन स्कीम है, जिसका मकसद निवेशकों को रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम और आर्थिक सुरक्षा मुहैया कराना है। 5 साल पूरा करने वाले एनपीएस के सभी इक्विटी प्लान्स ने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी मिनिमम 13.52% से लेकर मैक्सिमम 16.53% तक एन्युलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। जिन्हें काफी आकर्षक कहा जा सकता है। इनमें हर महीने 5000 रुपये एसआईपी करने वाले निवेशकों की मौजूदा फंड वैल्यू 4.20 लाख रुपये से लेकर 4.5 लाख रुपये तक रही है. जबकि 5 साल में उनका कुल एसआईपी इनवेस्टमेंट 3 लाख रुपये रहा होगा।

टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न 19 से 20% तक रहा

यूटीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 20.07%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.37 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 450,425 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 4677 करोड़

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.90%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.93 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 445,620 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 21,864 करोड़ रुपये

कोटक पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.89%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 16.53 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 452,340 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 3220 करोड़ रुपये

एलआईसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 19.40%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.06%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 436,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 6,830 करोड़ रुपये

एचडीएफसी पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 18.97%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 15.16 %
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 437,310 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 60,643 करोड़ रुपये

आदित्य बिरला सन लाइफ पेंशन स्कीम

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.75%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.31%
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 428,355 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 1790 करोड़

एसबीआई पेंशन फंड

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 5 साल का एनुअल रिटर्न (सीएजीआर) : 17.58%
- मंथली एसआईपी पर पर 5 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.52%
- 5,000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 420,080 रुपये
- एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) : 23,352 करोड़

एनपीएस के बारे में जरूरी जानकारी

एनपीएस एक मार्केट-लिंक्ड स्कीम है। इसमें पेंशन की रकम निवेशक द्वारा किए गए इनवेस्टमेंट और उस पर मिलने वाले बाजार आधारित रिटर्न पर निर्भर करती है। एनपीएस के टियर 1 में एक साल के दौरान 2 लाख रुपये तक के निवेश पर इनकम टैक्स में छूट भी मिलती है। निवेशकों को रिटायरमेंट के समय अपने कॉर्पस में जमा 60% रकम को एकमुश्त निकालने का ऑप्शन मिलता है। यह रकम टैक्स-फ्री होती है। बाकी 40% फंड को एन्युइटी खरीदने में निवेश करना होता है, जिससे पेंशन मिलती है। एनपीएस में लगाए गए पैसों को फंड को इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश किया जाता है। किस एसेट क्लास में कितना निवेश करना है, इसका फैसला निवेशकों की उम्र पर आधारित फॉर्मूले के हिसाब से किया जाता है।

मार्केट आधारित स्कीम में रिटर्न की गारंटी नहीं

एनपीएस में निवेश किए गए पैसों पर बाजार की चाल के हिसाब से लंबी अवधि में अच्छा रिटर्न मिल सकता है, लेकिन मार्केट परफॉर्मेंस अच्छा न रहने पर कमजोर रिटर्न या गिरावट होने पर नुकसान की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। खास तौर पर स्कीम के इक्विटी प्लान के रिटर्न तो पूरी तरह शेयर बाजार से जुड़े होते हैं। इसलिए इनका पिछला रिटर्न आगे भी जारी रहेगा, इसकी गारंटी नहीं होती। हालांकि एनपीएस में इक्विटी और डेट में संतुलित ढंग से निवेश करके रिस्क और रिटर्न के बीच बैलेंस बनाने की कोशिश रहती है। इसलिए लॉन्ग टर्म निवेश को आमतौर पर भरोसेमंद माना जाता है। फिर भी इसमें निवेश से जुड़ा फैसला करने से पहले ये समझना जरूरी है कि एनपीएस कोई गारंटीड इनकम प्लान नहीं है।

डाक विभाग अब बेचेगा म्यूचुअल फंड

लोग पोस्ट ऑफिस के जरिए कर सकेंगे निवेश, ग्रामीण क्षेत्रों को होगा बड़ा फायदा

तैयारी

बिजनेस डेस्क

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी पहल की जा रही है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका लक्ष्य है कि लगभग एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड वितरक के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। इससे निवेशकों की संख्या को दोगुना करने में मदद मिलेगी। वहीं, दूसरी ओर डाक विभाग और एएमएफआई ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड भी बेचे जाएंगे। इससे ज़्यादा से ज्यादा लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंच सकेंगी। इसके लिए डाक विभाग और एएमएफआई के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता 22 अगस्त 2025 से शुरू होकर 21 अगस्त 2028 तक तीन साल के लिए है। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। इस समझौते के बाद, इंडिया पोस्ट म्यूचुअल फंड में निवेश करने में लोगों की मदद करेगा। खासकर, इसका फायदा गांवों और छोटे शहरों में रहने वाले लोगों को मिलेगा।

म्यूचुअल फंड में निवेश का फायदा अब गांव में भी मिलेगा

इसके लिए एक लाख पोस्टमैन को ट्रेनिंग दी जाएगी

क्या है समझौते का मकसद?

संचार मंत्रालय के अनुसार, इस पहल का मकसद म्यूचुअल फंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। पोस्ट ऑफिस पर लोगों का भरोसा है और इसकी पहुंच भी देश के कोने-कोने तक है। इस समझौते के तहत, डाक विभाग के कर्मचारी म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के तौर पर काम करेंगे। इससे छोटे शहरों और गांवों में म्यूचुअल फंड की जानकारी ज्यादा लोगों तक पहुंचेगी। इन इलाकों में अभी तक लोगों को वित्तीय उत्पादों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

पहले 4 राज्यों में दी जाएगी ट्रेनिंग

एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी वेंकट एन चलासानी ने बताया कि उन्होंने चार राज्यों को चुना है। ये राज्य हैं बिहार, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और मेघालय। इन राज्यों में कॉलेज के छात्रों को ट्रेनिंग दी जाएगी। एएमएफआई का लक्ष्य है कि पहले साल में इन चार राज्यों में लगभग 20,000 नए म्यूचुअल फंड वितरक तैयार किए जाएं।

एसआईपी के माध्यम से बढ़ी संख्या

हर साल लगभग 30,000 नए वितरक म्यूचुअल फंड उद्योग में शामिल होते हैं। लेकिन, शुद्ध रूप से लगभग 10,000 ही टिक पाते हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के आने से नए म्यूचुअल फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि हुई है। खासकर SIP (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के माध्यम से निवेश करने वालों की संख्या बढ़ी है। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ाने के लिए नए वितरक बहुत महत्वपूर्ण हैं।

गांव-गांव पहुंचेगी सुविधा

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड बेचने से गांवों और छोटे शहरों के लोगों को निवेश करने का एक नया मौका मिलेगा। उन्हें अब म्यूचुअल फंड खरीदने के लिए शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। पोस्ट ऑफिस में जाकर वे आसानी से निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड के लाभ

- **ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच:** पोस्ट ऑफिस की व्यापक पहुंच के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अब आसानी से म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकेंगे।
- **वित्तीय साक्षरता:** पोस्ट ऑफिस के कर्मचारी म्यूचुअल फंड के बारे में जानकारी प्रदान करेंगे और निवेश प्रक्रिया में मदद करेंगे, जिससे वित्तीय साक्षरता बढ़ेगी।
- **निवेश के अवसर:** पोस्ट ऑफिस के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के नए अवसर मिलेंगे।

तीन साल का समझौता

- डाक विभाग और एएमएफआई के बीच तीन साल का समझौता हुआ है, जिसके तहत एक लाख पोस्टमैन को म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को म्यूचुअल फंड के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएगा और वे निवेशकों को समर्थन प्रदान करेंगे। इस पहल से गांवों और छोटे शहरों में म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ने की संभावना है, जिससे लोगों को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

एसीबी की इस कार्रवाई से रिश्वतखोरों में मचा हड़कंप

एसीबी ने आबकारी एसआई को रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

एसीबी की टीम ने शनिवार को आबकारी विभाग के उप निरीक्षक संतोष कुमार नारंग को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी की इस कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार धरमजयगढ़ निवासी सुनीत टोप्पो ने 20 अगस्त को एसीबी इकाई बिलासपुर में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार 19 अगस्त को उप निरीक्षक नारंग ग्राम पंडरी महुआ पहुंचे और शिकायतकर्ता के घर पर अवैध शराब बनाने का आरोप लगाया। इस दौरान नारंग ने उसकी मां से भी कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवा लिए। शिकायतकर्ता का आरोप था कि नारंग ने कड़ी कार्रवाई से बचाने के नाम पर उससे 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी। इस पर सुनीत टोप्पो ने भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़े होने का निश्चय किया और सीधे एसीबी से संपर्क किया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसीबी ने तुरंत सत्यापन की प्रक्रिया शुरू की।

50 हजार रुपए की रिश्वत ली

- एसीबी की कार्रवाई से रिश्वतखोरों में हड़कंप

प्राथमिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर एसीबी टीम ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ने की योजना बनाई। निर्धारित योजना के तहत 30 अगस्त शनिवार को शिकायतकर्ता सुनीत टोप्पो को तय राशि लेकर खरसिया स्थित आबकारी कार्यालय भेजा गया। यहां जैसे ही आरोपी उप निरीक्षक संतोष नारंग ने 50 हजार रुपए की रिश्वत ली पहले से मौजूद एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों धर दबोचा। कार्रवाई के दौरान एसीबी ने मौके से पूरी राशि 50 हजार रुपए जब्त कर ली है। इसके साथ ही आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक दस्तावेजी कार्रवाई की गई। बाद में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7 के तहत अपराध दर्ज किया गया। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ्तारी भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे अभियान का हिस्सा है और भविष्य में भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसीबी सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार और जांच एजेंसियां मिलकर आम नागरिकों को न्याय दिलाने और रिश्वतखोरी जैसी कुप्रथाओं पर लगाम लगाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लोगों में बढ़ा विश्वास

इस कार्रवाई ने आम जनता में एक सकारात्मक संदेश भेजा है। ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि अक्सर छोटे-छोटे आरोप लगाकर सरकारी अधिकारी लोगों से पैसा वसूलते हैं। ऐसे में एसीबी की तत्परता और सख्त कार्रवाई से पीड़ित लोगों में विश्वास बढ़ा है।

अन्य अधिकारियों को भी मिलेगा सबक

यह कार्रवाई रायगढ़ जिले में चर्चाओं का विषय बन गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आबकारी विभाग में लंबे समय से भ्रष्टाचार की शिकायत मिलती रही हैं। लोग अब उम्मीद जता रहे हैं कि एसीबी की इस कार्रवाई से अन्य अधिकारियों को भी सबक मिलेगा और विभागीय कामकाज पारदर्शी होगा।

ड्रग में भी हनी ट्रैप, इंटीरियर डिजाइनर मुंबई से गिरफ्तार

रायपुर। ड्रग के अवैध धंधे में भी हनी ट्रैप की एंट्री हो गई है। पिछले सप्ताह 28 ग्राम के करीब सिंथेटिक ड्रग एमडीएमए के साथ गिरफ्तार हर्ष आहूजा, मोनू विश्नोई, दीप धनोरिया की निशानदेही पर पुलिस ने पेशे से इंटीरियर डिजाइनर नव्या मलिक तथा एक अन्य को मुंबई से गिरफ्तार किया है। ड्रग खपाने में नव्या मास्टर माइंड थी। हर्ष तथा अन्य के पकड़े जाने के बाद नव्या दिल्ली से मुंबई फरार हो गई थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य की मदद से नव्या तथा उसके साथी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक नव्या मुंबई, दिल्ली जैसे महानगरों से ड्रग्स लाकर राजधानी में युवा कारोबारी, रसूखदारों को अपने हुस्न के जाल में फंसाकर ड्रग लेने मजबूर करती थी। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक नव्या राजधानी के चर्चित लोगों के संपर्क में थी। नव्या के मोबाइल की जांच के बाद पता चलेगा कि वह किन लोगों के संपर्क में थी। साथ ही नव्या से संपर्क रखने वाले कितने लोग ड्रग कारोबार में जुड़े हैं और सेवन करने वाले लोग हैं। नव्या रायपुर और आसपास के इलाकों में होने वाले बड़े इवेंट्स, क्लब्स की हाईप्रोफाइल पार्टीज, आफ्टर पार्टीज और प्राइवेट पार्टीज को निशाने पर रखती थी।

कई बार विदेश यात्रा पर जा चुकी

नव्या के पुलिस को कई देशों की यात्रा करने के साक्ष्य मिले हैं। नव्या को कोर्ट में पेश कर पुलिस ने पूछताछ करने पुलिस रिमांड पर लिया है।

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें
असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
94060-21769

BAP
गठियावात, लकवा एवं सभी प्रकार के दर्द में अत्यंत गुणकारी
Since-2000
मारुति® मसाज ओइल
झटपट दिलाये आराम
गठियावात एवं हर प्रकार के दर्द निवारक मसाज तेल
गुणधर्म : हाथ, पैर, कमर, पीठ में दर्द, मांसपेशियों में दर्द, संधिवात, गठीयावात, साइटिका, लकवा और सभी प्रकार के वेदना।
सभी आयुवेर्दिक एवं ऐलोपैथिक दुकानों में उपलब्ध।
Customer Care No. - 9425296176

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids सुनाई मशीन
• Dental/ दंत रोग
• मुख के कैंसर प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

हरिभूमि
छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर
THE DIAGNOSTIC CARE
दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
ट्यूबरक्युलोसिस
मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम
• क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून
• एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007
मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773
लैब प्लस पैथोलाजी
क्वालिटि के साथ जांच की गारंटी
पैथोलाजी जाँच के लिए पैकेज में जांच कराये व अपने पैसे बहुतायत से बचाये।
सभी प्रकार के बीमारियों के लिए पैकेज उपलब्ध
पैकेज की जानकारी के लिए सम्पर्क करे- 9039055548, 9300000989,9300000702
विज्ञापन हेतु संपर्क करें - 9303508130, 9302016344, 7909631282

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- 6वर्ष, 8वर्ष के बच्चों को घर आकर पढ़ाने हेतु फुल टाइम के लिए एक फ्रेशर युवती चाहिए अधिकतम आयु 22वर्ष, शिक्षा 12वीं पास, वेतन 6000 से 10000 सम्पर्क करें- 7587258374 (38575)

आवश्यकता है- फील्ड ऑफिसर, काउंसलर, टेलीकॉलर एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है वेतन 8000 से 20000 सम्पर्क करें- शीला शिखर कॉम्प्लेक्स, अशोक नगर चौक के पास सीपत रोड, सरकंडा बिलासपुर 9244110169, 6267598299 (38577)

आवश्यकता है- खमरिया काठाकोनी में बगीचे की देखरेख करने के लिए अनुभवी माली की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8754507712, 7987309303 (38569)

आवश्यकता है- घर में 24घंटे रहकर चौकीदार की आवश्यकता है जो घर की देखभाल एवं अन्य कार्य कर सके। रहने की सुविधा उपलब्ध। सम्पर्क- बलराम टॉकीज के पीछे नेहरू नगर बिलासपुर 9826765706 (38572)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी कर्मचारी की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क करें, गोयल मेडिकल स्टोर, CIMS गेट के सामने बिलासपुर 9303112340, 9300674797 (38573)

आवश्यकता है- पेट्रोल पम्प में कम्प्यूटर, एकाउन्ट के जानकार एवं एक ड्राइवर, रसोइया, सफाई कर्मी माली की आवश्यकता है (परिवार वाले स्त्री, पुरुष) रहने की सुविधा भी देंगे। सम्पर्क करें- बिलासपुर 9406275832 (38570)

आवश्यकता है- आफिस कार्य एवं आयुर्वेद प्रोडक्ट्स मार्केटिंग हेतु कम्प्यूटर अनुभवी व्यक्ति चाहिए वेतन योग्यतानुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- शिवा इन्टरप्राइजेज SN-2, अरपा काम्प्लेक्स पुराना बस स्टैण्ड के पास बिलासपुर 98930 81826, 7067124226 (38547)

आवश्यकता है- सर्वमंगला टेन्ट हाउस में काम करने हेतु लड़कों एवं इलेक्ट्रीशियन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- कुम्हारपारा रोड राजीव गांधी चौक बिलासपुर, 62602 73334, 9826601147 (38574)

आवश्यकता है
प्रदेश की अग्रणी NGO समर्पित संस्था को छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति के सहयोग से संचालित लक्षित हस्तक्षेप परियोजना व लिंक वर्कर योजना के बिलासपुर जिले में क्रियान्वयन के लिये निम्न स्टॉफ की आवश्यकता है।
आउटरीच वर्कर 2पद वेतन 10500 एवं यात्रा भत्ता
कलस्टर लिंक वर्कर 3पद वेतन 6050 एवं यात्रा भत्ता
इच्छुक उम्मीदवार लिखित परीक्षा व साक्षात्कार हेतु 01 सितंबर 2025 दिन सोमवार समय 11बजे निम्न कार्यालय पर उपस्थित होवें
सम्पर्क करें
समर्पित लक्षित हस्तक्षेप परियोजना
गार्डन के पीछे L-9 शेष कॉलोनी विनोबा नगर, बिलासपुर (छ.ग.)
8319091819

आवश्यकता है- इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में कार्य करने सुपरवाइजर हेतु लड़कों की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन। सम्पर्क करें- श्री शारदा इन्टरप्राइजेज सिटी कोतवाली चौक के पास मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 8370019963 (38560)

आवश्यकता है- हाईकोर्ट अधिवक्ता आफिस में पुरुष, महिला अधिवक्ता की आवश्यकता है। उम्र- 20 से 32 वर्ष, योग्यता- एलएलबी, मासिक सैलरी 7000 (अच्छा काम करने पर सैलरी बढ़ा दी जाएगी) सम्पर्क करें- 7024597788 (38543)

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट में ऑल राउंडर कुक, टिफिन सर्विस हेतु महिला, हेल्पर, मार्केटिंग, डिलीवरी, सफाई कर्मचारियों की आवश्यकता है सैलरी योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ईडेन कैफे एण्ड रेस्टोरेन्ट, इन्दु चौक, बिलासपुर 91717 21747 (38544)

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में साड़ी काउंटर संभालने हेतु पुराने अनुभवी सेल्समैन/ युवक की आवश्यकता है वेतन 12000 से प्रारम्भ सम्पर्क करें- सिटी हार्ट रेडीमेड शोरूम, मदीना मस्जिद गली गोल बाजार बिलासपुर (38550)

आवश्यकता है- फर्निशिंग शोरूम अर्बन लिविंग 27 खोली मुंगेली नाका चौक बिलासपुर में काउंटर सेल्स के लिए कार्य करने हेतु 20 लड़को की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8109090000, 83193 97645 (38565)

आवश्यकता है- सहायक प्राध्यापक की कम्प्यूटर संकाय में आवश्यकता है। सम्पर्क करें- कार्यालय प्राचार्य एसबीटी महाविद्यालय कुदुदण्ड जिला बिलासपुर (छ.ग.) (38549)

आवश्यकता है- अम्माजी ट्रेडर्स में कलेक्शन कार्य के लिए लड़के की आवश्यकता है बाइक अनिवार्य सम्पर्क करें- 9699991449 (38566)

आवश्यकता है- घरेलू कार चलाने हेतु अनुभवी और भरोसेमंद ड्राइवर की आवश्यकता है। सरकंडा क्षेत्र के निवासी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8319667673, 70499 22508 (38556)

आवश्यकता है- प्लम्बर, इलेक्ट्रीशियन, कारपेन्टर, मिस्त्री मल्टी टैलेंटेड कर्मचारी वेतन 15000 महीना एवं घर के कार्य हेतु महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- ओम नगर जरहाभाठा बिलासपुर 8602366077, 7974417600 (38557)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मुरारका एजेन्सी काली मन्दिर के सामने तेलीपारा बिलासपुर (38552)

आवश्यकता है-पेन्सिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है सम्पर्क करें- 8873762120 (589)

भर्ती सूचना
SOLAR PROJECTS
हमारी कंपनी को रायगढ़ (छत्तीसगढ़) निम्न पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों की आवश्यकता है:
- Solar / Electrical Engineer (B.Tech / B.E – Electrical) अनुभव: 2 से 5 वर्ष
- Electrical Engineer (Diploma – Electrical) अनुभव: 1 से 2 वर्ष
- Electrical Technician (ITI या समकक्ष) अनुभव: फ्रेशर या 1 से 2 वर्ष

इच्छुक उम्मीदवार अपना Resume तुरंत भेजें।
Jetsor Power Systems Pvt. Ltd.
Email : lakshay@jetsor.in
Mobile : 9811800067

आवश्यकता है- इंट्रा/ लीलैंड लोडिंग गाड़ी चलाने हेतु एक अनुभवी ड्राइवर एवं हमाली कार्य हेतु हमाल की आवश्यकता है स्थान बिलासपुर। रविवार छुट्टी वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 8827821421, 62689 70045 (38548)

आवश्यकता है- स्टोर्स में एकाउन्ट एवं सेल्स कार्य करने के लिए लड़की की आवश्यकता है वेतन 5000 से 10000 सम्पर्क करें- बंसत विहार चौक राजकिशोर नगर बिलासपुर 8962881411, 9826163818 (38546)

आवश्यकता है- संजय बैग हाउस में काम करने हेतु लड़के लड़कियों एवं घर में साफ, सफाई, झाड़ु, पोछा करने के हेतु महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9827114449 (38553)

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्तिः चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ु लगाना, बर्तन, कपड़े धोने का काम है वेतन रू 10,000/- खाने रहने की सुविधा नशेड़ी संपर्क न करें- 7225888800 (6992)

आवश्यकता है- ऑनलाइन कॉस्मेटिक सामान के पार्सल पैकिंग कार्य हेतु 5 लड़के, 5 लड़कियों की आवश्यकता है आकर्षक वेतन कार्य समय 10.00 से 8.00, संपर्कः- पाहवा इंटरप्राइजेज गोल्डन बार के पीछे व्यापार विहार बिलासपुर 8109168000 (242)

आवश्यकता है- A1 वाटर प्लांट सरगांव के लिए 1 जूनियर अकाउंटेंट, 1 फीटर, 1 इलेक्ट्रिशन, (आईटीआई जरूरी) 1 फोरमैन, 10 हेल्पर, 2 सेल्समैन (अनुभवी), 3 मैजिक ड्राइवर एवं ऑफिस कार्य हेतु प्यून, कुक, मेस हेल्पर (मेल/ फीमेल) आवास एवं भोजन उपलब्ध। इंटरव्यू दिनांक 28 एवं 30 अगस्त 2025 समय शाम 4 से 6बजे तक पता- अनुराज ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज एक्सिस बैंक के ऊपर तिफरा बिलासपुर 90099 89437 (38545)

आवश्यकता है-UTN शॉप में सर्व कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है मासिक वेतन 10000 से 15000 पता-शॉप नं-16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 78060 07192, 7999594790 (38538)

आवश्यकता है-सफाई के लिए एक परिवार सुविधा रहने की बेहतरीन व्यवस्था बिजली पानी व सिलेंडर सहित, होलसेल गिफ्ट शॉप में नौकरी का सुनहरा मौका 18-25 वर्ष के लड़के, 11000 मासिक+ प्रति वर्ष वेतन वृद्धि 10:30 AM से 9:30 PM सम्पर्क करें- देवपुरी रायपुर 84481 07841, 9302708426 (216)

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वन सुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या-790 वन रक्षक फील्ड ऑफिसर माली वन सिपाही सैलरी 27500 + 56500 पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना +खाना की सुविधाएं आवेदन करने हेतु आधार कार्ड मार्क शीट फोटो व्हाट्सएप करे सचिन शर्मा 7054311719 (1125)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के अविवाहित लड़कों की अवश्यकता है। जो म. प्र. उज्जैन में रह कर कम कर सके, योग्यता 10 वी 12वी स्नातक पास। सैलरी 10,000 + कमिशन, बोनस+ रहना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15 से 20000 संपर्क 96307 73028 9993044523 (411)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य की आवश्यकताएं 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 10000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना 8770508791, 7225815090 (375)

आवश्यकता है- खेत सुपरवाइजर की आवश्यकता है जो सिमगा खेत में रहकर कृषि एवं अन्य कार्य की देखरेख करे, वेतन कार्य क्षमता अनुसार संपर्क करें - 7999967254 (6794)

आवश्यकता है- लिमिटेड कंपनी को ज़रुरत अनपढ़ से 12वी पास लड़कों/लड़कियों की एयरपोर्ट जॉब ग्राउंड स्टाफ, हेल्पर, लोडर, ड्राइवर, सुपरवाइजर, सैलरी 28500/- से 55500/- (रहना+खाना फ्री पक्की नौकरी) 08920 930586 (1133)

आवश्यकता है- मैंट्रिमोनी में कार्य करने हेतु लड़की व महिलाओं की आवश्यकता है वेतन 6000+ कमीशन, संपर्कः- नगर निगम कॉलोनी, महाराणा प्रताप चौक 88390 03597, 9424145652 (245)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वीं पास लड़कों, जो कानपुर. उत्तर प्रदेश में रहकर काम कर सके सैलरी- 10000 +कमीशन +बोनस +प्रमोशन +रेल किराया आवास फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 30हजार महीना 7225815090, 8770508791 (246)

आवश्यकता है-नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9202613238, 92291 87457 (1113)

आवश्यकता है- उमा मार्ट में कार्य करने हेतु लड़के आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- उसलापुर रोड 36 मॉल के पास मंगला बिलासपुर 6264951541 (238)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु लड़की स्टॉफ की आवश्यकता है (समय- सुबह 9 से रात 9 तक) संपर्कः- साईं ट्रेडर्स बसंत विहार चौक, राजकिशोर नगर बिलासपुर 9329093222 (239)

बेचना

बेचना है- सड़क चिड़चारी, तहसील छुरिया, जिला राजनांदगांव, नेशनल हाइवे 6 से मात्र लगभग 100 मीटर अंदर प्लॉट बेचना है राईस मिल एवं अन्य कार्य के लिए उपयुक्त संपर्क- 9229200009 (766)

बेचना है-महाराणा प्रताप चौक सांई बाबा हॉस्पिटल के पास 2BHK मकान 22×45 ईस्ट फेसिंग 55लाख में बेचना है लोन सुविधा उपलब्ध सम्पर्क करें- 8461997770, 93299 40681 (38366)

बेचना है- आर्या कॉलोनी तिफरा स्थित 3 मंजिला 4BHK स्वतंत्र मकान स्वयं का बोर सहित सर्व सुविधा युक्त मकान बेचना है (व्हाट्स पर वीडियो फोटो उपलब्ध) सम्पर्क करें- 9479170222, 9329407603 (38571)

बेचना है- मोपका सेंदरी बायपास रोड ऊपर बिरला ओपन माइंड हायर सेकेण्डरी स्कूल, वाटर पार्क के आगे नगोई बिलासपुर में 90 फीट फ्रंट में 11336 वर्गफिट एवं लोयला स्कूल रोड बिलासपुर में 80X130 का प्लाट बेचना है। 8305090000 (247)

बेचना है- बिलासपुर के प्राइम लोकेशन मुंगेली रोड ग्रीन गार्डन के पीछे शुभम विहार शिक्षक कॉलोनी फुल फर्निश्ड 2850 वर्गफुट में बना उत्तर मुखी डुप्लेक्स 4BHK मकान बेचना है। सम्पर्क करें- 6262525232 (38564)

बेचना है- प्रथम हॉस्पिटल के सामने गीतांजलि सिटी फेस-1 सरकंडा में 23×75 और 22×75 के दो प्लॉट डायवर्टेड एकमुश्त या टुकड़ों में बेचना है सम्पर्क करें 9827110714, 7999481154 (38567)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है- (1) सीपत रोड सरकण्डा पाम इंक्लेव में 3BHK सर्वसुविधायुक्त बिल्टअप 1100 सुपर बिल्टअप 1500 वर्गफुट फ्लैट 52लाख (2) जूना बिलासपुर डबल स्टोरी ग्राउण्ड 214+ फर्स्ट फ्लोर 214 वर्गफुट निर्मित मेन रोड दुकान 86लाख (3) प्रताप टॉकीज चौक के पास 9×6 दुकान लगभग 10×10 पार्किंगयुक्त 25लाख सम्पर्क- राजेश श्यामनानी 98271 68452, 9300625174 (850)

किराया

किराया - 7500 वर्गफुट का पक्का लेंटर वाला गोदाम, रायपुर मेन रोड, कृष्णा केमिकल्स के आगे, त्रिवेणी डेंटल कॉलेज के सामने, एक एकड़ जमीन में बना। ऑफिस, बाथरूम, बिजली, पानी, स्टाफ रूम, गार्ड रूम, चारों तरफ पक्की बाउंड्री सहित। सम्पर्क करें- 8720024000 (38540)

किराया- 2BHK हॉल किचन 2 टॉयलेट नौकरी, पेशा हेतु महावीर नगर मंगला चौक एवं रियल हेवन सेकेंड फ्लोर में 276 वर्गफुट फर्निश्ड आफिस कंसल्टेंसी क्लीनिक हेतु उपलब्ध है सम्पर्क- 83192 59757, 9424254836 (38559)

किराया- राजीव प्लाजा प्रथम तल 186 वर्गफीट नवभारत प्रेस के सामने एवं 1000 फिट का हाल सेल्स टेक्स ऑफिस के सामने किराये से देना है। संपर्क करें. 9827913277 (38554)

किराया - फ्लैट किराये पर देना है ग्रीन गार्डन (नीलगिरी अपार्टमेंट) मुंगेली रोड में 3 बेडरूम, सर्वेंट क्वार्टर, नव पुनर्निर्मित सर्वसुविधायुक्त फ्लैट। बैंक अधिकारी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7023445244 (38576)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
● इसे नजर अंदाज कर छणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए तुरंत खून की जाँच कराए।
● क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण रोग हैं। जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना, खुजली लाल होना, पेशाब में जलन या पीब आना, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग, हेपाटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सूजाक), रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं।
● क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग हैं सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रूसी, जोड़ो में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना, नाखूनो का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग हैं।
● क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान हैं जैसेः शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं हैं। नीम हकिमो से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्युनो थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही है।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659 9617789223, 9303242200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

वैवाहिकी

वर चाहिए

BRIDE WANTED
SHRIVASTAVA BOY SEEKING MATCH AGE 42 H.5'9" OWN BUSINESS At Baroda (Gujarat) INCOME 24 LAKH P.A. NONMANGLIK VEGETARIAN
CONTACT 9726079753

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

एशिया कप हॉकी : जापान के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने उतरेगी भारतीय टीम

एजेंसी ▶▶| राजगीर

भारत पहले मैच के अपेक्षाकृत लचर प्रदर्शन को पीछे छोड़कर रविवार को यहां पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में खतरनाक दिख रही जापान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगा।

विश्व में सातवें स्थान पर काबिज भारतीय टीम ने शुक्रवार को पूल ए के अपने पहले मैच में विश्व में 23वें नंबर की टीम चीन पर 4-3 से करीबी जीत हासिल की लेकिन उसका यह प्रदर्शन प्रभावशाली नहीं था। भारत इस टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है और एशिया कप जीतने का प्रबल दावेदार है। इस टूर्नामेंट की विजेता टीम अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के बीच सीधे क्वालीफाई करेगी।

भारतीय रक्षा पंक्ति को जापानी टीम के खिलाफ रहना होगा सतर्क

भारत ने चीन के खिलाफ शानदार शुरुआत की, लेकिन खेल आगे बढ़ने के साथ उसकी लय गड़बड़ा गई। भारतीय रक्षा पंक्ति को तेज तर्रार जापानी टीम के खिलाफ सतर्क रहना होगा, जिसने अपने पहले मैच में कजाकिस्तान के खिलाफ सात गोल दागे थे। चीन के खिलाफ भारत के सभी चार गोल पेनल्टी कॉर्नर से आए, जिसमें कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने हैट्रिक बनाई, लेकिन वह एक पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलने से चूक गए थे। जुगराज सिंह, हरमनप्रीत, संजय और अमित रोहिदास जैसे चार ड्रैगफ्लिकर के साथ भारत को पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने की दर में भी सुधार करना होगा।

अवसरों को बदलना होगा गोल में

भारतीय मध्य पंक्ति ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया और कई मौके बनाए, लेकिन उसे इन अवसरों को गोल में बदलना होगा।भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन भी अपने फॉरवर्ड खिलाड़ियों की गोल करने में असमर्थता को लेकर चिंतित होंगे।हालांकि मनदीप सिंह, संजय, दिलप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह जैसे खिलाड़ी विपक्षी सर्कल के अंदर चुस्त दिखे, लेकिन वे स्कोरशीट में अपना नाम दर्ज कराने में असफल रहे।

चीन के खिलाफ मैच हमारे लिए अच्छा सबक

फुल्टन ने कहा, 'हमने (चीन के खिलाफ) मैच जीता लेकिन हम अपनी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। हमने कुछ मौके गंवाए और कुछ आसान गोल भी खाए। हम सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम हैं और यहां प्रबल दावेदार हैं, इसलिए हर टीम हमसे खेलने के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार करेगी और हमें उस चुनौती का सामना करना होगा। ' भारतीय कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, 'इस टूर्नामेंट में भाग ले रही अधिकतर टीम जवाबी हमला करने के लिए इंतजार करती हैं। चीन के खिलाफ मैच हमारे लिए अच्छा सबक है। हमारी रक्षा पंक्ति को दमदार प्रदर्शन करना होगा।'' दिन के दूसरे मैच में चीन का मुकाबला कजाकिस्तान से होगा।

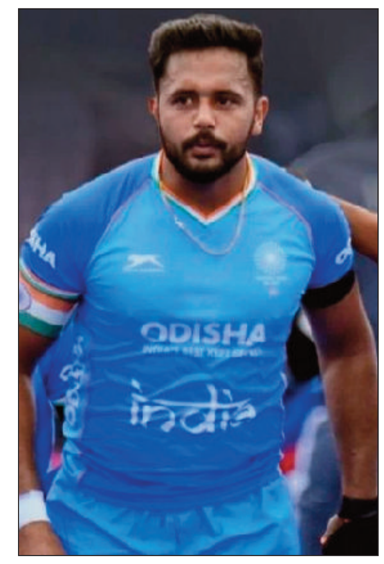

टीम इस प्रकार हैं

भारतीय टीम : कृष्ण बी पाठक (गोलकीपर), सूरज करकेरा (गोलकीपर), सुमित, जरमनप्रीत सिंह, संजय, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, अभिषेक, सुखजीत सिंह, दिलप्रीत सिंह।

जापानी टीम : शोटा यामादा, युतो हिगुची, यामातो कावाहारा, सेरेन तनाका, नारु किमुरा, काजुमासा मात्सुमोतो, मनाबू यामाशिता, रायकी फुजीशिमा (कप्तान), केन नागायोशी, युसुके कावामुरा, कोसी कावाबे, ताकाशी योशिकावा (गोलकीपर), किशो कुरोदा (गोलकीपर), कीता वतनबे, रयोसुके शिनोहारा, ह्योटा यामादा।

मैच का समय : दोपहर 3 बजे से

38 साल के नोवाक ने 69वीं बार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अंतिम 16 में बनाई जगह

यूएस ओपन: जोकोविच बने चौथे दौर में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच वर्ष के चौथे और आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। जोकोविच ने कैमरन नूरी को हराया और वह 1991 में जिमी कोनर्स के बाद यूएस ओपन के चौथे दौर में पहुंचने वाले उम्रदराज खिलाड़ी बने। कोनर्स जब 1991 में इस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंचे थे तब उनकी उम्र भी जोकोविच की तरह 38 साल थी।

जोकोविच ने 6-4, 6-7 (4), 6-2, 6-3 से जीत हासिल की, जिसमें उन्होंने 18 ऐस लगाए, जो उनके अनुसार टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन फ्लशिंग मीडोज में मैच के शुरू में चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी लेकिन उन्होंने शानदार खेल दिखाया और 69वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम 16 में जगह बनाई। इस तरह से उन्होंने रोजर फेडरर की बराबरी कर ली। अब उनका मुकाबला जर्मन क्वालिफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ से होगा।

राडुकानू का सफर समाप्त : महिला एकल वर्ग के मुकाबले में एलिना रायबकिना ने 2021 की चैंपियन एम्मा राडुकानू को शिकस्त दी।

चंद्रशेखर और प्रशांत की जोड़ी दूसरे दौर में

अनिरुद्ध चंद्रशेखर और विजय प्रशांत की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को तीन सेटों में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। चंद्रशेखर और प्रशांत ने अपनी शानदार सर्विस के दम पर एक घंटे 42 मिनट में 3-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। चंद्रशेखर और प्रशांत का मुकाबला दूसरे दौर में ऑस्ट्रेलिया के जॉन-पैट्रिक स्मिथ और ब्राजील के फर्नांडो रोम्बोली से होगा।

चोट के बावजूद अल्काराज का शानदार प्रदर्शन, बनाई चौथे दौर में जगह

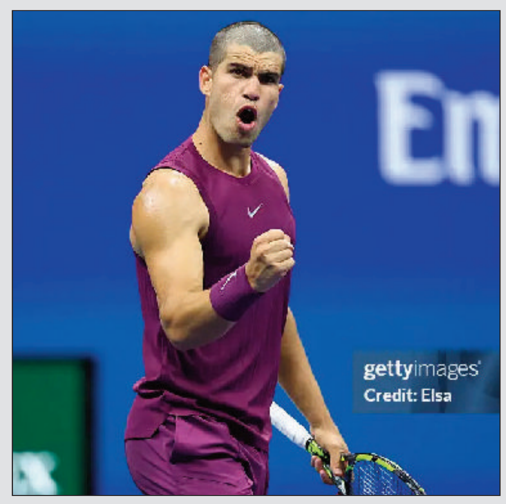

स्पेनिश स्टार कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2025 के तीसरे दौर में मेडिकल टाइमआउट लेने के बाद भी इटली के लुसियानो डार्डेरी को हराकर चौथे दौर में जगह बना ली है। चोट के बावजूद उनका प्रदर्शन शानदार रहा और अब उनका मुकाबला फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच से होगा। मैच के दौरान अल्काराज को दाहिनी जांघ में तकलीफ महसूस हुई, जिसके कारण उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया। हालांकि, इस बीच उनका प्रदर्शन प्रभावित नहीं हुआ और उन्होंने मजबूती से मैच जीतकर आगे बढ़ने में सफलता पाई।

एशिया कप से पहले गिल और रोहित का होगा फिटनेस टेस्ट, पहुंचे बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

भारतीय टेस्ट कप्तान और टी20 उपकप्तान शुभमन गिल आगामी एशिया कप के लिए दुबई जाने से पहले फिटनेस आकलन और तैयारियों के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंच गए हैं। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने वाले खिलाड़ियों को 9 सितंबर को मेजबान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच से पहले 4 सितंबर को दुबई में इकट्ठा होना है। सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी फिटनेस आकलन के लिए सीओई पहुंच गए हैं।

राहुल द्रविड़ ने छोड़ा राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच का पद

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स चर्चा में है। कप्तान संजू सैमसन के टीम से अलग होने की खबरों के बीच मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार को राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच पद से इस्तीफा देने की जानकारी दी। आरआर ने अपने बयान में कहा कि हाल ही में हुई संरचनात्मक समीक्षा के तहत, फ्रेंचाइजी ने द्रविड़ को एक व्यापक भूमिका की पेशकश की थी, लेकिन पूर्व भारतीय कप्तान और मुख्य कोच ने यह पद नहीं लेने का फैसला किया है। अपनी कोचिंग में भारतीय क्रिकेट टीम को 2024 का टी20 विश्व कप जिताने वाले राहुल द्रविड़ ने आईपीएल 2025 से पहले आरआर के साथ मुख्य कोच के रूप में अनुबंध किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका अनुबंध लंबे समय के लिए था, लेकिन अचानक उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। आरआर ने कहा, "राहुल कई वर्षों से रॉयल्स की यात्रा के केंद्र में रहे हैं। उनके नेतृत्व ने खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को प्रभावित किया है। टीम के भीतर मजबूत मूल्यों का निर्माण किया है और फ्रेंचाइजी की संस्कृति पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग की जोड़ी, पदक पक्का

एजेंसी ▶▶| पेरिस

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय जोड़ी ने पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक सुनिश्चित किया। भारतीय जोड़ी पिछले साल पेरिस ओलंपिक में मलेशिया की इस जोड़ी से हार गई थी लेकिन शुक्रवार देर रात खेले गए मैच में वह इसका बदला लेने में सफल रही। सात्विक और चिराग की विश्व की तीसरे नंबर की जोड़ी ने 43 मिनट में 21-12, 21-19 से शानदार जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। सात्विक और चिराग ने 2022 में इस टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता था और इस तरह से उनका विश्व चैंपियनशिप में यह दूसरा पदक होगा। इससे 2011 में ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा के कांस्य पदक जीतने के बाद से भारत का प्रत्येक विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना भी सुनिश्चित हो गया।

अगला मुकाबला चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी

एशियाई खेलों के चैंपियन का अगला मुकाबला चीन की 11वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी चेन बो यांग और लियू यी से होगा। कुछ ही घंटे पहले पीवी सिंधू के क्वार्टर फाइनल में बाहर होने से भारत महिला एकल में पदक से वंचित रह गया था। जब सात्विक और चिराग कोर्ट पर उतरे तो उन पर उम्मीदों का बोझ साफ दिखाई दे रहा था।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक / 3428/ न.पा.नि./ 2025 रायगढ़ दिनांक: 29/08/25

// ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना //

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि. नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनु.लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1.	2.	3	4.	5.
1.	174533	CONSTRACTION OF SAMUDAYIK BHAVAN AT NEAR LAXMI HEIGHTS DHIMRAPUR CHOWK, RAIGARH.	19.52	22.09.2025

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
न.पा.नि.. रायगढ़

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

एशिया कप के मैचों का टाइम बदला, अब रात 8 बजे से शुरू होंगे मुकाबले

दुबई। अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने घोषणा की कि संयुक्त अरब अमीरात में भीषण गर्मी के कारण आगामी एशिया कप के 19 में से 18 मैचों का शुरू होने का समय मूल कार्यक्रम से आधे घंटे पीछे कर दिया गया है। संशोधित समय के अनुसार अब मैच स्थानीय समयानुसार शाम 6.30 बजे (भारतीय समयानुसार रात 8 बजे) शुरू होंगे। इस बार टी-20 प्रारुप में आयोजित होने वाला यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक दुबई और अबू धाबी में खेला जाएगा। ईसीबी ने कहा, 'एशिया कप 2025 के 19 मैचों में से 18 के शुरू होने का समय अपडेट कर दिया गया है। ये मैच अब स्थानीय समयानुसार शाम 6:30 बजे शुरू होंगे।' बयान के अनुसार, 'सोमवार, 15 सितंबर को यूएई और ओमान के बीच मैच स्थानीय समयानुसार दोपहर बाद चार बजे शुरू होगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा संख्या:- डीआरएम-इंजी.-बीएसपी-टी-122-25-26, दिनांक: 28.08.2025

कार्य: वरिष्ठ मंडल अभियंता/मध्य/ बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पुलों पर ओएचई ब्रिज मस्तूल के लिए अतिरिक्त नींव का प्रावधान । **निविदा मूल्य (रू.):** 84,72,232.30/-, **अमानत राशि (रू.):** 1,69,500.00/-, **कार्य पूर्णता की अवधि:** 08 माह । **निविदा जमा की आरंभ तिथि:** दिनांक 15.09.2025 के 11.00 बजे से, **निविदा जमा की अंतिम तिथि:** दिनांक 29.09.2025 के 11:00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा सूचना की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है । उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी ।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/285 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

एनएमडीसी
NMDC
एनएमडीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
'खनिज भवन' 10-3-311/ए कैसल हिल्स, मासाब टैंक हैदराबाद-500 028
निगम पहचान संख्या (सीआईएन)-L13100TG1958GOI001674

वर्क्स प्रभाग
संविदा विभाग

निविदा-पूर्व बैठक सूचना दिनांक: **31.08.2025**

एनएमडीसी लिमिटेड, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का 'नवरत्न' कंपनी है जो अनुभवी, प्रतिष्ठित और सक्षम घरेलू बोलीकर्ताओं को दिनांक 02.09.2025 को 11.00 बजे, **एसपी-III, किरंदुल, छत्तीसगढ़ में सबस्टेशन-1 से सबस्टेशन-1ए (आरएल706) तक स्लोप प्रोटेक्शन कार्यों के लिए निविदा-पूर्व बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित करती है।**

निविदा-पूर्व बैठक का स्थान: टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स, जेसी 30/ए साल्ट लेक सिटी, सेक्टर III कोलकाता 700106, पश्चिम बंगाल, भारत।

बैठक की संक्षिप्त कार्यसूची, कार्य का प्रारंभिक क्षेत्र, समय-सूची, परियोजना स्थल आदि जैसे विवरण प्राप्त करने के लिए बोलीकर्ता एनएमडीसी की वेबसाइट **http://www.nmdc.co.in** देख सकते हैं।

इसके अलावा, किसी भी जानकारी के लिए, बोलीकर्ता सीधे अथवा ई-मेल के माध्यम से निम्नलिखित अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं।

1. श्री सौमेन बिसाई, ई-मेल: **sbisai@tataconsultingengineers.com**
2. श्री अरिंदम चटर्जी, सहायक महाप्रबंधक (संविदा) ई-मेल: **arindam210990@nmdc.co.in**

एनएमडीसी लिमिटेड की ओर से
अधिशासी निदेशक(वर्कस)

इण्डियन ओवरसीज़ बैंक
बिलासपुर शाखा (1584), आनंद होटल के सामने, पुराना बस स्टैंड रोड, टैगोर चौक, बिलासपुर-495001, फोन नं.: 8925951584, ई-मेल: iob1584@iob.in.

(परिशिष्ट-IV)
कब्जा सूचना (अचल संपत्तियों हेतु) [नियम 8 (1)]

यतः अधोहस्ताक्षरी ने **इण्डियन ओवरसीज़ बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पूर्णगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12), सपठित नियम 3 के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित **उधारकर्ता/बंधककर्ता- श्री भानु कुमार पाल** पिता स्वर्गीय गंगा दीन पाल, स्कूलपारा, बैकुंठपुर, तहसील- बैकुंठपुर, जिला- कोरिया, छत्तीसगढ़-497335 (इसके बाद उधारकर्ता एवं बन्धककर्ता के रूप में संदर्भित), **दिनांक 05.06.2025** को डिमांड नोटिस जारी किया, जिसमें ऋणि को देय नोटिस में उल्लेखित राशि **रु. 30,62,637.00 (रुपये तीस लाख बासठ हजार छह सौ सैंतीस मात्र)**, संविदात्मक दरों पर ब्याज, शुल्क एवं शेष राशि इत्यादि ब्याज सहित 60 दिनों के भीतर जमा करने के लिए कहा गया था।

(1) देनदार धनराशि के पूनर्भुगतान में असफल हो चुके है, अतः देनदार तथा जनसामान्य को यह सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर कर्ता ने उक्त अधिनियम (उक्त नियमों के नियम 8 सहित सपठित) की धारा 13 (4) द्वारा प्राप्त शक्तियों का उपयोग करते हुए दिनांक **28.08.2025** को निम्नलिखित वर्णित संपत्ति पर कब्जा प्राप्त कर लिया है।

(2) देनदार को व्यक्तिगत रूप से तथा जनसाधारण को सामान्य रूप से सावधान किया जाता है, कि उक्त संपत्ति हेतु किसी भी प्रकार का सौदा न करें, उक्त संपत्ति हेतु किसी भी प्रकार का सौदा करने पर इण्डियन ओवरसीज बैंक को **रु. 30,62,637.00 (रुपये तीस लाख बासठ हजार छह सौ सैंतीस मात्र)** दिनांक 05.06.2025 को संविदात्मक दरों पर ब्याज के साथ तथा सहमत शेष शुल्क इत्यादि, मांग नोटिस में उल्लेखित तिथि से भुगतान की तिथि तक, डिमांड नोटिस जारी होने के बाद पुनर्भुगतान यदि कोई हो तो उसे घटाने के पश्चात देय होगा। कब्जे की तिथि को देय राशि **रु. 31,45,417 (रुपये इकतीस लाख पैंतालीस हजार चार सौ सत्रह मात्र)** संविदात्मक दरों पर ब्याज, शुल्क एवं शेष राशि इत्यादि सहित भुगतान की तिथि तक देय होगा। (3) देनदार का ध्यानाकर्षण इस अधिनियम की धारा 13 के अनुसार उप-धारा (8) में दिये गये प्रावधान की ओर से किया गया है, जिसमें सुरक्षित आस्तियों को भी छुडाने हेतु समय दिया गया है। य हेतु अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल संपत्तियों का विवरण

संपत्ति क्रमांक 1) खाता नं 623, खसरा नं 427/2/खा, आर.एन.एम. बैकुंठपुर, तहसील-बैकुंठपुर, जिला-कोरिया, छत्तीसगढ़ में क्षेत्रफल 4356 वर्गफुट पर स्थित सामयिक बंधक खुली आवासीय परिवर्तित भूमि, मालिकाना हक - श्री भानु कुमार पाल पिता स्वर्गीय गंगा दीन पाल। सीमाएँ: उत्तर: प्लॉट खसरा नं 427/2/ग, दक्षिण: पक्की रोड, पूर्व: राधा सिंह का प्लॉट, पश्चिम: आशीष कुमार का प्लॉट.

संपत्ति क्रमांक 2) खाता नं 623, खसरा नं 427/2/ग, आर.एन.एम. बैकुंठपुर, तहसील-बैकुंठपुर, जिला-कोरिया, छत्तीसगढ़ में क्षेत्रफल 2614 वर्गफुट पर स्थित सामयिक बंधक खुली आवासीय परिवर्तित भूमि, मालिकाना हक - श्री भानु कुमार पाल पिता स्वर्गीय गंगा दीन पाल। सीमाएँ: उत्तर: राधा सिंह का प्लॉट, दक्षिण: प्लॉट खसरा नं 427/2/ग, पूर्व: राधा सिंह का प्लॉट,पश्चिम: आशीष कुमार का प्लॉट.

दिनांक: 28.08.2025,
स्थान- बैकुंठपुर

प्राधिकृत अधिकारी,
इंडियन ओवरसीज बैंक

शब्द पहेली - 5974

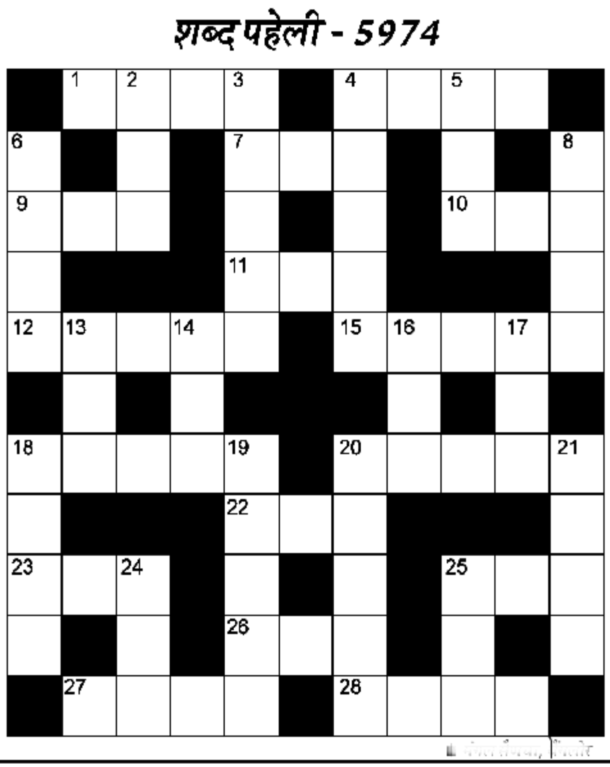

बाएँ से दाए-
1. बेजोड़-4
4. परिचय, निशान-4
7. कला-3
9. सज्जनता, चरित्र, आदर्श-3
10. प्रथा, रिवाज-3
11. उपस्थिति-3
12. सेन्धमार-5
15. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-3,2
18. तड़के, सुबह सवेरे-5
20. चुगली करना-2,3
22. मैला, गंदा-3
23. रसद, आहर पदार्थ-3
25. प्रणाम, नमस्कार-3
26. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27. स्थायी, प्राचीन-4
28. हुकूमत, राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे
2. मुलाकात, मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक, नौकर, दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान, एक जैसा-4
13. पंकज, जलज-3
14. आघात, चोट-3
16. भरोसा, विश्वास-3
17. कुली, पालकी वाहक-3
18. जुर्म, गुनाह-4
19. स्वदेश वासी-5
20. शतपदी, कनखजूरा-5
21. अहमक, मूर्ख-4
24. स्नान करना-3
25. सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -5973 का हल

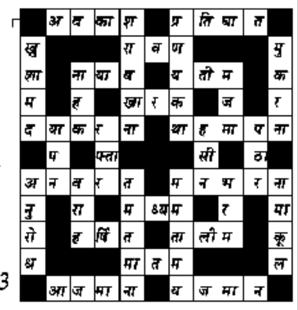

सूडोकु नवताल - 5984

★★★★☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5983 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

इतिहास में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनके पीछे का सच आज तक सामने नहीं आ पाया। कुछ रहस्य इतने गहरे हैं कि उन्हें जानने की कोशिशें भी खुद एक पहेली बन गईं। इतिहास के ये 10 अनसुलझे रहस्य हैं, जो समय के साथ और भी पेचीदा बनते जा रहे हैं। ये वैज्ञानिकों, इतिहासकारों और आम लोगों को आज तक हैरान कर रहे हैं।

दुनिया के ऐसे रहस्य जिन्हें आज तक नहीं सुलझा पाया कोई, नाम सुनते ही हिल जाते हैं वैज्ञानिक!

रोनोक कॉलोनी

साल 1587 में अमेरिका के रोनोक द्वीप पर 100 से ज्यादा अंग्रेज उपनिवेशवासी रहस्यमय तरीके से गायब हो गए। वहां सिर्फ एक पेड़ पर 'CROA-TOAN' लिखा मिला। आज तक नहीं पता चला कि वे मारे गए या कहीं और चले गए।

जैक द रिपर

साल 1888 में लंदन की सड़कों पर एक अज्ञात हत्यारा महिलाओं को बेरहमी से मारता रहा। उसे 'जैक द रिपर' नाम मिला, लेकिन उसकी असली पहचान आज तक कोई नहीं जान पाया।

अटलांटिस की सनकेन सिटी

प्राचीन यूनानी दार्शनिक प्लेटो ने अटलांटिस नामक एक शक्तिशाली द्वीप की बात की थी जो समुद्र में डूब गया। ये जगह असली थी या सिर्फ कहानी इसका कोई ठोस सबूत नहीं मिला।

डायटलोव पास

सन 1959 में रूस के उराल पर्वत में 9 हाइकर्स की मौतें अजीब हालातों में हुईं। कुछ के कपड़े नहीं थे, कुछ के शरीर पर रहस्यमयी चोटें थीं। मौत की वजह आज भी रहस्य बनी हुई है।

वूलपिट के हरे बच्चे

12वीं सदी में इंग्लैंड के एक गांव में दो बच्चे मिले जिनकी त्वचा हरी थी और भाषा अजीब। कुछ लोग मानते हैं कि वे बीमार थे, कुछ इसे परियों की कहानी कहते हैं। सच्चाई आज भी अधूरी है.

वॉयनिच मैन्युस्क्रिप्ट

15वीं सदी की इस रहस्यमयी किताब में अजीब भाषा और अनोखे चित्र हैं। दुनिया के सबसे बड़े विशेषज्ञ भी इसका मतलब नहीं समझ पाए। ये अब भी एक अनसुलझी पहेली है।

स्टोनहेंज : इंग्लैंड के मैदानों में बने स्टोनहेंज नाम के बड़े-बड़े पत्थरों का निर्माण 3000 ईसा पूर्व में हुआ लेकिन इसे किसने, क्यों और कैसे बनाया, इसका अब तक कोई साफ जवाब नहीं मिला।

नाचने वाला प्लेग

सन 1518 में स्ट्रासबर्ग (अब फ्रांस) में अचानक लोग बिना रुके नाचने लगे। कई तो थककर मर भी गए। क्या ये कोई बीमारी थी, नशा था, या कुछ और? इसका रहस्य आज भी बरकरार है।

बील सिफर

सन 1820 में थॉमस बील नाम के व्यक्ति ने तीन रहस्यमयी कोड छोड़े, जिनमें एक खजाने का नक्शा छिपा था। केवल एक कोड हल हुआ, बाकी अब तक नहीं। खजाना मिला नहीं और रहस्य ज्यों का त्यों है।

रोचक खबरें

एक घोंघे के लिए साथी ढूंढने में जुटा है ये देश, जानें ऐसा क्या है खास

अकेला है मिस्टर खिलाड़ी मिस खिलाड़ी चाहिए...ऐसा हमारा नहीं बल्कि उस देश का कहना है, जो अपने एक घोंघे के लिए किसी साथी की तलाश में है। दरअसल, न्यूजीलैंड में एक दुर्लभ घोंघा खोजा गया है, जिसका खोल बाईं ओर मुड़ा हुआ है और इस कारण उसकी साथी मिलनी मुश्किल हो गई है और उसी की खोज में देश में एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू हो गया है।

आमतौर पर घोंघो के खोल दाईं ओर होते हैं, लेकिन नेड नामक इस दुर्लभ घोंघे का खोल बाईं ओर मुड़ा हुआ है, जिसका मतलब है कि उसके प्रजनन अंग भी उल्टी तरफ हैं। यह मामला दुर्लभ है क्योंकि लगभग 40,000 घोंघों में से एक ऐसा घोंघा मिलता है, वहीं साथी की तलाश इसलिए की जा रही है ताकि नेड पूरी जिंदगी अकेला न रहे और उसका विकास अच्छे हो।

एक महिला को मिला था ये दुर्लभ घोंघा : द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घोंघा चित्रकार और लेखिका गिजेल क्लार्कसन नाम की एक महिला को अपने बगीचे से मिला है, जब वो सब्जियों के लिए मिट्टी खोद रही थीं। गिजेल ने बताया, इस घोंघे को देखकर मुझे लगा कुछ अलग है, लेकिन मैं समझ नहीं पाई क्या। हालांकि, मुझे घोंघा दूसरी प्रजाति का लग रहा था, फिर मैंने जब ध्यान से देखा तो इसका खोल बाईं ओर मुड़ा हुआ था।

रंगों की पहचान करने की प्रतिभा से तोते ने बनाया अनोखा विश्व रिकॉर्ड

बीजिंग। तोते सबसे होनहार पक्षी माने जाते हैं, जो इंसानों की तरह बोलना सीख लेते हैं। अगर उन्हें सही प्रशिक्षण दिया जाए तो वे अन्य कारनामे करने में भी सक्षम हो जाते हैं। इस बात को चीन के एक व्यक्ति के पालतू तोते ने सच साबित करके दिखाया है। इस चतुर तोते का नाम 'जियाओगुई' है, जो रंगों की पहचान कर लेता है। इसी हुनर के जरिए उसने विश्व रिकॉर्ड कायम करके गिनीज बुक में अपना नाम शुमार कर लिया है।

सबसे कम समय में की 10 रंगों की पहचान : इस तोते के मालिक का नाम किन फेंग है, जिन्होनें जियाओगुई को इतना होनहार बनाया है। इस बुद्धिमान पक्षी ने 'तोते द्वारा सबसे जल्दी 10 रंगों की पहचान' करने का विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। उसने यह कारनामा महज 33.50 सेकंड में कर दिखाया, जो वाकई कबीले तारीफ है। यह रिकॉर्ड प्रयास नवंबर 2024 में चीन के हेनान में किया गया था। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा 14 अगस्त 2025 को की गई है।

रिकॉर्ड प्रयास के दौरान जियाओगुई के सामने 10 छोटे प्लास्टिक के डिब्बे रखे गए थे। सभी डिब्बे 10 अलग-अलग रंगों वाले थे। इसके साथ-साथ तोते के आगे 10 रंगों वाली स्ट्रॉ से बनी गेंदें भी रखी गई थीं। सभी रंगों वाले डिब्बों और गेंदों को मिश्रित करके रखा गया था, यानि की वे व्यवस्थित नहीं थीं। जियाओगुई को जितनी जल्दी हो सके उतनी जल्दी एक-एक करके सभी गेंदें सही रंग के डिब्बों में डालनी थीं। जियाओगुई ने अपनी नन्हीं-सी चोंच से एक-एक करके गेंदों को उठाया और उन्हें सही डिब्बे में ले जाकर डाल दिया। देखते ही देखते सभी गेंदें उनके रंग वाले डिब्बों में रखी थीं।

उपलब्धि

लाखों लोगों की जान बचाने में कर सकती है मदद

इंसान में लगाकर देखा सूअर का फेफड़ा, 9 दिनों तक ले सका सांस

विज्ञान दिन पर दिन तरक्की करता जा रहा है और वैज्ञानिक हमेशा नए-नए अध्ययन करने में लगे रहते हैं। इसी बीच वैज्ञानिकों को एक ऐसी उपलब्धि हासिल हुई है, जो लाखों लोगों की जान बचाने में मदद कर सकती है। पहली बार वैज्ञानिक किसी ब्रेन डेड इंसान में सूअर का फेफड़ा लगाने में सफल हुए हैं। इसकी मदद से वह व्यक्ति 9 दिनों तक सांस ले सका था। आइए जानते हैं यह चमत्कार कैसे हो सका था।

चीन में किया गया यह ऑर्गन ट्रांसप्लांट

यह अंग प्रत्यारोपण यानि ऑर्गन ट्रांसप्लांट चीन के गुआंगझोउ मेडिकल यूनिवर्सिटी के प्रथम संबद्ध अस्पताल में किया गया। इसके जरिए पहली बार एक इंसान के अंदर सूअर का फेफड़ा लगाया गया था। इससे पहले इंसानों के शरीर में सूअर का दिल और किड़नी लगाने के प्रयास किए जा चुके हैं। सूअर के फेफड़े को आनुवंशिक रूप से संशोधित यानि जेनेटिकली मोडिफाइ किया गया था, ताकि मानव का शरीर उसे स्वीकार करने से इंकार न कर दे।

मस्तिष्क रक्तस्राव से पीड़ित था मरीज

जिस व्यक्ति के शरीर में सूअर का फेफड़ा लगाया गया वह 39 साल के थे। उन्हें मस्तिष्क रक्तस्राव यानि ब्रेन हैमरेज हुआ था, जिसके बाद उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था। मरीज के परिवार से सहमति पाने के बाद डॉक्टरों ने उनके शरीर के बाएं फेफड़े को सूअर के फेफड़े से बदला। सर्जरी के बाद मरीज को संक्रमण और किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाने के लिए कई दवाइयां भी दी गई थीं।

फेफड़ों ने 9 दिन और 216 घंटे तक किया काम

सर्जरी करने से पहले सूअर के फेफड़े को 6 बार आनुवंशिक रूप से संशोधित किया गया था। जिस सूअर के फेफड़े को निकाला गया था, उसे साफ-सुथरे और बैक्टीरिया रहित वातावरण में पाला गया था। आपको जानकर खुशी होगी कि सूअर के फेफड़े ने 9 दिन और 216 घंटे तक बिना किसी दुष्प्रभाव, संक्रमण या अस्वीकृति के काम किया। हालांकि, प्रत्यारोपण के एक दिन बाद ही रक्त प्रवाह संबंधी समस्याओं के कारण व्यक्ति के शरीर में सूजन आ गई थी।

इस प्रयोग के विषय में क्या बोले वैज्ञानिक?

कुछ प्रारंभिक सुधार के संकेतों के बावजूद कुछ ही दिनों में मरीज के शरीर ने अंग को अस्वीकार करना शुरू कर दिया। इसके बाद मरीज के परिवार के अनुरोध पर डॉक्टरों ने प्रयोग बंद कर दिया। वैज्ञानिकों ने कहा कि उनके शोध से पता चलता है कि सूअर से मानव फेफड़े में जेनोट्रांसप्लांटेशन संभव है। हालांकि, अंग अस्वीकृति और संक्रमण जैसी बड़ी बाधाएं दूर करने के लिए और अध्ययन करना होगा।

न जमीन, न ठिकाना, सिर्फ लहरों का सहारा! यह जनजाति जीती है अनोखी जिंदगी

दुनिया में कई ऐसी जनजातियां हैं जो अपनी परंपराओं, रहन-सहन और अनोखी जीवनशैली के लिए जानी जाती हैं। इनमें से कुछ जनजातियां इतनी अलग तरीके से जीवन बिताती हैं कि आधुनिक जीवन जीने वाले लोग उन्हें देखकर दंग रह जाते हैं। इन्हीं में से एक है ऐसी भी जनजाति है जो जमीन पर नहीं, बल्कि लहरों के सहारे जीवन जीती है। यह जनजाति समुद्र को ही अपना घर मानती है और पीढ़ियों से इसी तरह जीवन बिता रही है।

यह अनोखी जनजाति मुख्य रूप से मलेशिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती है। इन लोगों का रहन-सहन पूरी तरह समुद्र पर आधारित है इन्हें सी जिप्सी कहा जाता है। अपने खानाबदोश जीवन के कारण दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। सी जिप्सी लोग नाविकों की तरह समुद्र में घूमते रहते हैं और मौसम बदलते ही एक द्वीप से दूसरे द्वीप की ओर रुख कर लेते हैं। सी जिप्सी समुदाय के लोग लकड़ी के खंभों पर बने घरों में रहते हैं। इसके अलावा कई लोग लेपा-लेपा नामक हाउसबोट का इस्तेमाल करते हैं जो तैरते हुए घर की तरह होता है।

कुशल गोताखोर, मुख्य भोजन समुद्री मछलियां

इस जनजाति के लोग अद्भुत गोताखोर माने जाते हैं। ये लोग भाले की मदद से मछलियां पकड़ते हैं और 20 से 30 मीटर की गहराई तक गोता लगा सकते हैं। खास बात यह है कि ये लगभग 5 मिनट तक अपनी सांस रोक सकते हैं जो एक सामान्य व्यक्ति के लिए बेहद मुश्किल है। यही नहीं, इनका खानपान भी मुख्य रूप से समुद्री मछलियों पर निर्भर रहता है।

महिला ने 1,000 रुपये में खरीदी पेंटिंग 8 करोड़ से ज्यादा निकली कीमत

नई दिल्ली। कला को संग्रहित करने में दिलचस्पी रखने वाले लोग अक्सर नई-नई पेंटिंग की तलाश में रहते हैं। कई बार यह खोज उन्हें ऐसी कलाकृतियों का मालिक बना देती है, जिनकी कीमत सुनकर होश उड़ जाएं।

ऐसा ही कुछ पेंसिल्वेनिया की रहने वाली एक महिला के साथ हुआ। दरअसल, उन्होंने पुराने सामान की एक दुकान से 1,026 रुपये में एक पेंटिंग खरीदी थी। हालांकि, बाद में सामने आया की उसकी असल कीमत 8 करोड़ रुपये से भी अधिक हो सकती है।

मार्को का मानना है कि यह पेंटिंग रेनॉयर की पत्नी एलाइन चारिगॉट की है, जिसे 1800 के दशक के अंत में उनके इंग्रेस काल के दौरान बनाया गया होगा। उन्होंने सोथबी नामक नीलामीघर के एक साथी कला मूल्यांकनकर्ता से भी राय ली, जो मार्को की बात से सहमत हुए। अब वाइल्डेनस्टाइन प्लैटनर इंस्टीट्यूट इस पेंटिंग की प्रमाणिकता की जांच की जिसके बाद इसकी कीमत 8.56 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है।

कुछ विचित्र बार्बी डॉल, जो हुईं बहुत मशहूर, दो पर बैन

हम में से ज्यादातर लड़कियों का बचपन बार्बी डॉल के साथ खेलते हुए बीता होगा। उनके बाल बनाना, कपड़े बदलना और उनके साथ ढेरों कहानियां बनाना सबसे सुहानी यादों में से एक हैं। अमेरिकी व्यवसायी रूथ हैंडलर ने महिलाओं जैसी दिखने वाली इस डॉल को अपनी बेटी 'बारबरा' से प्रेरणा लेकर बनाया था। वैसे तो सभी बार्बी बेहद खूबसूरत होती हैं।

बार्बी एंड पूपिंग डॉग टैनर : कई बार्बी सेट के साथ प्यारे दिखने वाले कुत्ते भी मिलते हैं। हालांकि, मैटल कंपनी ने एक बार एक बेहद अजीब खिलौने वाला कुत्ता निकाला था। इस खिलौने का नाम 'बार्बी एंड पूपिंग डॉग टैनर' था, जिसमें एक गोल्डन रिट्रीवर कुत्ता और बार्बी डॉल आते थे। इसकी अजीब बात यह थी कि यह कुत्ता पॉटी करता और खाता था।

विवाद के बंद हुई मिज बार्बी डॉल

बार्बी डॉल जीवन के अलग-अलग चरणों को ध्यान में रखकर तैयार की जाती हैं। इसी के चलते मैटल ने मिज नाम की एक डॉल निकाली थी, जो गर्भावस्था को दर्शाती थी। अजीब बात यह थी कि इस डॉल के शरीर पर एक हटाने योग्य पेट लगा होता था। इसके अंदर बच्चा रखा जाता था, ताकि ऐसा लगे कि वह गर्भवती है। हालांकि, कुछ समय बाद ही विवादों के कारण इस डॉल को बनाना बंद कर दिया गया था।

बच्ची से युवा बन जाती थी ग्रोइंग अप स्किपर

बार्बी की छोटी बहन स्किपर भी कभी चर्चा का विषय थी। दरअसल, 1975 में मैटल को लगा की अब स्किपर को बड़ा करने का समय आ गया है। इसके चलते कंपनी ने 'ग्रोइंग अप स्किपर' डॉल निकाली, जो चंद सेकंड में बच्ची से युवा बन जाती थी। जब इस डॉल का हाथ घुमाया जाता था तो इसकी लंबाई और छाती का आकार बढ़ता था। इसके बाजार में आते ही अभिभावकों ने इसकी निंदा की और यह बननी बंद हो गई।

ओरियो बार्बी: 'ओरियो' बिस्कुट की कंपनी है, जो दुनियाभर में मशहूर है। यह बिस्कुट बच्चों को उतना ही पसंद आता है, जितना की बार्बी। यही वजह थी कि एक समय पर बार्बी और ओरियो ने हाथ मिलाया और 'ओरियो बार्बी' निकाली।

उगाया दुनिया का सबसे बड़ा बैंगन बनाया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। बैंगन का सेवन केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में किया जाता है। चाहे इटली का पिज्जा हो, ग्रीस का मौसाका हो या फिर देसी भरता, यह सब्जी कई व्यंजनों की मुख्य सामग्री रहती है। आपने गोल और लंबे आकार वाले कई बैंगन देखे होंगे। हालांकि, क्या हो अगर आपके आगे कोई विशाल बैंगन ला कर रख दे? अमेरिका के एक व्यक्ति ने ऐसा ही एक विशाल बैंगन अपने खेत में उगाया है। यह कमाल एरिक गनस्ट्रोम नाम के व्यक्ति ने किया है, जो अमेरिका के पेंसिल्वेनिया के निवासी हैं। उन्होंने इतना बड़ा बैंगन उगाया है, जिसका वजन एक बिल्ली के बराबर है। इसका कुल वजन 3.969 किलोग्राम है, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा बैंगन बन गया है। इस बैंगन के जरिए गनस्ट्रोम का नाम गिनीज बुक में शामिल हो गया है। 19 अगस्त को उन्होंने 'सबसे भारी बैंगन' उगाने का खिताब अपने नाम किया था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com